य एषु सुप्तेषु जागर्ति | वर्ष 19 | अंक 317 | पृष्ठ 12 | मूल्य 5.00 | नई दिल्ली, सोमवार, 10 जून, 2024 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्थी, संवत् 2081

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

मैं नरेंद्र दामोदर दास मोदी...

एनडीए सरकार की तीसरी पारी शुरू

शपथ लेता हूं कि... सबके साथ न्याय करूंगा

सीएम रहे, केंद्रीय मंत्री पहली बार...

शिवराजसिंह चौहान | मनोहरलाल खट्टर | एचडी कुमारस्वामी | जीतनराम मांझी

नई मंत्रिपरिषद में 72 ने ली शपथ

नवनीत मिश्र
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का रविवार को लगातार तीसरी बार राज्यारोहण हुआ जिसमें पिछली सरकार के अधिकांश वरिष्ठ मंत्रियों को स्थान देने के साथ राजग के घटक दलों के सात नए चेहरों को जगह दी गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में शाम 7.15 बजे आयोजित एक भव्य समारोह में मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के 71 सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल में जम्मू कश्मीर से लेकर केरल तथा गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्थान दिया गया है।

नई मंत्रिपरिषद में तीस कैबिनेट, पांच स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 36 राज्य मंत्री रखे गए हैं। मोदी (73) 1962 के बाद ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में कामयाबी पाई है। मंत्रिमंडल में भाजपा के चार ऐसे वरिष्ठ नेताओं राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह और जगत प्रकाश नड्डा को शपथ दिलाई गई है जो पार्टी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति से नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद मीडिया से बातचीत में संकेत दे दिया था कि उनकी तीसरी टीम में अनुभवी साथियों को बरकरार रखा जाएगा। नई सरकार में तेलुगु देशम पार्टी और जनता दल (यू) को एक-एक कैबिनेट और एक-एक राज्य मंत्री का पद दिया गया है। जनता दल सेकुलर के प्रमुख व कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी तथा हिन्दुस्तानी अवामी मोर्चा के नेता एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। नई मंत्रिपरिषद में पिछली सरकार में मंत्री रहे 21 नाम नहीं हैं जिनमें स्मृति ईरानी, राजीव चंद्रशेखर, नारायण राणे, साध्वी निरंजन ज्योति, महेंद्र नाथ पांडेय, जनरल वी के सिंह, अश्विनी चौबे, अर्जुन मुंडा, अजय मिश्रा टेनी व आरके सिंह प्रमुख हैं।

राज्यों को मिला प्रतिनिधित्व

- **मध्यप्रदेश:** शिवराजसिंह चौहान, डा. वीरेंद्र खटीक, ज्योतिरादित्य सिंधिया, दुर्गादास उईके, सावित्री ठाकुर।
- **राजस्थान:** भूपेंद्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, भागीरथ चौधरी।
- **गुजरात:** अमित शाह, एस जयशंकर, मनसुख मांडविया, सीआर पाटिल, नीमू बेन बंभानिया।
- **कर्नाटक:** एचडी कुमारस्वामी, प्रल्हाद जोशी, शोभा करंदलाजे, बी.सोमन्ना।
- **छत्तीसगढ़:** तोखम साहू।

समारोह में विपक्ष से खरगे हुए शामिल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे संभवत: अकेले विपक्षी नेता थे, जो नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। हालांकि, कुछ अन्य विपक्षी नेताओं को भी निमंत्रण भेजा गया था। समारोह में बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अनिल कपूर और रजनीकांत, उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी भी शामिल हुए। अभिनेता अक्षय कुमार, रवीना टंडन, अनुपम खेर और विक्रांत मैसी भी उपस्थित थे।

नई सरकार: 4 कैबिनेट, 2 स्वतंत्र प्रभार और 27 राज्यमंत्री नए चेहरे

नई दिल्ली में रविवार को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नए मंत्रिमंडल के सदस्य।

पड़ोसी प्रथम : शेख हसीना सहित 7 देशों के प्रतिनिधि बने साक्षी

शपथ समारोह में 'पड़ोसी प्रथम' की नीति के तहत आमंत्रित श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड', मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे और सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीक शामिल हुए। इस समारोह के लिए करीब आठ हजार मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। करीब पौने तीन घंटे बाद शपथ ग्रहण कार्यक्रम समाप्त होने के बाद विदेशी मेहमान राष्ट्रपति द्वारा आयोजित राजकीय भोज में शामिल हुए।

चौंकाने वाले रहे एक दर्जन से अधिक नाम

- **नीमूबेन बंभानिया:** गुजरात के भावनगर लोकसभा सीट से चुनाव जीतीं तेली समाज की नीमूबेन का नाम कहीं भी रेस में नहीं था।
- **कमलेश पासवान:** यूपी की बांसगांव सीट से जीते कमलेश का नाम भी चौंकाने वाला रहा। पिता की रैली में हत्या के बाद ये राजनीति में उतरे।
- **कीर्तिवर्धन सिंह:** उत्तर प्रदेश की गोंडा सीट से तीसरी बार जीते कीर्तवर्धन सिंह भी मंत्री बने। उनका नाम भी चर्चा में नहीं था।
- **सीआर पाटिल:** गुजरात के पाटिल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में माने जाते थे, लेकिन मंत्रिमंडल में शामिल होना चौंकाने वाला रहा।

ये नाम भी नहीं थे चर्चा में

बिहार से तीन नाम चौंकाने वाले रहे। इनमें राज्यसभा सदस्य सतीश दुबे, रामनाथ ठाकुर, डॉ. राजभूषण चौधरी, वहीं केरल से भाजपा का खाता खोलने वाले सुरेश गोपी, टीडीपी से राम मोहन नायडू, चंद्रशेखर पम्मसानी, झारखंड से संजय सेठ, राजस्थान से भगीरथ चौधरी, दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा, महाराष्ट्र से शिवसेना नेता प्रतापराव जाधव ने भी चौंकाया।

- अनुभवी चेहरों के साथ सहयोगियों को भी साधने का प्रयास किया
- अनुराग ठाकुर, अजय भट, नारायण राणे व पुरुषोत्तम रूपाला को जगह नहीं

नए मंत्रियों को नसीहत

ईमानदारी से समझौता न करें : मोदी

शपथ ग्रहण समारोह से पहले सुबह भावी मंत्रियों से चाय पर चर्चा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें जो भी काम सौंपा जाए, वे विनम्र रहें क्योंकि आम लोग विनम्र लोगों को पसंद करते हैं। लोगों को बड़ी उम्मीदें हैं और सभी को उनके अनुरूप काम करना होगा। उन्होंने संभावित मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे शासन पर ध्यान दें और 100 दिन के रोडमैप को जमीन पर उतारें। परियोजनाओं को समय पर पूरा करना महत्त्वपूर्ण है, इसलिए काम में जुट जाएं। मोदी ने कहा कि सभी सांसदों को सम्मान और गरिमा देनी चाहिए क्योंकि वे सभी जनता द्वारा चुने गए हैं। साथ ही सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों का सम्मान करना चाहिए। मोदी ने भावी मंत्रियों को नसीहत दी कि टीम के रूप में और टीम भावना के साथ काम करें, ईमानदारी और पारदर्शिता से समझौता नहीं करें।

टीडीपी-जेडीयू को एक-एक कैबिनेट पद, नहीं दिखा दबाव

नई दिल्ली. भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिलने से गठबंधन सहयोगियों की ओर से मंत्री पदों के लिए कई फार्मूलों व सौदेबाजी की चर्चाएं रविवार को सरकार के गठन में सच साबित नहीं हुई।

मोदी 3.0 सरकार के गठन में एनडीए गठबंधन सहयोगियों का ज यादा दबाव नहीं दिखा। एनडीए में भाजपा के बाद बड़े घटक दल 16 सीट वाले तेलुगुदेशम और 12 सीट वाले जेडी-यू के एक-एक कैबिनेट और एक-एक राज्य मंत्री बनाए गए। लोक जन शक्ति पार्टी (आरवी) के पांच सांसदों में से केवल पार्टी सुप्रीमो चिराग पासवान को मंत्री बनाया गया वहीं जेडी-एस और 'हम' को एक-एक कैबिनेट मंत्री मिला। रालोद व शिवसेना (शिंदे) को स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री से ही संतोष करना पड़ा। इसके अलावा अन्य छोटे सहयोगियों अपना दल (एस), आरपीआइ (अठावले) को केवल राज य मंत्री पद मिला।

एनसीपी नहीं हुई कैबिनेट में शामिल : मोदी सरकार में अजीत पवार की एनसीपी की ओर से कोई मंत्री नहीं बना। दरअसल भाजपा ने शिवसेना (शिंदे) की तरह ही एनसीपी को स्वतंत्र प्रभार वाले राज य मंत्री का पद ऑफर किया था। एनसीपी प्रफुल्ल पटेल को अपने कोटे से मंत्री बनाना चाहती थी जो पहले कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं।

भाजपा में कार्यवाहक अध्यक्ष संभव

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मोदी सरकार में मंत्री बन जाने के बाद अब नए अध्यक्ष की तलाश होगी। खास बात है कि नड्डा के बाद इस पद की रेस में शामिल धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, शिवराज सिंह चौहान, सीआर पाटिल जैसे सभी चेहरों को पीएम मोदी ने अपने मंत्रिपरिषद में शामिल कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, कुछ समय बाद किसी को कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है। नड्डा का कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है।

सबसे बड़ी कैबिनेट | 21 सामान्य, 27 ओबीसी, 10 एससी, 5 एसटी और 5 अल्पसंख्यकों, 6 महिलाओं को मिला मौका

मोदी 3.0 सरकार में जंबो मंत्रिपरिषद बनाकर साधे गए सियासत के सारे समीकरण

सरकार में ईसाई और सिख मंत्री बने लेकिन मुस्लिम चेहरा नहीं

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह अब तक का सबसे बड़ा मंत्रिमंडल है। 2014 में 55 मंत्रियों के साथ 2019 में 58 तो इस बार उन्होंने 71 मंत्रियों के साथ शपथ लेकर उन्होंने जंबो मंत्रिपरिषद का रेकॉर्ड बनाया है। मंत्रिपरिषद में जहां मेरिट का ख्याल रखा है, वहीं जातिगत समीकरणों को भी साधने की कोशिश की गई है। सबसे ज्यादा 27 चेहरे ओबीसी हैं तो दूसरे नंबर पर कोर वोटर माने जाने वाले सामान्य जाति के 21 चेहरों को मंत्री बनने का मौका मिला है। इसी तरह 10 दलित, पांच आदिवासी और पांच अल्पसंख्यकों के जरिए 'सबका साथ सबका विकास' का संदेश देने की कोशिश की गई है। हालांकि, कोई मुस्लिम चेहरा इसमें नहीं है। इस बार 19 वरिष्ठ मंत्री कुर्सी बचाने में सफल रहे। हालांकि चुनाव जीतकर आए चार मंत्री बाहर हो गए।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद सिर झुकाकर लोगों का अभिवादन करते मोदी।

सहयोगी दलों से 11 चेहरे हुए शामिल

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की इस तीसरी सरकार में निर्मला सीतारमण और अनुप्रिया पटेल सहित छह महिलाओं को मौका देकर आधी आबादी की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। मोदी ने गठबंधन सरकार होने के कारण सहयोगी दलों से 11 चेहरों को मंत्री बनाया है। मध्यप्रदेश के वीरेंद्र कुमार, राजस्थान के गजेंद्र सिंह शेखावत और अर्जुन राम मेघवाल सहित 43 ऐसे चेहरे मंत्री बने हैं जो तीन या उससे अधिक बार सांसद रह चुके हैं।

हारे राज्यों से नाइंसाफी नहीं

लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान जैसे राज्यों में भाजपा का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा। इसके बावजूद भाजपा ने इन राज्यों का भरपूर ख्याल रखा है। पहले जैसा ही सरकार में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया है।

पूर्व सीएम के अनुभव का लाभ

पिछली बार की तुलना में इस बार मोदी सरकार के पास कुछ ज्यादा ही अनुभवी चेहरे हैं। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी जैसे अनुभवी चेहरों को सरकार को लाभ होगा।

चुनाव हारे बिट्टू की सरप्राइज एंट्री

मोदी सरकार में सबसे सरप्राइज एंट्री रवनीत सिंह बिट्टू की रही। चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस से दल बदलकर आने वाले पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते बिट्टू को भाजपा ने चुनाव मैदान में उतारा था, लेकिन हारने के बावजूद उन्हें मंत्री बनाकर पार्टी ने पंजाब में अपना बेस मजबूत करने की कोशिश की है।

पॉलिसी : पीएम मोदी की अगुवाई में एनडीए सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता पर काबिज, रिटेल ट्रेड-ईकॉमर्स पॉलिसी सहित पीएलआइ योजना पर होगा काम

मोदी 3.0 में इन नीतियों पर फोकस, छोटे-बड़े कारोबारियों को होगा फायदा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

केंद्र की नई एनडीए सरकार की प्राथमिकता में ये नीतियां हो सकती हैं शामिल

नई दिल्ली. पीएम मोदी की अगुवाई में एनडीए सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता पर काबिज हो गई है और अब मोदी 3.0 सरकार कामकाज शुरू कर देगी। इस बार कई ऐसी नीतियां हैं, जिनपर मोदी सरकार का खास फोकस होगा।

साथ ही कई ऐसी पॉलिसीज भी हैं, जिनपर पिछले कार्यकाल में काम शुरू हो चुका था, लेकिन जिन्हें अब तक अंजाम तक नहीं पहुंचाया गया है। नई सरकार का फोकस रिटेल ट्रेड पॉलिसी से लेकर ई-कॉमर्स पॉलिसी, डीपटेक स्टार्टअप पॉलिसी, पीएलआइ 2.0 जैसी नीतियों पर हो सकता है, जिससे छोटे कारोबारियों से लेकर स्टार्टअप्स और बड़े व्यवसायों को फायदा हो सकता है।

रिटेल ट्रेड पॉलिसी: नई सरकार नेशनल रिटेल ट्रेड पॉलिसी के तहत छोटे कारोबारियों के लिए व्यापार में सहूलियत बढ़ाने और रिटेल सेक्टर को ग्लोबल स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने पर जोर देगी। इसमें छोटे कारोबारियों को आसान शर्तों पर कर्ज उपलब्ध कराने से लेकर कारोबारी जोखिम कम करने के लिए सस्ते प्रीमियम पर दुर्घटना बीमा मुहैया कराने की तैयारी है। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में भी इसका जिक्र किया है।

ई-कॉमर्स पॉलिसी: देश में ई-कॉमर्स सेक्टर के इकोसिस्टम को बेहतर और पारदर्शी बनाने पर जोर होगा। इस पॉलिसी में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, डेटा लोकलाइजेशन, डेटा सिक्योरिटी, मार्केटप्लेस में इनोवेशन, एक्सपोर्ट को बढ़ावा आदि शामिल होगा। सभी स्टेकहोल्डर्स जैसे इनवेस्टर्स, मैनुफैक्चरर्स, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, ट्रेडर्स, रिटेलर्स और कंज्यूमर के हितों को ध्यान में रखते हुए पॉलिसी ड्राफ्ट की गई है। एक्पोर्ट के लिए ई-कॉमर्स हब बनाने पर भी चर्चा चल रही है।

कंज्यूमर प्रोटेक्शन रूल्स: ऑनलाइन शॉपिंग करने वाले ग्राहकों के लिए सुरक्षित और पारदर्शी सिस्टम बनाना प्राथमिकता होगी। इसके तहत डीप डिस्काउंटिंग, फ्लैश सेल और प्रीडेटरी प्राइसिंग जैसे मुद्दों और ऑनलाइन ग्राहकों के अधिकारों को बचाने के लिए नियमों को लागू किया जाना है।

पीएलआइ 2.0: खिलौनों, साइकिल, केमिकल सेक्टर, लेदर फुटवियर, कंटेनर जैसे नए सेक्टर में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिंग (पीएलआइ) स्कीम के विस्तार करने की

योजना है। साथ ही जिन 14 सेक्टर में पीएलआइ स्कीम लागू हैं, उनका रिव्यू करना और मौजूदा पॉलिसी में बदलाव करना सरकार के एजेंडे में है।

फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट: लंबे समय से भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट पर चर्चा चल रही है। जल्द दोनों देश इस डील पर मुहर लगा सकते हैं। इस एग्रीमेंट में 26 मुद्दों पर बातचीत जारी है। इनमें गुड्स एंड सर्विस, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी, सरकारी खरीद और सोर्सिंग रूल्स, बिजनेस और सस्टेनेबल डेवलपमेंट, लेबर, जेंडर और डिजिटल ट्रेड शामिल हैं। इसके अलावा कार्बन टैक्स जैसे मुद्दे भी शामिल हैं। भारत-ओमान ट्रेड डील भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

डीपटेक स्टार्टअप पॉलिसी: डीप टेक्नोलॉजी सेक्टर में इनोवेशन और ग्रोथ को बढ़ावा देना इस पॉलिसी का मकसद है। पिछले साल जुलाई में नेशनल डीपटेक स्टार्टअप पॉलिसी का ड्राफ्ट जारी किया गया था, जिसपर चर्चा करने के बाद कैबिनेट नोट भी तैयार हो चुकी थी, जिसे अब लागू किया जा सकता है। इसके तहत आरएंडडी पर खर्च बढ़ाना, लॉन्ग टर्म फंडिंग, नई टेक्नोलॉजी के संभावित रिस्क और सेफ इन्वॉयरमेंट तैयार करने के लिए रेगुलेटरी फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा।

एसईजेड अमेंडमेंट बिल: सरकार एसईजेड एक्ट में बदलाव कर एक्सपोर्टर्स और मैन्युफैक्चरर्स को घरेलू मार्केट में एक्सेस देने की योजना पर काम कर रही है। एसईजेड यूनिट्स के लिए आसान अप्रूवल पॉलिसी लाने की तैयारी है।

टेस्ला की एंट्री: एलन मस्क टेस्ला ईवी की भारत में एंट्री को लेकर नए सिरे से बातचीत शुरू कर सकते हैं। एलन मस्क ने लोकसभा चुनावों में जीत को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी और कहा कि वह भारत में काम करने को लेकर उत्सुक हैं। टेस्ला का प्लांट महाराष्ट्र, गुजरात या तमिलनाडु में लग सकता है। मस्क ने इस प्लांट पर 3 अरब डॉलर के निवेश की इच्छा जताई थी।

झालावाड़ के इरशाद को उर्दू अवार्ड

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. कौमी उर्दू कर्मचारी शिक्षक संघ दिल्ली की ओर से आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में झालावाड़ के इरशाद हुसैन को उर्दू अवार्ड दिया गया।

इरशाद हुसैन झालावाड़ जिले के राजकीय प्राथमिक विद्यालय सहीपुर में शिक्षक होने के साथ राज अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन के जिला सचिव भी हैं। उनको यह सम्मान उर्दू भाषा के उन्नयन और योगदान के लिए दिया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष वासिल अली और राजस्थान की अध्यक्ष सीमा भाटी भी मौजूद रहे।

पत्रिका She NEWS

पौधों पर करते हैं गोमूत्र का छिड़काव

जंगल का अहसास करवाता यह घर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हरे-भरे पौधों के बीच पक्षियों का कलरव, चारों तरफ उड़ती रंग-बिरंगी तितलियां, बंदरों का आना जाना, भीड़-भाड़ वाले माहौल में जंगल का अहसास करवाता है, मालवीय नगर, जयपुर निवासी शारदा डागा का आशियाना। बेल वालों का घर और ऑक्सीजन फैक्ट्री के नाम से प्रसिद्ध उनका घर भरी गर्मी में भी ठंडा रहता है। शारदा के अनुसार जहां बाहर का तापमान 40 डिग्री से अधिक होता है, वहीं उनके घर तापमान 35 डिग्री रहता है। शारदा ने पीयूसी पाइप में ऑर्गेनिक फल और सब्जियां उगाकर कम जगह में अधिक पौधे लगाने का प्रयास किया है।

पौधे सुनते हैं संगीत

500 गमलों वाले इस गार्डन में पौधों को खाद और पानी के साथ संगीत की मधुर ध्वनियां भी सुनाई जाती हैं। शारदा का मानना हैं कि पौधों को पॉजिटिव वाइव्स मिले, इसके लिए गार्डन में गायत्री मंत्र और भजनों की धुन चलाते हैं। पानी की बर्बादी रोकने के लिए उन्होंने वाटर इरिगेशन सिस्टम लगा रखा है। गार्डन में बंदरों और अन्य पशु-पक्षियों के खाने की भी व्यवस्था है, लेकिन पौधों को बंदरों आदि से कोई नुकसान न हो, इसके लिए विशेष घंटियों का इंतजाम किया हुआ है। पौधों को कीड़ों से बचाने के लिए गोमूत्र का छिड़काव किया जाता हैं।

देते हैं पर्यावरण संरक्षण का संदेश

40 सालों से बागवानी की शौकीन शारदा ने यह हुनर अपने ससुर से सीखा। वह कहती हैं कि उन्होंने ससुर से पौध तैयार करना, पौधों के रख-रखाव संबंधित कई चीजें सीखीं और उनकी मदद करने लगीं। तब से यह अनवरत चला आ रहा है। शारदा का पूरा परिवार पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित है। पति नवल किशोर अपने स्लोगन के माध्यम से पर्यावरण बचाने का संदेश देते हैं, वहीं बेटी पिंकी भी इसमें योगदान दे रही हैं। नवल किशोर ने पर्यावरण का संदेश देने के लिए गमलों पर कई स्लोगन लिखे हैं।

रेनबो

घर को दें मेडिटेरियन लुक

अगर आप घर बैठे ही समुद्र और रिसॉर्ट की फीलिंग चाहते हैं तो घर को मेडिटेरियन स्टाइल में डेकोरेट करें। आंखों को राहत देता यह डेकोरेशन स्टाइल इटली, ग्रीस और स्पेन की डेकोरेशन थीम से प्रभावित है। यह थीम मिट्टी से जुड़ाव को दिखाती है। थोड़ी सी सावधानी से कम बजट में इस डेकोरेटिव थीम का आनंद ले सकते हैं।

- डायनिंग एरिया को पुराने फर्नीचर, विंटेज शो पीस और पैटर्न वॉल पेपर से सजा सकते हैं। फर्नीचर पर पॉलिश नहीं होनी चाहिए। नक्काशीदार खिड़कियां घर को खूबसूरत दिखा सकती हैं।
- टस्कन लुक के लिए दीवारों को सुनहरे पीले, टेराकोटा कलर या गेरू मिट्टी जैसा कलर कर सकते हैं।
- बेडरूम में गहरे मेडिटेरियन अहसास के लिए दीवारों पर नीला या पन्ना हरा कलर कर सकते हैं। नीले और सफेद रंगों के साथ कूल टोन दे सकते हैं।
- घर के बाहर ऑलिव ग्रीन कलर को प्राथमिकता दें।
- ग्रीक शैली में पर्दे लगाएं। इसके लिए नीला, फिरोजी या सफेद रंग के पर्दों का यूज करें।
- रिसॉर्ट जैसे लुक के लिए गार्डन को ऐसे पौधों से सजाएं, जिन्हें कम पानी की जरूरत होती है। घर में हरियाली इस डेकोरेशन थीम को पूरी करती है। इसके लिए आप घर में ताड़ जैसे सजावटी पौधे लगा सकते हैं। **-तरूणा,** इंटीरियर डेकोरेटर।

पत्रिका शी न्यूज़
आप पत्रिका शी न्यूज फेसबुक पेज के माध्यम से भी जुड़ सकते हैं। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।
हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

लोकसभा चुनाव में लगातार हार को लेकर सीडब्ल्यूसी में हुई चर्चा

मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली को लेकर कांग्रेस चिंतित

बूथवार समीक्षा कर तलाशेंगे खामियां

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस का प्रदर्शन सुधरा हो, लेकिन मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व दिल्ली जैसे राज्यों में खाता तक नहीं खोल सकी है। इसको लेकर पार्टी चिंतित है। साथ ही इन राज्यों पर फोकस करते हुए पार्टी संगठन में अमूल-चूल बदलाव कर सकती है। इससे पहले कांग्रेस की ओर से बनाई जाने वाली कमेटी हार के कारणों को लेकर रिपोर्ट तैयार करेगी। वहीं नतीजों का बूथवार समीक्षा कर खामियां तलाशेंगे।

दरअसल, मध्यप्रदेश में लंबे समय से कांग्रेस सत्ता से बाहर है। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए सरकार बनाई, लेकिन पार्टी की अंदरूनी झगड़े के चलते सरकार चली गई। इसके बाद पार्टी का प्रदर्शन लगातार खराब होता चला गया। मध्यप्रदेश में कई बड़े नेताओं के साथ हजारों कार्यकर्ताओं ने पार्टी को छोड़ा है। इंदौर जैसी लोकसभा सीट पर अधिकृत उम्मीदवार ने नामांकन वापस ले लिया। अब छिंदवाड़ा में पूर्व सीएम कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ तो राजगढ़ में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा हैं। मध्यप्रदेश के एक बड़े नेता ने कहा कि मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद संगठन कोलेप्स कर गया। पार्टी से नेता जाते रहे, जिन्हें रोकने का कोई प्लान तक नहीं बना।

बूथवार तलाशेंगे ट्रेंड

सीडब्ल्यूसी बैठक में इस पर भी चर्चा हुई कि जहां कांग्रेस का प्रदर्शन ठीक नहीं रहा है, वहां नतीजों की समीक्षा बूथवार करनी चाहिए। इससे ट्रेंड का पता लग सकता है। साथ ही उन वर्गों का पता लग सकता है, जो कांग्रेस से लगातार दूरी बनाए हुए हैं। इससे कांग्रेस को अपनी आगे की नीतियां बनाने में आसानी होगी।

सुक्खू-विक्रम के झगड़े का असर

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में वापसी कर सरकार बनाई, लेकिन कुछ ही समय में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू व पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के पुत्र विक्रमादित्य का झगड़ा सामने आ गया। इसके चलते सरकार संकट में फंस गई। इसी बीच हुए लोकसभा चुनाव में इस झगड़े का असर दिखा और एक बार फिर कांग्रेस का खाता नहीं खुला।

उत्तराखंड में फिर बुरा हाल

उत्तराखंड में कांग्रेस का प्रदर्शन सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। यहां एक बार फिर लोकसभा चुनाव में सभी पांचों सीटों पर कांग्रेस का सफाया हो गया।

दिल्ली : मालीवाल मामले का नुकसान

यहां सातों सीटों पर कांग्रेस ने आप के साथ मिलकर चुनाव लड़ा। कांग्रेस को तीन सीटें मिली। कांग्रेस नेता साफ कह रहे हैं कि लोकसभा चुनाव के चरम पर होने के दौरान राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल मामले ने माहौल को पूरी तरह बदल दिया। इसका नुकसान आप के साथ कांग्रेस को भी उठाना पड़ा हैं।

संसद में स्टूडेंट्स की आवाज बनूंगा : राहुल

संसद की ओर बढ़ने के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं को रोकती पुलिस।

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के शपथ लेने से पहले नीट परीक्षा में धांधली होने से 24 लाख से अधिक स्टूडेंट्स और उनके परिवारों को तोड़ दिया है। राहुल ने कहा कि वे विश्वास दिलाते हैं कि संसद में स्टूडेंट्स की आवाज बनेंगे और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दे को मजबूती से उठाएंगे। उधर, युवा कांग्रेस ने नीट परीक्षा की गड़बड़ी के विरोध में दिल्ली में संसद परिसर के समीप प्रदर्शन किया। वहीं देश के कई अन्य इलाकों में भी इस तरह के प्रदर्शन किए गए हैं।

राहुल ने बयान जारी कर कहा कि एक ही एग्जाम सेंटर से 6 छात्र अधिकतम अंक के साथ टॉप कर जाते हैं, कितनों को ऐसे मार्क्स मिलते हैं जो टेक्निकली संभव ही नहीं है, लेकिन सरकार लगातार पेपर लीक की संभावना को नकार रही हैं। हमने अपने घोषणा पत्र में कानून बना कर छात्रों को 'पेपर लीक से मुक्ति' दिलाने का संकल्प लिया था। युवाओं ने इंडिया गठबंधन पर भरोसा जताया है, इंडिया गठबंधन उनकी आवाज़ को दबने नहीं देगा। इधर, युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी की अगुवाई में संसद परिसर के समीप प्रदर्शन किया।

पुलिस से टकराव

संसद की ओर बढ़ने के चलते कार्यकर्ताओं का पुलिस से टकराव हो गया। इस दौरान श्रीनिवास ने कहा कि आज देश में ऐसी कोई परीक्षा नहीं है, जिसमें धांधली नहीं होती हो। यही वजह है कि छात्रों ने सोशल मीडिया पर लिखना शुरू कर दिया है, एक बार फिर, लीकेज सरकार। चुनाव से पहले नरेंद्र मोदी परीक्षा पर चर्चा करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद पेपर लीक और धांधली पर कोई बात नहीं होती है।

फोटो को लाइक-शेयर व पार्ट टाइम जॉब से हो रही साइबर ठगी

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. पश्चिमी दिल्ली स्थित द्वारका में दिल्ली पुलिस साइबर टीम की ओर से साइबर सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत लोगों को जागरूक करते हुए ठगी से बचाव के तरीके बताए गए।

इस अभियान की अध्यक्षता एसएचओ साइबर सेल द्वारका सेक्टर 17 के जगदीश कुमार ने की। उन्होंने कहा कि साइबर ठगों का मुख्य टारगेट 40 वर्ष से अधिक वालों के साथ घर से काम करने वाले व्यक्ति और मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने वाले व्यक्ति रहते हैं। उन्होंने कहा कि फोटो को लाइक व शेयर, पार्ट टाइम जॉब, शेयर बाजार और वीडियो चैट से ठगी की जा रही है। केवल द्वारका जोन से पिछले साल लगभग 54 करोड़ रुपए की ठगी हुई है। टेलीग्राम और इंस्टाग्राम के माध्यम से सब से ज्यादा ठगी के मामले आ रहे है। बड़ौदा हाउस अपार्टमेंट के अध्यक्ष रवींद्र मालिक, सचिव दीप्ति राणा, राहुल श्रीवास्तव, संजय पोद्दार आदि शामिल हुए।

आरबीआइ हाउसहोल्ड सर्वे : प्रोसेस्ड फूड पर सबसे ज्यादा खर्च कर रहे भारतीय

हरियाणा, राजस्थान और मध्यप्रदेश में दूध और डेयरी पर सबसे अधिक खर्च कर रहे लोग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. जीवनयापन के कुल खर्च में खाने-पीने की चीजों की हिस्सेदारी पूरे देश के स्तर पर पिछले 10 वर्षों में घटकर घटकर 50% से नीचे आ गई है। हालांकि, बिहार और असम जैसे राज्यों में लोगों के कुल खर्च में खाने-पीने की चीजों का हिस्सा सबसे अधिक है।

आरबीआइ की ओर से वर्ष 2022-23 के लिए जारी हाउसहोल्ड सर्वे के मुताबिक, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्यप्रदेश और यूपी जैसे राज्यों के लोग खाने-पीने में दूध और इससे बनी चीजों पर सबसे अधिक खर्च कर रहे हैं। खान-पान में शहरी और ग्रामीण इलाकों के लोग सबसे अधिक खर्च प्रोसेस्ड फूड और कोल्डड्रिंक्स पर कर रहे हैं। गांवों में खाने-पीने पर प्रति व्यक्ति एक महीने का औसत खर्च 1750 रुपए और शहरों में 2530 रुपए रहा। अनाज के मामले में प्रति व्यक्ति हर महीने सबसे अधिक 11.23 किलो की खपत पश्चिम बंगाल के ग्रामीण इलाकों में है। इसके बाद ओडिशा में 11.21 किलो, बिहार में 11.14 किलो और राजस्थान में 10.55 किलो का नंबर है। सबसे कम 6.6 किलो खपत केरल में है। हालांकि केरल में मांस-मछली पर लोगों का सबसे अधिक खर्च होता है।

गैर-खाद्य चीजों पर लगातार बढ़ रहा खर्च

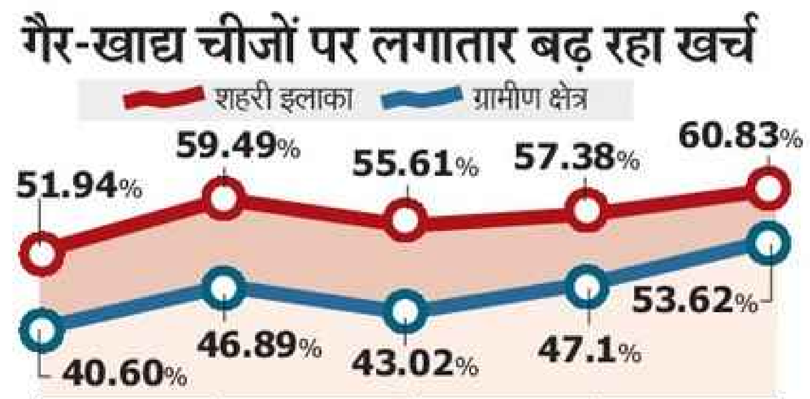

(कुल मासिक खर्च में हिस्सेदारी)

यहां डेयरी उत्पादों पर अधिक खर्च...

राज्य	ग्रामीण	शहरी
हरियाणा	41.7%	33.1%
राजस्थान	35.5%	33.2%
पंजाब	34.7%	32.3%
गुजरात	25.5%	24.1%
उत्तर प्रदेश	22.6%	25.2%
मध्यप्रदेश	21.5%	23.1%

(लोगों के मासिक खर्च में दूध से बने उत्पादों की हिस्सेदारी)

जम्मू कश्मीर : बस में शिवखोड़ी मंदिर से कटरा लौट रहे थे लोग

तीर्थयात्रियों पर आतंकी हमला, 10 की मौत

श्रीनगर. रियासी में रविवार को आतंकी हमले के बाद खाई में गिरी बस और बदहवास महिला तीर्थयात्री।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस रविवार को आतंकियों की गोलीबारी के बाद खाई में गिर गई। इससे 10 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 33 घायल हो गए। रियासी की एसएसपी मोहिता शर्मा ने बताया कि बस शिवखोड़ी मंदिर से कटरा लौट रही थी। बस में 45 यात्री सवार थे। पोनी इलाके के तेरयाथ गांव के पास घात लगाकर बैठे आतंकियों ने बस पर सामने से फायरिंग कर दी। गोली लगने से बस चालक संतुलन खो बैठा और बस 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। गोलीबारी के बाद आतंकी भाग निकले। जानकारी मिलने के बाद सेना और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू किया। देर शाम तक रेस्क्यू अभियान पूरा किया जा चुका था। बताया जाता है कि अधिकतर तीर्थयात्री उत्तर प्रदेश के हैं। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल और आसपास के इलाके को घेरकर आतंकियों की तलाश शुरू कर दी है। बताया जाता है कि यह आतंकियों का वही ग्रुप है, जो राजौरी, पुंछ और रियासी के ऊपरी इलाकों में छिपा हुआ है। गौरतलब है कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब दिल्ली में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह चल रहा था।

सेना की वर्दी के रंग के कपड़े पहने थे

एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि आतंकियों ने सेना के वर्दी के रंग के कपड़े पहन रखे थे। उन्होंने अचानक बस के सामने आकर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग होते ही बस में चीख पुकार मच गई।

दो साल पहले भी हुआ था हमला

इससे पहले 13 मई, 2022 को भी कटरा से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस में स्टिकी बम लगाकर हमला किया गया था। बस में आग लगने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी जबकि 24 घायल हुए थे।

जेईई एडवांस्ड के नतीजे : छात्राओं में द्विजा पटेल शीर्ष पर, जोसा काउंसलिंग आज से

इंदौर के वेद को अब तक के सर्वाधिक अंक

नई दिल्ली@पत्रिका. आइआइटी मद्रास ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस्ड के नतीजे रविवार को जारी कर दिए। आइआइटी दिल्ली जोन से परीक्षा देने वाले इंदौर के वेद लाहोटी ने 360 में से 355 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान हासिल किया। यह जेईई एडवांस्ड में सबसे ज्यादा अंक का नया रेकॉर्ड है। आइआइटी बॉम्बे जोन की द्विजा पटेल ने 322 अंक हासिल कर छात्राओं में शीर्ष रैंक हासिल की। उनकी अखिल भारतीय रैंक सातवीं है।

जेईई एडवांस्ड परीक्षा 26 मई को आयोजित की गई थी। पहले व दूसरे पेपर की परीक्षा देने वाले 1,80,200 में से 48,248 अभ्यर्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। इनमें 7,964 महिलाएं हैं।

ये हैं टॉप 10

अभ्यर्थी	अंक	जोन
वेद लाहोटी	355	दिल्ली
आदित्य	346	दिल्ली
बी. संदेश	338	मद्रास
रिदम केडिया	337	रुड़की
पुट्टी कुशल	334	मद्रास
राजदीप मिश्रा	333	बॉम्बे
द्विजा पटेल	332	बॉम्बे
कोडुरु तेजेश्वर	331	मद्रास
ध्रुविन हेमंत	329	बॉम्बे
सिद्धविक	329	मद्रास

शपथ ग्रहण: 30 कैबिनेट मंत्री, 5 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), 36 राज्यमंत्री

71 सिपहसालार मोदी 3.0 के

नए मंत्रियों ने शपथ ली, विभागों का वितरण आज संभव

नई दिल्ली @ पत्रिका. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 71 मंत्रियों के साथ पद और गोपनीयता की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित भव्य समारोह में 30 कैबिनेट, 5 स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्रियों और 36 राज्य मंत्रियों ने शपथ ली। पीएम मोदी ने तीसरी बार शपथ ग्रहण करके पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बराबरी कर ली, जो लगातार तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे। कैबिनेट मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा और शिवराज सिंह चौहान सहित कई दिग्गजों ने शपथ ली। 24 राज्यों से कुल 71 मंत्री बनाए गए हैं। 43 मंत्री ऐसे हैं जो तीन बार या उससे अधिक बार सांसद चुने जा चुके हैं।

07 महिलाएं इस बार मोदी मंत्रिमंडल में | **10** मंत्री सबसे ज्यादा उत्तरप्रदेश से | **08** मंत्री बिहार से, एक पूर्व सीएम भी

मोदी सरकार के बड़े चेहरे

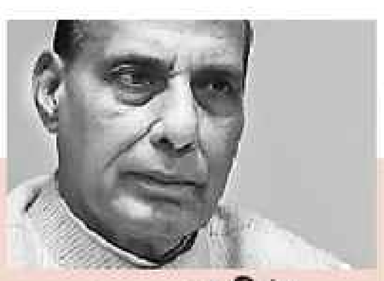

राजनाथ सिंह
आयु: 72
योग्यता: स्नातकोत्तर (विज्ञान वर्ग)
कहां से जीते: लखनऊ
सम्पत्ति: **3.11** करोड़
अनुभव रक्षामंत्री- गृहमंत्री रहे। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री। दो बार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष।

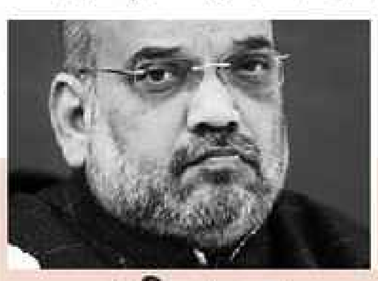

अमित शाह
आयु: 59
योग्यता: स्नातक
कहां से जीते: गांधीनगर
सम्पत्ति: **65.67** करोड़
अनुभव मोदी सरकार में गृहमंत्री रहे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं।

नितिन गडकरी
आयु: 67
योग्यता: स्नातकोत्तर
कहां से जीते: नागपुर
सम्पत्ति: **62.79** करोड़
अनुभव सड़क परिवहन, ग्रामीण विकास व पंचायतीराज मंत्री रहे।

जे.पी. नड्डा
आयु: 63
योग्यता: एलएलबी
क्षेत्र: राज्य सभा सदस्य, हिमाचल प्रदेश
अनुभव राज्य सभा सांसद के बतौर मोदी सरकार में मंत्री रहे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष।

पीयूष गोयल
आयु: 59
योग्यता:बीकॉम-एलएलबी, सीए
कहां से जीते: मुम्बई उत्तर
अनुभव उपभोक्ता, खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्री, रेल मंत्री, कोयला मंत्री रहे।

निर्मला सीतारमण
आयु: 64
योग्यता: डॉक्टरेट
क्षेत्र: कर्नाटक से राज्य सभा सदस्य
अनुभव बतौर राज्य सभा सदस्य रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री व उद्योग मंत्री रहीं।

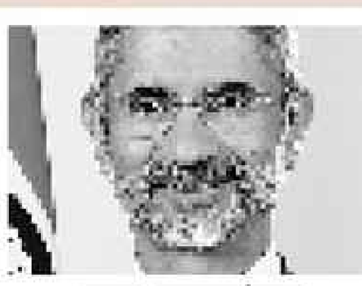

एस. जयशंकर
आयु: 69
योग्यता:एम.ए.,एम.फिल.,डॉक्टरेट
क्षेत्र: राज्य सभा सदस्य
अनुभव राज्य सभा सदस्य के बतौर मोदी सरकार में विदेश मंत्री रहे।

अश्विनी वैष्णव
आयु: 54
योग्यता: एम.टेक.
क्षेत्र: राज्य सभा, ओडिशा
अनुभव मोदी सरकार में रेल मंत्री तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री रहे।

कैबिनेट में शामिल अन्य मंत्री

राजीव रंजन ललन सिंह
मुंगेर, बिहार

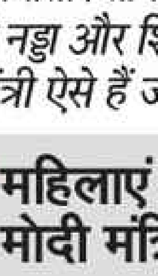

सी.आर. पाटिल
नवसारी, गुजरात

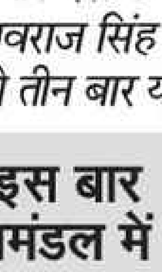

राम मोहन नायडू
श्रीकाकुलम, एपी

- धर्मेन्द्र प्रधान
- सर्बानंद सोनोवाल
- डॉ. वीरेंद्र कुमार (टीकमगढ़ से सांसद)
- प्रह्लाद जोशी
- जुएल ओरांव
- गिरिराज सिंह
- ज्योतिरादित्य सिंधिया
- भूपेंद्र यादव
- गजेंद्र सिंह शेखावत
- अन्नपूर्णा देवी
- किरेन रिजिजू
- हरदीप सिंह पुरी
- मनसुख मांडविया
- जी. किशन रेड्डी
- चिराग पासवान

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार

राव इंद्रजीत सिंह
आयु: 74
योग्यता: बीए, एलएलबी
कहां से जीते - गुड़गांव, हरियाणा
अनुभव: पहले दो बार मंत्री रह चुके हैं।

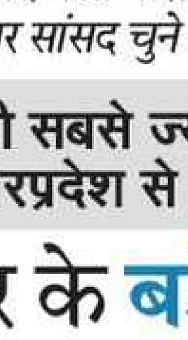

डॉ. जितेन्द्र सिंह
आयु: 67
योग्यता: एमडी
कहां से जीते: उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
अनुभव: पहले भी मंत्री रह चुके हैं।

अर्जुनराम मेघवाल
आयु-70
योग्यता: एलएलबी, एम.ए.
कहां से जीते- बीकानेर
अनुभव: कानून व न्याय मंत्री रह चुके हैं।

प्रताप राव जाधव
आयु: 63
योग्यता: बीए
कहां से जीते: बुलढाणा, महाराष्ट्र
अनुभव: चौथी बार सांसद चुने गए

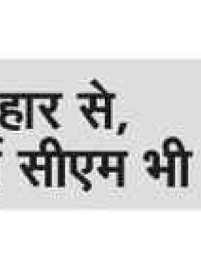

जयंत चौधरी
आयु: 45
योग्यता: स्नातक
क्षेत्र: राज्य सभा सदस्य
अनुभव: लोकसभा सदस्य रह चुके हैं।

यह भी बने गवाह: समारोह में शामिल हुईं जानी-मानी हस्तियां

अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी और अभिनेता शाहरुख खान भी नरेंद्र मोदी व उनके मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी बेटे अनंत के साथ।

पूर्व लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और सीजेआइ डीवाइ चन्द्रचूड़।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व नवनिर्वाचित एमपी कंगना रनौत।

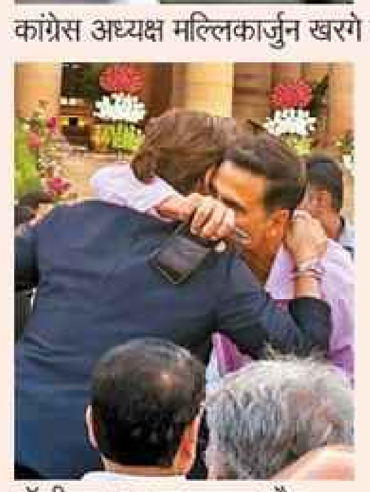

बॉलीवुड: अक्षय कुमार और शाहरुख खान गले मिलते हुए।

वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी चंद्रबाबू नायडू के साथ।

समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, भूटान के पीएम शेरिंग तोबगे, मॉरीशस के पीएम प्रविंद जगन्नाथ और अन्य गणमान्य व्यक्ति।

4 पूर्व सीएम पहली बार मंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में शामिल किए गए 30 कैबिनेट मंत्रियों में इस बार मध्य प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक और बिहार के चार पूर्व मुख्यमंत्रियों को पहली बार केंद्रीय मंत्री बनाया गया है।

शिवराज सिंह चौहान
आयु: 65
योग्यता: एम.ए.
कहां से जीते :विदिशा, मध्यप्रदेश
अनुभव मध्यप्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रहे।

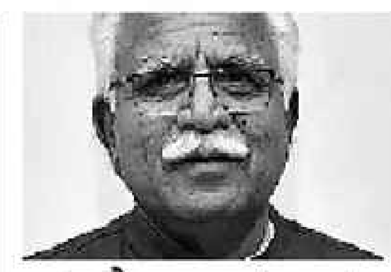

मनोहरलाल खट्टर
आयु: 70
योग्यता: स्नातक
कहां से जीते: करनाल, हरियाणा
अनुभव हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं।

एचडी कुमारस्वामी
आयु: 64
योग्यता: बी.एससी.
कहां से जीते: मंड्या, कर्नाटक
अनुभव कर्नाटक के दो बार मुख्यमंत्री रहे।

जीतन राम मांझी
आयु: 78
योग्यता: स्नातक
कहां से जीते: गया, बिहार
अनुभव 2014-15 के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री रहे।

पहली बार राज्यमंत्री बने ये 6 खास

मोदी मंत्रिमंडल में शामिल किए गए 36 राज्य मंत्रियों में से 27 नए चेहरे हैं, जो पहली बार केंद्र में मंत्री बने हैं। उनमें से ये छह प्रमुख चेहरे हैं:

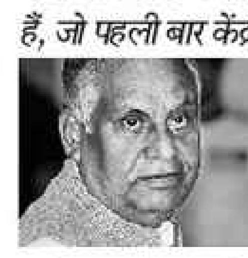

रामनाथ ठाकुर
राज्यसभा, बिहार
जदयू कोटे से मंत्री, भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के बेटे।

पेम्मासानी चंद्रशेखर
गुंटूर, आंध्र प्रदेश
टीडीपी कोटे से मंत्री, सबसे धनी सांसद, संपत्ति: 5700 करोड़

सुरेश गोपी
त्रिशूर, केरल
केरल में भाजपा का खाता खोला, मलयालम फिल्मों के अभिनेता

रवनीत सिंह
लुधियाना, पंजाब
लोकसभा चुनाव हारे, पर मंत्री बने। पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते।

सुकांतो मजूमदार
बलूरघाट, प. बंगाल
पश्चिम बंगाल भाजपा के जुझारू अध्यक्ष, संघर्ष का फल मिला

रक्षा निखिल खडसे
रावेर, महाराष्ट्र
सबसे कम उम्र की मंत्री, दिग्गज नेता एकनाथ खडसे की बहू

अन्य राज्यमंत्री

अन्य 30 राज्य मंत्रियों में अधिकतर नए चेहरे भारतीय जनता पार्टी के हैं। इसके अलावा अपना दल (सोनेवाल) और आरपीआइ (अठावले) के एक-एक राज्यमंत्री शामिल किए गए हैं:

- जितिन प्रसाद
- श्रीपाद येशो नाइक
- पंकज चौधरी
- कृष्णपाल गुर्जर
- रामदास अठावले
- नित्यानंद राय
- अनुप्रिया पटेल
- वी सोमन्ना
- प्रो. एसपी सिंह बघेल
- शोभा करंदलाजे
- कीर्ति वर्धन सिंह
- बी.एल. वर्मा
- शांतनु ठाकुर
- डॉ. एल मुरुगन
- अजय टमटा
- बंदी संजय कुमार
- कमलेश पासवान
- भागीरथ चौधरी
- सतीश चंद्र दुबे
- संजय सेठ
- दुर्गादास उइके
- सावित्री ठाकुर
- तोखन साहू
- डॉ. राज भूषण चौधरी
- भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा
- हर्ष मल्होत्रा
- नींभू बेन बम्भाणीया
- मुरलीधर मोहोल
- जार्ज कुरियन
- पवित्र मार्गरीटा

हम साथ हैं: शपथ ग्रहण में शामिल सत्ता के सहयोगी

नई दिल्ली. शपथ ग्रहण समारोह में एनडीए के सहयोगी पवन कल्याण, चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार।

संत-महंत भी पहुंचे

आध्यात्मिक गुरु जगद्गुरु रामभद्राचार्य और धर्माचार्य।

उल्लास: भाजपा समर्थकों ने ऐसे मनाया जश्न

तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने पर पटना में नरेंद्र मोदी के पोस्टर को दूध से नहलाया। दक्षिण दिनाजपुर में भी जश्न मनाया।

पोलमपोल भायो

गठबन्धन सरकार को, होग्यो छै आगाज।
अबकी भाजप सँग छै, मिली-जुली आवाज!!

मंडे मोटिवेशन: राज्य के कई जिलों से ज्यादा राजस्व देता है यह अकेला गांव...नोखा के इस गांव में रहते हैं 1500 ट्रकों और 125 बसों के मालिक

पहिए पर घूमती रासीसर गांव की इकोनॉमी, सालाना भरते पांच करोड़ का टैक्स

पत्रिका राजेश बुलानिया
patrika.com

रासीसर गांव में खड़े ट्रक

नोखा (बीकानेर). करीने से खड़े ट्रक। खेत में पंक्तिबद्ध खड़ी बसें। यह न तो ट्रकों का पार्किंग स्थल है। न ही बसों की कार्यशाला । यह प्रदेश का इकलौता गांव है, जहां इतने ट्रक और बसें हैं कि इसके लिए नोखा में अलग से डीटीओ कार्यालय ही खोलना पड़ा।

प्रदेश में सर्वाधिक ट्रक-ट्रोलों वाला यह गांव रासीसर बीकानेर के नोखा उपखंड क्षेत्र में है। इस गांव के ट्रकों और बसों से सालाना 5 करोड़ का राजस्व सरकार को टैक्स के रूप में मिलता है। गांव की आबादी भले 15 हजार है, लेकिन करोड़ों रुपए की कीमत के 1500 ट्रक-ट्रोले और 125 बसों के मालिक यहां रहते हैं। वर्तमान में नोखा डीटीओ कार्यालय का राजस्व वसूली का सालाना टारगेट 46.53 करोड़ है।

मासिक राजस्व वसूली 3.75 करोड़ है। इसमें बड़ा हिस्सा अकेले रासीसर गांव का है। खास बात यह है कि राज्य में कई ऐसे जिले हैं, जिनका पूरे जिले का सालाना राजस्व इस अकेले गांव से कम है।

फैक्ट फाइल

- 2353 ट्रांसपोर्ट व्हीकल रासीसर में
- 1500 ट्रक-ट्रेलर-डंपर
- 125 छोटी-बड़ी बसें
- 728 पिकअप-कैंपर
- 806 लग्जरी कार
- 1800 से 2000 दुपहिया वाहन
- 5 करोड़ सालाना टैक्स चुकाते ट्रांसपोर्ट व्हीकल का

गांव में पांच हजार से ज्यादा वाहन

गांव में पांच हजार से अधिक छोटे-बड़े वाहन हैं। यहां पर ट्रांसपोर्ट व्हीकल में 1500 ट्रक-ट्रेलर-डंपर, 125 छोटी-बड़ी बसें, 728 पिकअप-कैम्पर, 806 लग्जरी कारों के साथ ऑटो समेत कई गाड़ियां हैं। 1800 से 2000 दुपहियां वाहन हैं। गांव के कुछ ट्रांसपोर्ट व्यवसायी अब बीकानेर में भी निवास करने लगे हैं। हालांकि आज भी इनकी गाड़ियों पर रासीसर का नाम ही अंकित मिलता है।

मंडा परिवार ने 1978 में की ट्रांसपोर्ट की शुरुआत

ग्रामीण बताते हैं कि मंडा परिवार ने सबसे पहले 1978 में ट्रांसपोर्ट व्यवसाय की शुरुआत की। एक ट्रक से की शुरुआत आज 100 ट्रक-ट्रेलर और 25 बसों के बेड़े में बदल चुकी है। ट्रांसपोर्ट व्यवसायी मांगीलाल मंडा बताते हैं कि पिता भागीरथ मंडा गांवों में किसानों से अनाज एकत्रित कर कृषि मंडी में ले जाते थे। खुद ट्रक ड्राइवर थे, इसलिए 1978 में ट्रांसपोर्ट लाइन में आ गए। एक ट्रक खरीदा और उसी से तूड़ी व दूध की ढुलाई करने लगे। मुनाफा हुआ, तो ट्रक खरीदते गए।

संपन्नता का दिखता है गांव पर असर

इस गांव में बिजली, पानी, चिकित्सा, सड़क सहित सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। गांव का विकास करने की दृष्टि से दो ग्राम पंचायतें हैं। पांच सरकारी स्कूल हैं। तीन निजी स्कूल भी हैं। सीएचसी और आयुर्वेद अस्पताल है। एक पशु चिकित्सालय है। पेयजल सुविधा के लिए तीन बड़ी टंकी हैं। नहरी पेयजल परियोजना में पाइप लाइन डालकर उसके घर-घर कनेक्शन किए जा रहे हैं। गांव में 32 केवी का जीएसएस है, इससे विद्युत आपूर्ति की जाती है।

ट्रेंडिंग वीडियो पत्रिका TV

1.

नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार ली प्रधानमंत्री पद की शपथ

2.

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

सवाईमाधोपुर: रणथम्भौर सफारी के दौरान पर्यटक की हार्ट अटैक से मौत

सवाईमाधोपुर @ पत्रिका. रणथम्भौर में पार्क भ्रमण पर गए एक पर्यटक की रविवार को हार्ट अटैक के चलते मौत हो गई। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जोन नंबर एक में हैदराबाद निवासी योगेश अपने नौ साथियों के साथ कैंटर से पार्क भ्रमण पर गया था। इस दौरान सुल्तानपुर चौकी के पास उसे अचानक दिल का दौरा पड़ा। इसके बाद गाइड व वाहन चालकों ने उसे सुल्तानपुर चौकी पर उतारा और वन विभाग को सूचना दी। सूचना के बाद वनविभाग की टीम वहां पहुंची और पर्यटक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सड़क हादसे में ट्रेलर चालक की मौत

पिनान (अलवर) @ पत्रिका. दिल्ली-मुंबई सुपर एक्सप्रेस-वे के पिनान रेस्ट एरिया के आरएचएस साइड के पार्किंग में रविवार सुबह करीब छह बजे शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर राजगढ़ पुलिस पहुंची जानकारी जुटाई। मृतक की शिनाख्त सथालिया मसूदा अजमेर निवासी धर्मेंद्र गुर्जर (50) के रूप में हुई। मामले में भिनाय केकड़ी निवासी कल्याण ने मामला दर्ज करवाया।

अलवर: साइबर ठगी के मामले में एक गिरफ्तार

रैणी (अलवर) @ पत्रिका. ऑनलाइन ठगी के मामले में रैणी थाना पुलिस व मुंबई पुलिस ने दानपुर गांव से एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद मुंबई पुलिस उसे अपने साथ ले गई। आरोपी पर जुहू के एक व्यक्ति से 50 हजार रुपए ठगने का आरोप है। जुहू थाने में दर्ज मामले में पुलिस ने आशीष स्वामी (19) को रैणी थाने आई। पूछताछ के बाद मुंबई पुलिस आशीष को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई।

प्रसारण निगम अब तक एक भी 765 केवी जीएसएस नहीं बना पाया

ग्रीन एनर्जी इतनी बढ़ी कि हमारी ट्रांसमिशन लाइनें ओवरलोड होकर अभी से हांफने लगी

अविनाश केवलिया
patrika.com

जोधपुर. ग्रीन एनर्जी में राजस्थान सिरमौर बना। सोलर और विंड एनर्जी की विकास यात्रा 12 साल में 200 मेगावाट से 21 हजार मेगावाट तक पहुंच गई है। आने वाले समय में यह और तेजी से बढ़ेगा। हालात यह कि जितनी क्षमता में हम बिजली बना रहे हैं उतनी क्षमता से ट्रांसमिशन नहीं कर पार रहे। ऐसे में 400 केवी की लाइनों पर ही राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम का पूरा सिस्टम चल रहा है। यह लाइनें भी अब ओवरलोड होकर हांफने लगी है। इस कारण कई बार ट्रिपिंग और सिस्टम लॉक होने की समस्या आती है। सरकार ने ग्रीन एनर्जी की ट्रांसमिशन को उच्च गुणवत्ता का बनाने के लिए 800 करोड़ की लागत से 765 केवी जीएसएस की घोषणा की थी, लेकिन कागजों से बाहर नहीं आ पाया है। नतीजा यह हुआ कि अभी जो प. राजस्थान में बिजली बन रही है वह पावरग्रिड के 765 केवी जीएसएस की लाइनों से जा रही हैं। प्रसारण निगम का जीएसएस बनने के बाद बिना लॉसेज के बिजली सीधे उत्तरी ग्रिड तक पहुंच पाएगी।

सौ मेगावाट में बनती 8.65 लाख यूनिट बिजली

100 मेगावाट सोलर क्षमता के उपकरण 8.65 लाख यूनिट बिजली उत्पादन करता है। राजस्थान में सोलर जनरेशन के 16 हजार मेगावाट के उपकरण लगे हैं, इनसे 12 करोड़ लाख यूनिट बिजली बनती है। एक बार यदि ओवरलोड से सिस्टम बंद होता है तो 7 हजार मेगावाट का नुकसान हो सकता है यानि करीब 5 करोड़ यूनिट बिजली का ट्रांसमिशन नहीं हो पाता।

इनका कहना...

दो जगह 765 केवी जीएसएस की प्लानिंग चल रही है। एक भड़ला में नया बनेगा और दूसरा कांकाणी में 400 केवी के जीएसएस को अपग्रेड करेंगे। पीजीसीएल भी अपनी क्षमता बढ़ा रही है। यह सीधे फागी जीएसएस से जुड़ेगा। इसके बाद ट्रांसमिशन में लॉस भी कम होंगे।

- सुधीर जैन, जोनल चीफ इंजीनियर, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड।

2019 के बाद ऐसे आया बूम

- वर्ष 2019 से पहले राजस्थान की सोलर ग्राउंड माउंटेड क्षमता 3074.43 मेगावाट थी।
- 5398.65 मेगावाट रिकॉर्ड एक ही साल में सोलर उपकरण लगे यह वर्ष 2021-22 में हुआ।
- 3733.4 मेगावाट वर्ष 2022-23 में और 1296.77 मेगावाट वर्ष 2023-24 में बढ़ा।
- 16098.02 मेगावाट वर्तमान में सोलर उपकरणों की क्षमता है राजस्थान में है।

अभी यह स्थिति

- 16098.02 मेगावाट के सोलर जनरेशन प्लांट लगे हुए हैं।
- 5208 मेगावाट के विंड जनरेशन के प्लांट लगे हुए हैं।
- 400 केवी की लाइनों से ट्रांसमिशन हो रहा है ग्रीन एनर्जी का।

सरिस्का में होटल-रिसॉर्ट बनाने का मामला

बेनकाब हो चुके अफसर, सरकार कब करेगी कार्रवाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अलवर. सरिस्का के आस-पास होटल-रिसॉर्ट बनाने वाले अफसर बेनकाब हो चुके हैं, लेकिन सरकार कार्रवाई नहीं कर रही है। पूर्ववर्ती सरकार ने जांच कराई थी, लेकिन अब एक्शन भाजपा सरकार को लेना है। इस प्रकरण में कार्रवाई को लेकर वन विभाग के दो बड़े अफसरों से सवाल किए गए तो वह एक-दूसरे पर टाल रहे हैं। यानी पूरा मामला दबाया जा रहा है। यहां तक की जिला प्रशासन अलवर को भी कटघरे में खड़ा किया है। क्योंकि राजस्व भूमि पर ही यह सब प्रतिष्ठान बने हैं।

ऐसे हुआ था खुलासा

प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय की ओर से तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी ने सरिस्का बाघ परियोजना के सीमावर्ती क्षेत्रों (विशेषकर टहला क्षेत्र) में परियोजना क्षेत्र तथा अलवर जिले में 10 वर्षों में तैनात रहे सरकारी अधिकारियों की ओर से बड़े पैमाने पर जमीनों की खरीद-फरोख्त का खुलासा किया था। उन्होंने अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही अतिक्रमण होटल, बारातघर, रिसॉर्ट आदि भी हटाए जाएं। इस जांच रिपोर्ट को दबा दिया गया।

फॉलोअप

राजस्थान पत्रिका

अफसरों को दी जा सकती है चार्जशीट

राजस्थान पत्रिका के खुलासे के बाद दोषी अफसरों को चार्जशीट देने की तैयारी चल रही है। हालांकि बड़े अफसर कोई एक्शन नहीं ले रहे हैं। वे एक-दूसरे पर टाल रहे हैं। सरिस्का के आसपास होटल और रेस्टोरेंट बने हैं, उन पर भी कार्रवाई किसी ने नहीं की।

इस प्रकरण में अब कार्रवाई सरकार को करनी है। बाकी जानकारी चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन दे सकते हैं।

- अभिजीत बनर्जी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, जयपुर

इस प्रकरण की जांच प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय ने करवाई है, ऐसे में कार्रवाई भी वहीं से होगी। हमारे पास ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं आई है।

- पवन उपाध्याय, चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन, जयपुर

डेह में 29 साहित्यकारों का सम्मान

राजस्थानी भाषा एवं साहित्य हमारी असली पहचान: डॉ. बाघमार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

डेह/नागौर . डेह कस्बे के कुंजल माता मंदिर परिसर में रविवार को प्रदेश स्तरीय राजस्थानी साहित्यकार सम्मान एवं पोथी लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। अखिल भारतीय राजस्थानी भाषा मान्यता संघर्ष समिति तथा नेम प्रकाशन, डेह के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सालाना जलसे में 29 साहित्यकारों को अलग-अलग विधाओं में लेखन, भाषा एवं संस्कृति के क्षेत्र में की गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष पवन पहाड़िया ने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेशभर के करीब 50 ख्यातनाम कलमकार उपस्थित रहे। जोधपुर के प्रो. हजूर खां मेहर को रूपचंद समदड़िया राजस्थानी भाषा सेवा शिखर सम्मान के तहत 51 हजार की नकद राशि तथा अन्य सभी साहित्यकारों को ग्यारह-ग्यारह हजार की राशि एवं श्रीफल, शॉल, साफा, अभिनन्दन पत्र एवं साहित्य भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने राजस्थानी भाषा एवं साहित्य को राजस्थान वासियों की असली पहचान बताया। पुलिस जबाबदेही आयोग के अध्यक्ष एच.आर. कुड़ी ने राजस्थानी भाषा मान्यता को जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। साहित्यकार पृथ्वीराज रतनू ने राजस्थानी के मूल स्वरूप डिंगल साहित्य एवं उसकी परंपरा से आज की राजस्थानी तक की विकास यात्रा व राजस्थानी लेखन की मजबूती को उजागर किया। सीमा मिश्रा ने राजस्थानी गीतों की सरस प्रस्तुतियां दी।

कृत्रिम हाथ पाकर चेहरे पर आई खुशी

अलवर. रोटरी क्लब अलवर ग्रेटर और रोटरी क्लब जयपुर मजिस्ट्री के सहयोग से रविवार को महावर धर्मशाला कुश मार्ग में निशुल्क कृत्रिम हाथ वितरित किए गए। इस अवसर पर 64 लोगों को कृत्रिम हाथ लगाए गए। इस हाथ की सहायता से दैनिक काम सब्जी काटना, पैन से लिखना, चाय पीना, हल्का सामान उठाना आदि आसानी से किए जा सकते हैं। कृत्रिम हाथ मिलने के बाद लोगों के चेहरे पर खुशी नजर आई।

नरसिंहपुरा गांव की घटना

पति की कुल्हाड़ी से गर्दन काटकर हत्या, पत्नी गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मृतक राजेन्द्र, आरोपी ममता

हिण्डोली(बूंदी). दबलाना थाना क्षेत्र के मेण्डी पंचायत के ग्राम नरसिंहपुरा में पत्नी ने शनिवार रात को घर पर सो रहे पति की कुल्हाड़ी से गर्दन काटकर हत्या कर दी। पुलिस ने पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी मनोजसिंह सिकरवार ने बताया कि नरसिंहपुरा निवासी राजेंद्र गुर्जर (35) की पत्नी ममता बाई से देर रात अवैध संबंधों को लेकर बहस चल रही थी। इसके बाद वह खाना खाकर सो गया। देर रात ममता ने राजेन्द्र की गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। इस दौरान मृतक का बेटा उठ गया, उसने कमरे में खून से लथपथ पिता को देखा तो चिल्लाया। दूसरे घर पर सो रहे राजेंद्र के पिता शोजीलाल उठकर आए, उसने देखा तो राजेंद्र मृत पड़ा हुआ था। कानों में सोने की मुर्कियां गायब थी। सूचना पर दबलाना पुलिस मौके पर पहुंची। ममता ने पुलिस को लूट की वारदात होना बताया। उधर, मृतक के पिता ने दी रिपोर्ट में बताया कि उसे बहू पर हत्या करने का शक है। पुलिस ने बताया कि ममता द्वारा गुमराह करने पर शक हो रहा था। पुलिस ने सख्ती दिखाई, जिस पर उसने हत्या करना कबूल लिया।

मिशन संरक्षण अभियान

परिंदों को स्कूल में मिलेगी छांव, घोंसला और चुग्गा-पानी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. भीषण गर्मी में पक्षी चुग्गा-पानी और छांव के लिए व्याकुल नजर आते हैं। सामाजिक संगठन, पक्षी और पर्यावरण प्रेमी घरों, भवनों और पेड़ों पर पक्षियों के लिए परिंडे बांधने, बाजार में मिल रहे मिट्टी, घास-फूस के घोंसले रखने का कार्य कर रहे हैं। अब शिक्षा विभाग ने भी सामाजिक सरोकार के इस कार्य का बीड़ा उठाया है। इसके लिए बकायदा मिशन संरक्षण अभियान चलाया गया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के स्टाफ ऑफिसर अरुण कुमार शर्मा ने इस अभियान के लिए प्रदेश के सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों को विस्तृत गाइडलाइन जारी की है। उन्होंने शिक्षा विभाग के कार्यालयों और सरकारी स्कूलों में अभियान के तहत आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं।

स्कूलों में छुट्टियों से हुई परेशानी

अभी सरकारी स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश चल रहे हैं। स्कूल 24 जून को खुलेंगे। हालांकि जो शिक्षक पदस्थापन वाले स्कूल के आस-पास के क्षेत्र में ही निवास करते हैं वह छुट्टियों में पक्षियों के लिए चुग्गा-पानी की व्यवस्था कर सकते हैं। वे ग्रामीणों का सहयोग ले सकते हैं।

शिक्षा निदेशालय में बरसों से यह परिपाटी

शिक्षा निदेशालय में कई साल से पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की जा रही है। निदेशालय के कार्मिक इसकी व्यवस्था करते हैं। निदेशालय में पक्षियों का चुग्गा रखने के लिए एक कक्ष भी आवंटित है। चुग्गा डालने के लिए एक कार्मिक को इसकी जिम्मेदारी भी दी हुई है।

चिंताजनक | देश के शीर्ष 22 मीथेन हॉट स्पॉट में शामिल राज्य के चार शहरों के लैंडफिल स्थल

बाड़मेर, जैसलमेर, तारानगर व चिड़ावा में सबसे खराब मीथेन हॉट स्पॉट

पत्रिका सुरेन्द्र डैला
patrika.com

चिड़ावा (झुंझुनूं). राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर, तारानगर और चिड़ावा में कचरे के ढेर से मीथेन गैस बहुत ज्यादा निकल रही है। इसका सीधा असर हमारे मौसम पर पड़ रहा है। तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की ओर से पिछले दिनों किए गए एक अध्ययन में इसका खुलासा हुआ है। अध्ययन में बाड़मेर, जैसलमेर, तारानगर और चिड़ावा के लैंडफिल स्थल देश के शीर्ष 22 मीथेन हॉटस्पॉट में पाए गए। इनमें बाड़मेर चौथे, जैसलमेर छठे, तारानगर आठवें और चिड़ावा ग्यारहवें नंबर पर हैं।

चिड़ावा. पिलानी रोड पर भगीनिया जोहड़ में लगे कचरे के ढेर।

कचरे का सही निस्तारण नहीं: शोधकर्ताओं ने ठोस अपशिष्ट लैंडफिल साइटों, डंपिंग यार्ड, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, वेटलैंड्स, तेल और गैस क्षेत्रों, तेल रिफाइनरियों और कपड़ा उद्योगों से निकलने वाले अलग-अलग मीथेन प्लम की पहचान की। इसमें मीथेन बढ़ने का मुख्य कारण कचरे का सही से निस्तारण नहीं होना माना गया। दरअसल मीथेन गैस वातावरण को गर्म करती है। इससे ग्लोबल वार्मिंग होती है और तापमान बढ़ता है। रिपोर्ट सामने आने के बाद विभिन्न सरकारी विभागों की टीमें इन जगहों पर जाकर अध्ययन करेंगी और समस्या का हल ढूंढेंगी।

यह बताया अध्ययन में

अध्ययन में बाड़मेर में एक साइट (ओ एंड जी एबीएच फेसिलिटी, बंदा तलवार) को सबसे बड़ा उत्सर्जक बताया गया है, जो प्रति घंटे 1476 किलोग्राम मीथेन उत्सर्जित करता है। इसी तरह जैसलमेर में (ओ एंड जी, जीजीएस) 932 किलोग्राम/घंटा मीथेन उत्सर्जित पाया गया। तारानगर में (एसडब्ल्यू भूतिया) 589 किलोग्राम/घंटा और चिड़ावा में (एसडब्ल्यू डंप) 589 किलोग्राम/घंटा मीथेन उत्सर्जित करता है।

ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार मीथेन गैस

मीथेन शक्तिशाली गैस है। जिसकी ग्लोबल वार्मिंग क्षमता कार्बन डाइऑक्साइड से 28 गुना ज्यादा है जो हमारे ग्रह के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बड़ा खतरा है। इसे देखते हुए मीथेन के हॉट स्पॉट का अध्ययन किया जाएगा।

राजस्थान के चार शहर मीथेन के हॉट स्पॉट मिले हैं। जिसके अध्ययन के लिए टीमें संबंधित जगहों पर जाएंगी। टीम के आने से पहले संबंधित नगरपालिका के ईओज के साथ मीटिंग कर जानकारी ली जाएगी।

-दीपक धनेटवाल, क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, झुंझुनूं

बालाजी विहार विस्तार का मामला

एक माह पहले टाइल्स उखाड़ी, ठेकेदार कह रहा पाइप उपलब्ध नहीं

मुहाना मंडी के पास लोग हो रहे हैं परेशान

जयपुर @ पत्रिका. मानसरोवर में पृथ्वीराज नगर प्रोजेक्ट लोगों के लिए परेशानी का सबब साबित हो रहा है। ठेकेदार कॉलोनियों में पाइप लाइन बिछाने के लिए घरों के आगे जमीन खोद रहे हैं लेकिन महीनों बाद भी काम पूरा नहीं हो रहा है।

मुहाना मंडी के पास बालाजी विहार विस्तार के लोग भी ठेकेदार की ऐसी ही मनमानी से परेशान हैं। यहां पाइप लाइन बिछाने की बात कह कर ठेकेदार ने घरों के बाहर लगी टाइल्स महीने भर पहले खोद दी लेकिन पाइप लाइन नहीं बिछाई गई। ठेकेदार से लाइन नहीं बिछाने का कारण पूछा तो पाइप नहीं होने की बात कही। उधर, अब स्थिति ऐसी हो रही है कि घरों के बाहर लाइन बिछाने के लिए खोदे गड्ढों के कारण लोगों को आने-जाने में मुश्किल हो रही है। वहीं टाइल्स उखड़ने से साफ-सफाई भी नहीं हो रही है।

आठ साल से घर का सपना नहीं हुआ पूरा..रेरा की निगरानी भी फेल

जयपुर. आठ साल बीत जाने के बाद भी अपने घर का सपना साकार नहीं हो पाया। यह दर्द है उन लोगों का जिन्होंने वर्ष 2016 में शिकारपुरा रोड स्थित नंदगांव प्रोजेक्ट में अपने घर का सपना देखा था। आठ वर्ष बीत जाने के बाद भी इन लोगों का अपने घर का सपना पूरा नहीं हो पाया है। जबकि, बिल्डर ने रेरा में प्रोजेक्ट वर्ष 2020 में पूरा करने की बात कही थी। चार वर्ष से रेरा की निगरानी भी फेल ही रही।

प्रोजेक्ट का हाल

इस प्रोजेक्ट में 902 फ्लैट हैं। 250 टू बीएचके और 240 वन बीएचके फ्लैट का काम जल्द पूरा करने का दावा किया जा रहा है।

अगले छह माह में प्रोजेक्ट पर एसटीपी, सड़क, लिफ्ट से लेकर अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित कर देंगे। बैंक से विवाद की वजह से प्रोजेक्ट में देरी हुई। जल्द ही इसे पूरा कर लोगों को कब्जा देंगे। **-दीपमणि स्वर्णकार,** प्रोजेक्ट मैनेजर, नंदगांव

मोदी सरकार का शपथ ग्रहण... भाजपा कार्यालय में जश्न

जयपुर @ पत्रिका. केंद्र में लगातार तीसरी बार मोदी सरकार के गठन होने और प्रदेश से भूपेंद्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और भागीरथ चौधरी को कैबिनेट में शामिल किए जाने पर रविवार रात भाजपा कार्यालय में जश्न का माहौल रहा। कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और मिठाई खिलाकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी जिंदाबाद के नारे भी लगाए। वहीं कार्यालय में मंत्रिमंडल शपथ ग्रहण समारोह देखने के लिए एलईडी स्क्रीन लगाई गई थीं।

अब गर्मियों के दिनों में जूतों में पसीना और बदबू की समस्या से मिलेगी निजात

एफडीडीआई जोधपुर ने वेस्ट प्लास्टिक से बनाए जूते

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. प्रदेश में फुटवियर के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण व अनुसंधान के लिए प्रसिद्ध संस्थान एफडीडीई जोधपुर ने अब पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का नवाचार किया है। एफडीडीई जोधपुर ने शहर के एक स्टार्टअप सोल क्राफ्ट को अपनी फुटवियर डिजाइन व टेक्नोलॉजी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया, जिसकी वजह से स्टार्टअप कंपनी ने अपने फुटवियर का अधिकांश भाग वेस्ट प्लास्टिक को रिसाइकिल करके तैयार किया और पर्यावरणीय क्षति को कम करके पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का काम किया है।

वेस्ट प्लास्टिक से बनाए गए जूते।

ऐसे तैयार किए जूते

इस प्रक्रिया में जूते का ऊपरी भाग बनाने के लिए वेस्ट प्लास्टिक को रिसाइकिल करके उसका उपयोग किया गया है। जबकि सोल की ड्युरेबिलिटी बनाए रखने के लिए रबड़ के टायर को रिसाइकिल किया है। वहीं इनसोल के लिए बंबू (बांस) चारकोल का उपयोग किया है, जो पसीने को सोखने का काम करता है और जूते में होने वाली बदबू को दूर भगाता है। कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार ने बताया कि फुटवियर क्षेत्र में इस तरह के नवाचार को बढ़ाने के साथ ही फुटवियर निर्माण में प्रयोग होने वाले चमड़े व अन्य पदार्थों के स्थान पर वेस्ट प्लास्टिक पदार्थों का उपयोग अधिक करने की पहल कर रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को कर रहे पूरा

एफडीडीई जोधपुर के कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार ने बताया कि अतुल मेहता व दिव्या मेहता ने अपने फुटवियर क्षेत्र के स्टार्टअप में नवाचार करने को लेकर सम्पर्क किया। ऐसे में उन्हें संस्थान में डिजाइन व टेक्नोलॉजी से फुटवियर निर्माण में उपयोग होने वाले मटेरियल में करीब 60 प्रतिशत मटेरियल वेस्ट पदार्थों से बनाने की जानकारी दी गई। जिससे प्लास्टिक की बोतलें, प्लास्टिक के बैग व अन्य सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करके जूते बनाने का नवाचार किया गया। इस नवाचार से पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को पूरा किया जा रहा है।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, विभाग में मची खलबली

पंखा चलाने पर कम्पाउंडर ने मरीज के परिजन के साथ की मारपीट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

स्वरूपगंज/सिरोही. सरकार की ओर से भीषण गर्मी व हीटवेव से बचाव के लिए अस्पतालों में व्यवस्थाओं के निर्देश दिए जा रहे हैं, जबकि सिरोही जिले की सरूपगंज सीएचसी में नवजात बेटी के उपचार के लिए आए पिता के बिना पूछे पंखा चलाने पर एक नर्सिंगकर्मी द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि भीषण गर्मी से बेचैन होने पर सीएचसी परिसर में लगा पंखा बिना पूछे चलाने से आग बबूला हुए कम्पाउण्डर ने मारपीट की है। सरकारी अस्पताल में हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरूपगंज में कार्यरत कम्पाउण्डर अस्पताल के अंदर ही मरीज के परिजन के साथ धक्का-मुक्की व मारपीट करता नजर आ रहा है। मरीज के परिजन के साथ धक्का-मुक्की व मारपीट करने की यह पूरी घटना सीएचसी में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद है। इधर, मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हरकत में आए चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने डिप्टी सीएमएचओ सिरोही व सीएचसी इंचार्ज की कमेटी गठित कर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जिस पर डिप्टी सीएमएचओ ने सरूपगंज सीएचसी पहुंचकर जांच शुरू की।

नवजात बेटी का उपचार कराने आया था दम्पती

आरोप-भीषण गर्मी में पंखा चालू किया तो कर दी मारपीट

जानकारी के अनुसार स्वरूपगंज के भावरी निवासी मोतीलाल कलबी की पत्नी कंचन देवी ने 29 मई को एक कन्या को जन्म दिया था। पीड़ित का आरोप है कि 3 जून को नवजात बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर वह अपनी पत्नी के साथ नवजात बेटी का उपचार कराने के लिए सरूपगंज सीएचसी गया था। जहां भीषण गर्मी से बेचैन होने पर मोतीलाल ने अस्पताल का पंखा चालू कर दिया। इस दौरान ड्यूटी पर मौजूद कम्पाउण्डर बीरबल चौधरी मोतीलाल के पास पहुंचा और गाली गलौज करते हुए बोला कि तूने बिना पूछे पंखा कैसे शुरू कर दिया। बिना पूछे पंखा चलाने से आग बबूला हुए कम्पाउण्डर ने मरीज के परिजन मोतीलाल के साथ धक्का-मुक्की कर दो-चार थप्पड़ जड दिए। इतना ही नहीं कम्पाण्डर ने उसे शर्ट से पकड़कर खींचते हुए धक्का देकर अस्पताल से बाहर निकाल दिया। पीड़ित इस घटना का वीडियो बनाने लगा तो उसका फोन भी हाथ से छीन कर जमीन पर फेंक दिया। पीड़ित ने उक्त आरोप लगाते हुए जांच के लिए सीएचसी पहुंचे डिप्टी सीएमएचओ को लिखित में शिकायत भी दी है।

खड़े ट्रक के केबिन में मिला अधजला शव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सादुलपुर. राष्ट्रीय राजमार्ग 52 चूरू-सादुलपुर पर दो-तीन दिन से खड़े एक ट्रक में अधजला क्षत-विक्षप्त शव मिला है। शव ट्रक चालक का है, या अन्य किसी व्यक्ति का। हादसा है या हत्या। जांच के बाद ही पता चल सकेगा। दोपहर बाद पुलिस को सूचना मिलने पर आईपीएस अधिकारी प्रशांत किरण तथा थाना अधिकारी पुष्पेन्द्र सिह झाझड़िया ने मौका मुआयना किया। ट्रक में लोहे की रॉड भरी हुई है। ट्रक कहां से आ रहा था और कहां जा रहा था, इसका अभी तक कोई सुराग नही लगा है। थाना अधिकारी ने बताया कि ट्रक के केबिन में अधजला करीब 55 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला है। नगर पालिका प्रशासन के सहयोग से शव को ट्रक से निकलवा कर कर शिनाख्त कार्रवाई के लिए मोर्चरी में रखवाया है। ट्रक को पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस शव की पहचान में जुटी है।

सादुलपुर. खड़े ट्रक में शव मिलने के बाद ट्रक की जांच करती पुलिस।

कानासर की रोही में युवक का शव मिला

बीकानेर @ पत्रिका. बीछवाल थाना इलाके में युवक का शव मिला। शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हालत में था। खिदमतगार खादिम सोसायटी और असहाय सेवा संस्था के सेवादार को बुलवाकर शव को पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस के अनुसार शव 10-12 दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। युवक की मौत कैसे हुई यह जांच का विषय है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। उसने जींस पेंट, शर्ट व जूते पहन रखे हैं। शव कंकाल का रूप ले चुका होने से पहचान नहीं हो पा रही है।

आज का राशिफल सोमवार, 10 जून 2024

राशि	फल
मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* सार्वजनिक जीवन में कीर्ति बढ़ेगी। आय से अधिक खर्च होगा। भावुकता में लिए फैसले बदलने होंगे।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* आप के व्यवहार से सहकर्मी खुश होंगे। जीवन में नई उड़ान भरने का समय आया है। पारिवारिक जनों से भेंट होगी।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह* व्यवहार में परिवर्तन लाएं। अनावश्यक खर्च बढ़ेगा। जल्दबाजी में लिए फैसले बदलने पड़ेंगे।
कर्क	*हि, हु, हे, हो, डा, डी, डु, डे, डो* व्यापार संबंधित योजना लाभप्रद सिद्ध होगी। अपनी छवि सुधारने में लगे रहेंगे। शत्रु परास्त होंगे।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे* पारिवारिक समस्या का समाधान आपसी सहमति से होगा। संतान के किए कृत्य से दुखी रहेंगे। अनावश्यक खर्च होगा।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* काम को कल पर न छोड़ें। आलस को त्यागें और समर्पित भाव से काम करें। आप की कार्यशैली को बदलें।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* नई जिम्मेदारी मिलने से खुश होंगे। प्रतियोगी सफल होंगे। खेल प्रशासन व न्याय विभाग से जुड़े लोग ख्याति प्राप्त करेंगे।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* नया कार्य शुरू करना चाहते हैं, जिसमें सफलता मिलेगी। लकड़ी के व्यापार से जुड़े लोग अच्छा मुनाफा कमाएंगे।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* व्यापारिक नए अनुबंध होंगे। कार्य कुशलता से सभी का दिल जीत लेंगे। वाहन क्रय करने का मन बना रहे हैं।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* बेहतर सफलता के लिए अधिक मेहनत करनी होगी। निजी संबंधों में कठोर फैसले लेने होंगे। आप सोचते बहुत हैं।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* भाग्योदय की संभावना है। कार्य में रुकावट दूर होगी। साझेदारी से लाभ होगा। सहकर्मी आलोचना करेंगे।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* कार्य विस्तार के लिए समय उपयोगी है। व्यापार में नए अनुबंध होंगे। साझेदारी में लिए गए निर्णय लाभदायी होंगे।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र
ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1445	ऋतु:	ग्रीष्म
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास:	जिलहिज-03	मास:	ज्येष्ठ
शाके सम्वत:	1946	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन
सोमवार, 10 जून, 2024

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

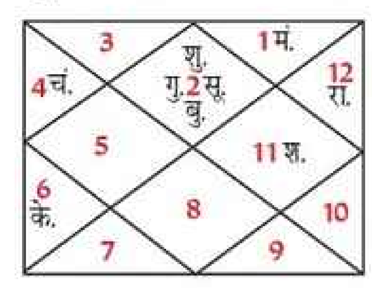

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज सूर्योदय से प्रात: 07-18 तक अमृत, प्रात: 09-01 से पूर्वाह्न 10-43 तक शुभ तथा दोपहर बाद 02-08 से सूर्यास्त तक क्रमश: चर, लाभ व अमृत के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं एवं दोपहर 11-59 से दोपहर 12-53 तक अभिजित नामक श्रेष्ठ मुहूर्त है, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं।

शुभ तिथि: चतुर्थी रिक्ता संज्ञक तिथि सायं 04-15 तक, तदन्तर पंचमी पूर्णा संज्ञक तिथि है। चतुर्थी तिथि में शत्रुमर्दन, बन्धन, अग्नि-विषादिक कार्य और शस्त्र-प्रहार आदि कार्य सिद्ध होते हैं, पर पंचमी तिथि में सभी स्थिर व चंचल कार्य तथान्य मांगलिक कार्य शुभ कहे गए हैं।

नक्षत्र: पुष्य ''क्षिप्र व ऊर्ध्वमुख'' संज्ञक नक्षत्र रात्रि 09-40 तक, तदुपरान्त अश्लेषा '' तीक्ष्ण व अधोमुख'' संज्ञक नक्षत्र है। अश्लेषा गण्डान्त मूल संज्ञक नक्षत्र भी है। पुष्य नक्षत्र में विवाह को छोड़कर सभी चर-स्थिर कार्य, पुष्टता व उत्सव सम्बन्धी कार्य करने योग्य हैं।

योग: ध्रुव नामक नैसर्गिक शुभ योग सायं 04-47 तक, तदन्तर व्याघात नामक नैसर्गिक अशुभ योग है। व्याघात योग की प्रथम नौ घटी शुभकार्यों में त्याज्य है।

विशिष्ट योग: सर्वार्थसिद्धि व रवियोग नामक शुभ योग रात्रि 09-40 तक है।

करण: भद्रा संज्ञक विष्टि नामकरण सायं 04-15 तक, तदन्तर बव-बालवादि करण क्रमश: है।

व्रतोत्सव: आज विनायक चतुर्थी, उमा चतुर्थी (बंगाल व उड़ीसा में), गुरु अर्जुन देव पुण्य दिवस (प्रा.मत से) तथा गण्ड मूल प्रारम्भ रात्रि 09-40 से।

चंद्रमा : चंदमा कर्क राशि में सम्पूर्ण दिवारात्रि रात्रि हैं।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज पुष्य नक्षत्र में नामकरण, अन्नप्राशन, विपणि-व्यापारारम्भ व शल्य चिकित्सा आदि के यथाआवश्यक शुभ मुहूर्त हैं।

दिशाशूल: सोमवार को पूर्व दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज उत्तर दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभप्रद है।

राहुकाल (मध्यममान से): प्रात: 7-30 बजे से प्रात: 9-00 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे- आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (हे, हो, डा, डी, डू) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। इनकी जन्म राशि कर्क है। कर्क राशि के स्वामी चन्द्रमा हैं। इनका जन्म रजतपाद से है। सामान्यत: ये जातक बुद्धिमान, सुशील, होशियार, आस्थावान, दूसरों के काम आने वाले, चतुर, मेघावी तथा प्रशासनिक कार्यों में दक्ष होते हैं। इनका भाग्योदय 30 वर्ष की आयु के बाद प्राय: होता है। कर्क राशि वाले जातकों को अपने परिश्रम का पूर्ण फल मिलेगा। दूर परे की यात्रा होगी, जो लाभप्रद रहेगी। धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रहेगी।

दो ट्रकों की भिड़ंत में एक चालक की मौत

लूणकरनसर @ पत्रिका. क्षेत्र की भारतमाला सड़क पर टोल नाके के समीप दो ट्रकों की भिड़ंत में एक ट्रक के चालक की मौत हो गई। लूणकरनसर पुलिस ने बताया कि नोखा के ग्राम कुदसू निवासी रामचन्द्र बिश्नोई ने ट्रक चालक के खिलाफ गफलत व लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना का मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में बताया है कि उसका छोटा भाई रामेश्वरलाल सूरतगढ़ से ट्रक भरकर नागौर की तरफ जा रहा था। कालू रोड पर टोल नाके से करीब 3 किमी पहले आगे चल रहे ट्रक के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे दोनों ट्रकों की भिड़न्त हो गई।

सेठिया बने मर्यादा महोत्सव समिति अध्यक्ष

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

छोटीखाटू (नागौर) जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा भवन में रविवार को आचार्य महाश्रमण ने 2026 का मर्यादा महोत्सव छोटीखाटू में रखा है। इसे लेकर रविवार को बैठक हुई। सर्वसम्मति से जैन श्वेतांबर तेरापंथ महासभा के अध्यक्ष मनसुख लाल सेठिया को मर्यादा महोत्सव समिति का अध्यक्ष बनाया गया। इस अवसर जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष डालमचंद धारीवाल, मंत्री राजेश बेताला, पूर्व अध्यक्ष ताराचंद धारीवाल, प्रकाश चंद बेताला, प्रफुल बेताला सहित अन्य समाज बन्धुओं ने दुपट्टा व साफा पहनाकर सेठिया का स्वागत किया। इस अवसर पर दिल्ली, कटक, भुवनेश्वर, बोरावड़, किशनगढ़, छोटीखाटू सहित बाहर से पधारे समाज बन्धुओं ने उनका सम्मान किया।

छोटीखाटू . सेठिया का सम्मान करते समाज के लोग।

हिदायत: नहीं बनें फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र

जयपुर. मुख्य दिव्यांगजन आयुक्त न्यायालय ने फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी होने के मामले में दिव्यांगजन अधिकारिता विभाग से सख्ती दिखाने को कहा है। न्यायालय ने ऐसे मामलों पर रोक के लिए मुकदमा दर्ज कराने की आवश्यकता जाहिर की। मुख्य दिव्यांगजन आयुक्त न्यायालय ने दिव्यांग अधिकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ हेमंत भाई गोयल के परिवाद पर यह आदेश दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने ली जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक, टंकियों की तैयार होगी सर्वे रिपोर्ट

जून-जुलाई में 19 हजार करोड़ के वर्क-ऑर्डर होंगे जारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रदेश में जलजीवन मिशन (जेजेएम) के तहत जून-जुलाई में 19 हजार करोड़ के कार्यों के लिए वर्क ऑर्डर जारी किए जाएंगे। मिशन के तहत अब तक बनी पानी की टंकियां पेयजल सप्लाई से जुड़ी या नहीं, सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल लाइन डालने के दौरान तोड़ी गई सड़कों की जल्द मरम्मत होगी। ये निर्देश मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिए हैं। सीएम रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जेजेएम कार्यों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। सीएम शर्मा ने कहा कि पुराने कार्यों की समीक्षा कर गड़बड़ी वाले कार्यों को चिह्नित करें, जिससे उन पर सख्त कार्रवाई की जा सके। उन्होंने ट्यूबवेल्स के विद्युत कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए। प्रदेश को जेजेएम में अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए नल कनेक्शन जारी करने में तेजी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय जल जीवन मिशन में अनियमितता हुई।

पानी के स्रोत का पहले किया जाएगा पता

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईआरसीपी, ताजेवाला हैड, आईजीएनपी और भूजल पर ध्यान केन्द्रित कर पानी के स्रोतों का निर्धारण किया जाए। बैठक में जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, मुख्य सचिव सुधांश पंत, एसीएस जल संसाधन अभय कुमार के अलावा कई अधिकारी मौजूद थे।

सरकार लेगी ऋण

सीएम ने 19 हजार 152 करोड़ रुपए की निविदाओं की कार्रवाई आगामी दिनों में पूरी कर वर्क-ऑर्डर जारी करने और 26 हजार 819 करोड़ के 18 पैकेजेज के संबंध में भी निविदा आमंत्रित करने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा। हुडको और आरईसी के माध्यम से ऋण लिया जाएगा।

पॉलिसी 20 जून तक

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाइप पॉलिसी, ओएंडएम पॉलिसी 20 जून तक तैयार की जाएगी। बीएसआर में आवश्यकता अनुरूप परिवर्तन कर संशोधित पॉलिसी जारी की जाए। उन्होंने काम की गुणवत्ता के आधार पर संवेदकों को नियमित भुगतान करने के निर्देश दिए।

कैमरे व रिकॉर्डर भी ले गए साथ

मंदिर को चौथी बार बनाया निशाना, जेवरात व रुपए चुराए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पाली . रणकपुर सड़क मार्ग स्थित गोयल फूलमाली समाज की आराध्य अम्बा माता मंदिर में अज्ञात चोरों ने नकबजनी वारदात को अंजाम दिया। भंडारगृह में पड़ी चांदी की आंगी, माताजी का मुकुट, दानपात्र से नकदी व सीसीटीवी कैमरा डीवीडीआर रिकॉर्डर चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी पर पुलिस एएसआई ईश्वरसिंह ने मौका मुआयना किया। मंदिर पेढ़ी द्वारा सहकोषाध्यक्ष केसाराम गोयल ने रिपोर्ट दी। गोयल फूलमाली समाज मन्दिर में चौथी बार नकबजनी वारदात से समाजबंधुओं में आक्रोश है।

सादड़ी. मंदिर में चोरी के बाद बिखरा सामान। पत्रिका

पुलिस व फूलमाली समाज (गोयल परिवार) के केसाराम, पार्षद भेराराम गोयल, अमृतलाल, बाबूलाल, रमेश, थानाराम, जगदीश, सुरेश, अशोक, पन्नालाल, कालूराम, भंवरलाल गोयल सहित समाजबंधुओं ने बताया कि मन्दिर की देखरेख व पूजा अर्चना करने वाले ओगड़राम माली मंदिर मांगलिक कर गए। देररात अज्ञात चोर सुरक्षा दीवार से मंदिर में उतरकर सीमेंट खिड़की तोड़कर मन्दिर में प्रवेश किया। इस दौरान खिड़की समक्ष लगे कैमरा को उखाड़ दिया। भंडारगृह का सामान बिखेर यहां अलमारी/ लौह मंजुष में रखी पालरावा मामाजी हिरावाव की चांदी की आंगी, मंदिर दानपात्र तोड़कर नकदी चोरी कर ले गए। कैमरों से सीसीटीवी फुटेज नहीं मिलें इसको लेकर डिवीडीआर रिकॉर्डर व एक दो कैमरे भी तोड़कर ले गए।

साइड के प्रवेश द्वार से आमरास्ते के चलते किसी की नजर नहीं पड़े इसको लेकर लोह की जाली पर पर्दा लगा दिया। घटना की जानकारी अगली सुबह पूजा करने पहुंचे ओगड़राम माली को लगी तो उन्होंने समाजबंधुओं को सूचना दी। इस पर समाजबंधुओं ने थाने पहुंच रिपोर्ट दी।

अब शिव सिंह को मारने की धमकी

जयपुर @ पत्रिका. राष्ट्रीय करणी सेना के अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत को रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान व्हाट्सऐप कॉल पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। धमकी देने वाले ने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की तरह उसे सात दिन में जान से मार देंगे।

चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का संगठन)
बम्बाला, टोंक रोड, जयपुर-302033, राजस्थान

सी.सी.एस. नियाम एग्री इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर, आर.के.वी.आई., रफ्तार योजना के तहत कोहॉर्ट-11 के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

आवेदन आमंत्रित हैं

एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन कार्यक्रम (प्रोटोटाइप से एम वी पी)	एग्रीप्रेन्योरशिप ओरिएन्टेशन कार्यक्रम (आईडिया से प्रोटोटाइप)	स्टूडेंट्स ओरिएंटेशन कार्यक्रम
i. एक माह का आवासीय/ ऑनलाइन कार्यक्रम	i. एक माह का आवासीय/ ऑनलाइन कार्यक्रम	i. एक माह का आवासीय/ ऑनलाइन कार्यक्रम
ii. अधिकतम 25 लाख रुपयों तक का अनुदान	ii. अधिकतम 5 लाख रुपयों तक का अनुदान	ii. अधिकतम 4 लाख रुपयों तक का अनुदान

अन्य जानकारी के लिए देखें:
www.niam-nabi.com, ई-मेल: nabi@ccsniam.ac.in
मो.: +91 9001556965/ 9167963551
CBC 01375/12/0004/2425

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। **–वाल्तेयर**

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

जम्मू-कश्मीर की बेहतरी के रास्ते खोलेंगे चुनाव

करीब छह साल से निर्वाचित सरकार का इंतजार कर रहे जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। चुनाव आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव चिह्नों के आवंटन के लिए पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों से आवेदन मांगे हैं। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 रद्द करने के फैसले को बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल चुनाव आयोग को सितंबर 2024 तक प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने का आदेश दिया था। राजनीतिक दलों ने प्रदेश में लोकसभा चुनावों के साथ विधानसभा चुनाव कराने की मांग की थी, लेकिन आयोग ने सुरक्षा बलों की उपलब्धता का हवाला देकर इसे मंजूर नहीं किया। अब आयोग की तैयारियों से लगता है कि जम्मू-कश्मीर में सितंबर तक विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो सकती है। अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होकर 19 अगस्त तक चलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए चुनाव की तारीखों का ऐलान किए जाने के आसार हैं। इस घोषणा के साथ ही वहां चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। आतंकवाद पर काफी हद तक अंकुश के बाद वहां की जनता स्थायी अमन-चैन चाहती है। वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ मुख्यधारा में लौटने की पक्षधर है। वह दौर हवा हुआ, जब आतंकी संगठनों की धमकियों के कारण लोग मतदान केंद्रों तक आने से कतराते थे। इस बार लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर की पांच सीटों पर 58.58 फीसदी रेकॉर्ड मतदान वहां के लोगों में लोकतंत्र के प्रति बढ़ते भरोसे का संकेत देता है। कभी प्रदेश की प्रमुख राजनीतिक ताकत रही पीडीपी एक भी सीट नहीं जीत सकी। यही हाल कांग्रेस का रहा। करीब 90 फीसदी प्रत्याशियों की जमानत जब्त होने का संदेश स्पष्ट है कि अब जम्मू-कश्मीर की जनता को भरमाया या बरगलाया नहीं जा सकता। वह अपने हितों को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हो चुकी है। वह समझ चुकी है कि उसकी बेहतरी के रास्ते लोकतंत्र बहाली से ही निकलेंगे।

इसके बावजूद यह भी सच है कि अंकुश से बौखलाए आतंकी संगठन चुनाव के दौरान सक्रिय हो जाते हैं। इसलिए खास सावधानी भीआवश्यक है। लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान से एक दिन पहले आतंकियों ने शोपियां में एक नेता की हत्या कर दी थी। इसके अलावा पहलगाम में एक दंपती को निशाना बनाया गया। इन घटनाओं को देखते हुए जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव से पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम बहुत आवश्यक हैं। सीमावर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि पाकिस्तान परस्त आतंकियों को सिर उठाने का मौका नहीं मिल सके।

तीसरी बार मोदी सरकार: जनता के हित को ध्यान में रखते हुए विपक्ष को रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए बनानी होगी कार्ययोजना, लेना होगा सबका साथ

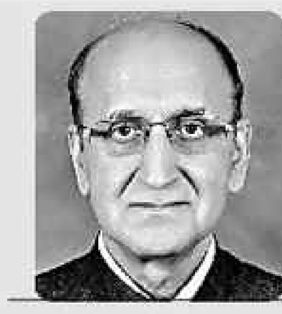

के.एस. तोमर
वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक
@patrika.com

विदेश नीति के मुद्दों को लिया जाए तो मालदीव, नेपाल जैसे पड़ोसी भारत से दूर हो गए हैं। चीन क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए उनका उपयोग कर रहा है। इसलिए इस मुद्दे पर ध्यान देने की जरूरत है।

नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण कर ली है। उनके नेतृत्व वाली नई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के सामने चुनौती भरे अनेक ऐसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे हैं जिन पर तत्काल ध्यान देने और इन मुद्दों से निपटने के लिए रणनीति एवं कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता होगी।

मोदी का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना एक उपलब्धि है। ऐसी उपलब्धि जो अब तक सिर्फ जवाहर लाल नेहरू के नाम दर्ज थी। नेहरू की कांग्रेस ने 1962 में 44.7 फीसदी वोटों के साथ 494 सीटों में से 361 पर विजयश्री हासिल की थी। इसके विपरीत नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भाजपा को लोकसभा की कुल 543 सीटों में से भाजपा को 240 सीटें मिलीं। भाजपा की अगुवाई वाला राजग गठबंधन 293 सीटों के साथ सबसे बड़े गठबंधन के रूप में सामने आया है। भाजपा, टीडीपी और अन्य गठबंधन सहयोगियों पर निर्भर है, जबकि नेहरू ने ऐसे किसी गठबंधन के बिना ही अपने बलबूते बहुत मजबूत स्थिति दर्ज कराई थी। ब्रिटेन में भी, मार्गरेट थैचर और टोनी ब्लेयर जैसे नेता भी तीन कार्यकाल पूर्ण करने में सफल रहे हैं। वैसे गठबंधन का परिदृश्य भारत के लिए कोई नई बात नहीं है। हालांकि, बहुमत से दूर गठबंधन सरकारों के लिए सरकार चलाना चुनौतीभरा होता है।सीटों के कम होने से गठबंधन सहयोगियों की सौदेबाजी करने की ताकत बढ़ जाती है जिससे शासन करना और नीतियों का कार्यान्वयन जटिल हो जाता है।

नई सरकार के समक्ष आने वाली चुनौतियों की बात की जाए तो मोदी को गठबंधन सहयोगियों को संभालने के लिए अपने राजनीतिक करियर में सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जेडी (यू) 'किंग मेकर' के रूप में उभरी हैं। इन नेताओं के मूड को लेकर पांच साल तक आशंका बनी रहेगी। भाजपा के पास अपेक्षित बहुमत नहीं होने से वह टीडीपी और जेडी (यू) की बैसाखियों पर टिकी होगी, ये दोनों दल सौदेबाजी करने के लिए अपने पैर फैलाते रहेंगे। ऐसे में पीएम मोदी के सामने अपनी कार्यशैली बदलने की बाध्यता होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि पीएम मोदी की पहचान आश्चर्यजनक काम करने वाले व्यक्ति के रूप में है। वे इस गठबंधन के बनाए रखने के लिए उलझाने वाले मुद्दों से निपट सकते हैं।

विपक्ष ने अग्निवीर योजना पर सवाल खड़े किए हैं जिसकी समीक्षा की जरूरत हो सकती है, खासकर ऐसी स्थिति में, जब कई सेवानिवृत्त जनरलों ने सेना के लिए उनकी दीर्घकालिक उपयोगिता को लेकर अपनी आशंका जताई हों। अग्निवीर योजना के मापदंडों में संशोधन के लिए पर नई सरकार को विपक्ष और सेवानिवृत्त सेना जनरलों के साथ चर्चा करनी चाहिए।

विदेश नीति के मुद्दों को लिया जाए तो मालदीव, नेपाल जैसे पड़ोसी भारत से दूर हो गए हैं। इस पर मुद्दे पर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि उनका रुख चीन की ओर हो गया है। चीन क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए उनका उपयोग कर रहा है। पाकिस्तान के साथ रिश्तों में राजनीतिक मुद्दों को एकतरफ रखते हुए भारत को व्यापार संबंध बनाने की पहल पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए। शरीफ बंधुओं को इससे कोई आपत्ति नहीं होगी। 2015 में मोदी नवाज शरीफ की नातिन की शादी में शामिल हुए थे लेकिन उनकी पहल को सेना ने विफल कर दिया था। क्षेत्र में चीन के विस्तार के मंसूबों को देखते हुए भारत को सतर्क निगाह रखने की जरूरत है। पड़ोसियों को लेकर भारत की सतर्कता इसलिए भी जरूरी है क्योंकि मालदीव पहले ही चीन की गोद में जा चुका है और नेपाल ने भी आंखे तरेर रखी हैं। प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल, प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार, चीन के करीब चली गई है। नेपाल में भारतीय क्षेत्रों को अपना दर्शाने वाला नक्शा छापे जाने की अपमानजनक कार्रवाई से यह स्पष्ट है। भारत ने नए मानचित्र को खारिज करते हुए इस दुस्साहस पर आश्चर्य व्यक्त किया है।

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच एक व्यापार समझौता पहले से ही प्रगति पर है। नई सरकार को ब्रिटेन में चुनाव खत्म होने तक इंतजार करना होगा। भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त-व्यापार समझौते पर वार्ता का 14वां दौर बिना किसी प्रगति के रहा। वीजा, सामाजिक सुरक्षा और बाजार तक पहुंच पर विवाद हैं, जिन्हें निपटाने की जरूरत है। लंदन में नई सरकार बनने के बाद यह वार्ता वास्तविकता में बदल सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान के साथ हुए चाबहार पोर्ट समझौते को लेकर अमरीकी रुख के मद्देनजर भारत को संभल कर चलना होगा क्योंकि अमरीका ने चेतावनी दी है कि समझौता रद्द न किए जाने पर भारत पर पाबंदियां लगाई जा सकती हैं। समझौते के तहत इस बंदरगाह का प्रबंधन और नियंत्रण भारत के पास रहेगा। दिलचस्प तो यह है कि पूर्व में अमरीका ने भारत को छूट दी थी कि वह चाबहार बंदरगाह को तैयार कर सकता है। अमरीका ने उस समय कोई आपत्ति नहीं जताई थी जब भारत ने इस बंदरगाह का निर्माण शुरू किया था क्योंकि अफगानिस्तान पर कब्जे के कारण यह उसके अनुकूल था। लेकिन अब अमरीका अफगानिस्तान से हट गया है और उसकी इस बंदरगाह में कोई रुचि नहीं रह गई है। साथ ही, ईरान अमरीकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। अमरीका, भारत सहित किसी भी मित्र राष्ट्र को ईरान के साथ किसी प्रकार का व्यापारिक संबंध रखने पर संभावित जोखिम के बारे में जागरूक होने की आवश्यकता जताता है।

पंजाब और पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का कांग्रेस का फैसला फायदेमंद रहा क्योंकि आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस ने सीधे तौर पर भगवा पार्टी के प्रदर्शन पर असर डाला। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को छह सीटों पर सफलता मिली है। कांग्रेस का पुनरुद्धार पार्टी कार्यकर्ताओं को फिर जीवंत करेगा जो सबसे पुरानी पार्टी के प्रदर्शन में लगातार गिरावट देख रहे थे। यूपी में अखिलेश यादव 'सुपर हीरो' के रूप में उभरे हैं क्योंकि उन्होंने सोशल इंजीनियरिंग करते हुए गैर यादवों को टिकट आवंटन में प्राथमिकता दी। अखिलेश-राहुल की 'जोड़ी' विजयी हुई। उधर मायावती हाशिए पर चली गईं।

अंतिम आकलन यही, मोदी गठबंधन की कमजोरियों के साथ भी अपने नेतृत्व में अगले पांच साल तक राष्ट्र की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने भारत को वैश्विक शक्ति बनाने के लिए आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने का संकल्प दिखाया है। इस पृष्ठभूमि में, विपक्ष को रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए , यही देश की जनता के हित में होगा।

नेतृत्व

क्या है कार्यस्थल आध्यात्मिकता

जहां जीवन के अर्थ की खोज को न केवल प्रोत्साहित किया जाता है, बल्कि कार्य संस्कृति में ही समाहित किया जाता है

प्रो. हिमांशु राय
निदेशक, आइआइएम इंदौर
@patrika.com

असंख्य रहस्यमय तारों से पूर्ण इस विशाल ब्रह्मांड में मानवता अनन्य और अद्वितीय रही है। जागरूकता से पूर्ण और कल्पना करने की विशेषताओं से संपन्न मनुष्य, सदा से अराजकता के भीतर छिपी शैलियों को समझने की कोशिश कर रहा है। यह खोज मनुष्य के अस्तित्व के पीछे के उद्देश्य को उजागर करने की एक सहज इच्छा से प्रेरित है। एक ओर जहां पृथ्वी के अन्य निवासी मात्र जीवित रहने का प्रयास करते हैं, वहीं मनुष्य न केवल जीविका के लिए, अपितु स्वयं का अर्थ समझने की भी जिज्ञासा रखते हैं। वे इस सांसारिकता को गहनता में और लौकिक को कालातीत में परिवर्तित करने का प्रयत्न करते हैं।

ऐसे में, एक ऐसे कार्यस्थल की कल्पना करें जहां जीवन के अर्थ की खोज को न केवल प्रोत्साहित किया जाता है बल्कि संस्कृति में ही समाहित किया जाता है - यह 'कार्यस्थल आध्यात्मिकता' का मूल है। यह अवधारणा पंथ के दायरे से परे है। यह व्यक्ति के काम के माध्यम से व्यक्तिगत पूर्णता की समग्र भावना के बारे में है। यहां, कर्मचारी एक सार्थक उद्यम में महत्त्वपूर्ण भागीदार हैं, जहां काम उनकी गहरी आकांक्षाओं को दर्शाता है। जैसे-जैसे कर्मचारी कल्याण और संगठनात्मक संस्कृति में आधुनिक रुझान विकसित हो रहे हैं, इसकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। इससे न केवल उत्पादकता बढ़ती है, बल्कि सभी जीवंत और संतुष्ट भी अनुभव करते हैं और सभी का परस्पर जुड़ाव भी गहरा होता है। इस दृष्टिकोण के प्रमुख घटकों में निम्नलिखित शामिल हैं-

सार्थक कार्य: ऐसे काम में शामिल होना, जो आपके व्यक्तिगत मूल्यों और विश्वासों से मेल खाता हो और जो महत्त्व और उद्देश्य की भावना को बढ़ावा दे।

समुदाय की भावना: आध्यात्मिकता कार्यस्थल के भीतर एक समुदाय के निर्माण पर जोर देती है। यह समुदाय साझा मूल्यों और आपसी सम्मान पर आधारित है, जहां कर्मचारी एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और समान लक्ष्यों की दिशा में मिलकर काम करते हैं।

व्यक्तिगत मूल्यों के साथ संरेखण: यह घटक सुनिश्चित करता है कि किसी व्यक्ति के मूल मूल्य और संगठन का मिशन संरेखित हों। जिन कर्मचारियों को यह संरेखण मिलता है, वे नौकरी से संतुष्टि का अनुभव करने, अधिक निष्ठा दिखाने और उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने की अधिक संभावना रखते हैं। वे केवल वेतन के लिए काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि ऐसी गतिविधियों में समर्पित हैं जो उनके लिए व्यक्तिगत स्तर पर सार्थक नजर आती हैं।

अत: कार्यस्थल आध्यात्मिकता का तात्पर्य एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देना है, जहां कर्मचारी अपने काम को जीवन के अर्थ और उद्देश्य के साथ जोड़ सकें।

छूटा अपना देश: जलवायु परिवर्तन ने बढ़ाया समुद्र का जल स्तर, नई जगह बसने की मजबूरी

पनामा के कैरेबियन सागर में बसे खूबसूरत द्वीप गार्डी सुगडब के 300 परिवारों को दूसरी जगह बसाया जा रहा है। ऐसे हालात पैदा हो गए हैं कि या तो वे अपने पैतृक घर को छोड़ दें या बढ़ते समुद्री जल स्तर में समा जाएं। असल में जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है। 2050 तक पनामा को समुद्री स्तर की वृद्धि के चलते अपने तटीय क्षेत्रों का लगभग 2.01 प्रतिशत हिस्सा खोना पड़ सकता है।

फलों को जहरीला बनाने से रोकें

ओ. पी. चौधरी

फलों में पोषक तत्व होते हैं। इसलिए ये भोजन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा माने जाते हैं। पुराने समय में फलों का सेवन सिर्फ धनाढ्य परिवारों में ही होता था। मध्यमवर्गीय परिवार चिकित्सक की सलाह पर बीमार सदस्य को ही फल खिलाते थे। कालांतर में स्थितयां बदली हैं। बढ़ती क्रयशक्ति के चलते विभिन्न तरह के फलों ने सामान्य परिवारों की खाद्यान्न सूची में जगह बना ली है। मांग और आपूर्ति का गणित परिवर्तित हुआ है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्राकृतिक तरीकों से पकाए गए फल नाकाफी होने लगे। फलतः उत्पादकों और व्यापारियों ने कृत्रिम तरीके अपनाने शुरू कर दिए। रासायनिक पदार्थों एथेन, कैल्सियम कार्बाइड, एथीफोन, ईथर, प्रोपाइलिन, ग्लाइकॉल एथेनॉल का प्रचुर मात्रा में प्रयोग होने लगा है।

प्राकृतिक तरीके से पके फल पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। अतः स्वास्थ्यवर्धक होते हैं, जबकि कृत्रिम तरीके से पकाए विषैले व स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। सबसे अधिक कैल्शियम कार्बाइड का प्रयोग चलन में है। यदि इसमें एक कागज भिगोकर 2 वर्ष के बच्चे के मुंह पर रख दिया जाए तो उसकी जान जा सकती हैं। इसमें आर्सेनिक होता है जो कैंसर का जनक माना जाता है।

कृत्रिम व विषैले तरीको से फल पकाने पर रोक लगाना बहुत आवश्यक है। आजकल आम और अन्य फलों को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का इस्तेमाल किया जाता हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) ने फल बेचने वालों को चेतावनी दी है कि वे इसका इस्तेमाल न करें। साथ ही यह भी कहा कि कैल्शियम कार्बाइड का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। आम पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड के इस्तेमाल पर 2011 से प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन कई फल व्यापारी इस हानिकारक केमिकल का इस्तेमाल अब भी आम पकाने में कर रहे हैं, जिससे लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

(ईमेल पर प्राप्त आलेख)

सोशल मीडिया: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण दुष्प्रचार करना बहुत आसान हो गया है, इसलिए सजगता जरूरी है

अफवाहों को रोकने के लिए जनता तक सच पहुंचाएं

बीना वैंकटरमन
पत्रकार और स्तंभकार
द वाशिंगटन पोस्ट
से विशेष अनुबंध के तहत

ऐसी अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं, जो लोगों को भावनात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। गलत जानकारी लोगों को तब मिलती है जब वे डरे हुए और अंधेरे में होते हैं। इसलिए उन तक सच पहुंचाना जरूरी है।ऐसे प्रयास लगातार होने चाहिए।

अमरीका के मियामी के उपनगर डोरब में एक नाइट बार में पिछले दिनों एक व्यक्ति ने सुरक्षा गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी। जल्द ही यहां के लोगों ने वाट्सएप और टेलीग्राम पर एक अफवाह को साझा करना शुरू कर दिया। अफवाह फैलाने वालों ने दावा किया कि हमलावर अमरीका में वेनेजुएला से घुसपैठ करने वाले एक आपराधिक गिरोह से जुड़ा है। सुरक्षा गार्ड की हत्या करने वाला व्यक्ति पुलिस कार्रवाई में मारा गया था। वह वेनेजुएला या कहीं और से आया प्रवासी नहीं था। जब तक मियामी पुलिस वास्तविक हमलावर का नाम जारी करती, तब तक झूठ लोगों में अपनी पैठ बना चुका था। शुरुआती अफवाहों में यह बात खो गई थी कि सुरक्षा गार्ड खुद एक प्रवासी परिवार का सदस्य था।

पिछले वर्ष के आखिर में एक सर्वे कराया गया था जिसमें सामने आया कि देश भर के हिस्पैनिक (अमरीका में रहने वाले वे लोग जिनके वंशज स्पैनिश भाषी हैं।) खुली सीमाओं और प्रवासन को बड़े खतरे में रूप में देखते हैं। इस सर्वे को कराने वाले फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के राजनीतिक वैज्ञानिक एडुआर्डो गामारा कहते हैं कि बड़े पैमाने पर दुष्प्रचार प्रवासी समुदायों में इस धारणा को बढ़ावा देता है कि प्रवासियों की अगली लहर ऐसे खतरे उत्पन्न करती है जो तब नहीं थे जब वे आए थे। इस बीच, रूसी मीडिया से जुड़े ऑनलाइन अकाउंट्स अमरीका में प्रवासियों के बारे में झूठ फैलाने में सक्रिय हैं। माना जाता है कि ये यूक्रेन की सहायता के लिए सार्वजनिक समर्थन को कमजोर करने के प्रयास हैं। वाट्सएप और टेलीग्राम पर फैलाई जा रही ऐसी झूठी सूचनाओं को ट्रैक करना काफी मुश्किल है। बड़ी टेक कंपनियों ने भी अपने प्लेटफार्मों पर चुनावी गतिविधियों को लेकर राजनीतिक अभियानों के जरिए पोस्ट की गई गैर-अंग्रेजी भाषाओं में दुष्प्रचार को संबोधित करने के लिए बहुत कम काम किया है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कई भाषाओं और प्रारूपों में ऑनलाइन अफवाहें फैलाने और उसे प्रसारित करने को आसान कर रहा है, लागत भी कम हो रही है। मीम्स से लेकर डीपफेक वीडियो तक बन रहे हैं। नाइट क्लब में किसने किसको गोली मारी, यह न तो व्यक्तिपरक राय का विषय है और न ही नए वायरस की समय सीमा या चुनाव की तारीख की जानकारी होने का मामला। भविष्य के बारे में सोचते समय यही बात हमें रात भर सोने नहीं देती। क्या हम ऐसे लोगों और समूहों को निशाना बना रहे हैं जिन्हें लेकर हमें लगता है कि वे खतरा हैं। इसकी जगह हम यह मांग करें कि पॉलिटिकल और बिजनेस लीडर्स हमें सुरक्षित रखने के लिए वास्तविक सुधारों को लागू करें। बड़ा सवाल है कि इस नई दुनिया में हम कैसे अपराधियों को दोषी ठहराएंगे, निर्दोषों को कैसे बरी करेंगे, महामारी को कैसे रोकेंगे या चुनाव कैसे कराएंगे?

हाल ही, मैंने दक्षिण फ्लोरिडा में एक सामुदायिक संगठन 'वी आर मास' की नेता से वार्ता की जो भविष्य को लेकर खौफ में हैं और जो ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए संघर्षरत हैं। एवलिन पेरेज-वर्डिया स्पैनिश भाषी प्रवासी समुदायों में अफवाहों को रोकने के लिए काम करती हैं। वे उसी चैट समूह का इस्तेमाल करती हैं जहां वह पहले से हैं। सहयोग के रूप में, ब्राउन यूनिवर्सिटी में इंफॉर्मेशन फ्यूचर्स लैब के साथ पेरेज-वर्डिया ने हाल ही में 25 स्थानीय संदेशवाहकों की भर्ती की है ताकि अफवाहों पर काबू पाया जा सके। पेरेज-वेर्डिया और उनके सहयोगियों ने अपने विश्वसनीय संदेशवाहकों को टेम्पलेट दिए हैं ताकि वे वाट्सएप और सोशल मीडिया पर स्थानीय भाषा और प्रारूपों का उपयोग करके अंग्रेजी और स्पैनिश दोनों में सवालों के जवाब दे सकें। सूत्र यही-लोगों को शर्मिंदा करने या उन्हें गलत बताने के बजाय उनकी चिंताओं के प्रति सहानुभूति रखें और उनको सही सूचनाएं दें, ताकि वे अफवाहों पर भरोसा न करें।

उदाहरण के लिए, दक्षिण फ्लोरिडा के इन्फ्लुएंसर्स ने एक अफवाह सुनी कि सरकार ने कोरोना वायरस वैक्सीन में माइक्रोचिप्स लगाई हैं ताकि वह लोगों को ट्रैक कर सके। इन्फ्लुएंसर्स ने यह भी बताया कि वीडियो में प्राकृतिक रूप से शरीर से निकलने वाले तेल के कारण लोगों की त्वचा पर चुंबक और सिक्के चिपके हुए दिखाई देते हैं। उन्होंने बताया कि निजी कंपनियां और सरकारी एजेंसियां क्रेडिट कार्ड और सेलफोन डेटा का उपयोग करके लोगों को ट्रैक कर सकती हैं। साथ ही यह भी बताया कि वैक्सीन में वास्तव में क्या था। सामुदायिक जागरूकता पर इस तरह के काम का प्रभाव नजर आता है। इस तरह की सक्रियता ऑनलाइन अफवाहों से लड़ने में उपयोगी है। यह तकनीकी समाधानों पर बहुत अधिक केंद्रित है। ऐसी अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं, जो लोगों को भावनात्मक रूप से प्रभावित करती हैं और लोग उनमें अपने आपको शामिल महसूस करते हैं , चाहे वे सच हों या नहीं। गलत जानकारी लोगों को तब मिलती है जब वे डरे हुए और अंधेरे में होते हैं। इसलिए उन तक सच पहुंचाना जरूरी है।

आपकी बात

बढ़ गया मानसिक तनाव

अग्निवीर योजना के तहत चयनित युवा इसी मानसिक तनाव में रहता है कि चार साल बाद उसका भविष्य क्या होगा। देश सेवा के लिए वह जान भी दे दे तो भी उसे शहीद का दर्जा तक नहीं मिलता। इसके अलावा कुशल सैनिकों की कमी जैसे मुद्दे सेना की कार्यकुशलता को भी प्रभावित कर रहे हैं।

-प्रशांत कुमार चौरसिया, छतरपुर, मप्र

मिलता रहे रोजगार

अग्निवीर योजना बंद नहीं होनी चाहिए। केंद्र सरकार की यह योजना देश की सुरक्षा और युवा वर्ग को रोजगार देने के लिहाज से अच्छी योजना है। इससे युवाओं व गरीब वर्ग को आर्थिक संकट से निकलने में मदद मिल रही है। युवा वर्ग के लिए रोजगार के अवसर लगातार बढ़ने चाहिए।

-आनन्द सिंह राजावत, देवली कलां, पाली

आज का सवाल

भूमिगत जल का स्तर बढ़ाने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की प्रतिक्रियाएं

पत्रिकायन का सवाल था, 'क्या अग्निवीर योजना बंद होनी चाहिए?' कई प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। कुछ ऑनलाइन भी दी जा रही हैं।

इसे स्कैन करें
rb.gy/4nxthq

सड़क हादसा

ट्रेलर की ठोकर से महिला की मौत, पति व दो बच्चे गंभीर

पत्रिका ब्यूरो @ बिलासपुर. कोटा थाना क्षेत्र में अनियंत्रित ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि बाइक चालक पति व दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सिम्स में भर्ती कराया गया है। कोनी निवासी प्रार्थी दिनेश लोनिया पिता जवाहर लोनिया (38) ने कोटा थाने में अज्ञात ट्रेलर चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायत में बताया कि उसका छोटा भाई मनमोहन लोनिया पत्नी व दो बच्चों के साथ अपनी बाइक से नवरंगपुर लोरमी ससुराल जा रहा था। इस दुर्घटना में बाइक चालक महमोहन के दोनों पैर टूट गए, जबकि उसकी पत्नी सुष्मिता लोनिया (20) की मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना में उनके दो बच्चों को भी गंभीर चोट आई हैं।

सरकारी विभागों के करोड़ों के बिल बाकी, आम लोगों से वसूली के लिए काटते हैं कनेक्शन

रायपुर. राजधानी के कई बड़े अफसरों और सरकारी विभागों के करोड़ों के बिजली बिल का भुगतान बकाया है। इसका महीनों-सालों से भुगतान नहीं हुआ है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) के कई बार नोटिस देने के बाद भी बिल का भुगतान नहीं कर रहे हैं। सीएसपीडीसीएल उन पर कड़ी कार्रवाई नहीं कर रही हैं। दूसरी ओर सीएसपीडीसीएल अपने नुकसान की भरपाई के लिए आम उपभोक्ताओं पर डाल दिया है। सीएसपीडीसीएल की अनुशंसा पर हाल ही में बिजली नियामक आयोग ने नया टैरिफ रेट जारी किया है, जिससे अब जुलाई में आम उपभोक्ताओं को बढ़े रेट से बिजली बिल का भुगतान करना पड़ेगा और उन पर बिल का बोझ बढ़ गया है। सरकारी अफसरों के करोड़ों के बिल बकाया के बाद भी सीएसपीडीसीएल उनका कनेक्शन काटने की हिम्मत नहीं जुटा रहा है। केवल नोटिस भेज रहे हैं।

प्री-मानसून: पारा 5 से 6 डिग्री तक तक गिरा, लोगों को गर्मी से मिली निजात, आज भी ऐसा ही रहेगा मौसम

100 किमी की रफ्तार से चली हवाओं के साथ तेज बारिश, रायपुर में छत उड़ी, पेड़ गिरे

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर . मानसून सुकमा पहुंच चुका है। मानसून की एंट्री से प्रदेश के कई इलाकों में दिन भर बादल छाए रहे और शाम होते ही 80 से 100 किलो मीटर प्रतिघंटा की रफ्तार हवाएं चलीं। इससे बाद कुछ इलाकों में तेज वर्षा दर्ज की गई। तेज हवा के कारण कई जगहों पर पेड़ और बिजली की खंभे गिर गए। रायपुर के अमलीडीह के कुछ मकानों की छत उड़ गई। मौसम विशेषज्ञ इसे प्री-मानसून का असर बता रहे हैं। बारिश के बाद गर्मी का असर कम हो गया है। बारिश के बाद पारा 5 से 6 डिग्री तक गिर गया। सोमवार को प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात हो सकता हैं।

धमतरी : नगरी के सोंढूर नदी में अचानक बाढ़ से बढ़ी मुसीबत

धमतरी/नगरी. बस्तर संभाग में कई स्थानों में जमकर बारिश भी हुई। धमतरी जिले के नगरी ब्लॉक से बाढ़ की पहली तस्वीर सामने आई है। दरअसल शनिवार की रात नगरी क्षेत्र के पहाड़ी और उड़ीसा क्षेत्र में जमकर बारिश हुई।

पारा मीटर

जिला	अधि.	न्यू.
रायपुर	40.5	26.7
अंबिकापुर	40.4	26.6
बिलासपुर	38.6	25.2
पेण्ड्रारोड	38.1	23.8
जगदलपुर	36.2	25.0
दुर्ग	39.9	27.4

यहां हुई बारिश

बोड़ला	12.6
मैनपाट	3.1
कांकेर	2.5
बगीचा	25.2
बिलासपुर	12.0
मस्तुरी	30.0
बिल्हा	35.0
चारामा	15.6
छुईखदान	7.2
प्रतापपुर	13
पेंड्रारोड	85.9

बारिश मिलीमीटर में

सुकमा में अटका मानसून

दक्षिण पश्चिम मानसून सुकमा, हरनाई, बारामती, निजामाबाद, मलखानगिरी, विजयनगरम और इस्लामपुर है। दक्षिण पश्चिम मानसून के मध्य अरब सागर के शेष भाग, महाराष्ट्र के कुछ और भाग और छत्तीसगढ़, तेलंगाना में अगले दो-तीन दिनों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं।

बना हुआ है यह सिस्टम

एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण बिहार के ऊपर 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक फैला है। एक विंड शियर जोन 18 डिग्री उत्तर में 3.1 किलो मीटर से 7.6 किलोमीटर तक फैला है।

एमसीबी : अमृतधारा जलप्रपात में युवक डूबा, शव बरामद

बैकुंठपुर/बरबसपुर. मनेंद्रगढ़ अमृतधारा जलप्रपात में रविवार को पिकनिक मनाने आए चिरमिरी हल्दीबाड़ी निवासी विजय(24) शाम को गहरे पानी में डूब गया। मामले में नागपुर पुलिस पहुंची और ग्रामीणों की मदद से अंधेरा होने से पहले शव को बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार चिरमिरी से करीब छह युवक अमृतधारा जल प्रपात में दोपहर में पिकनिक मनाने आए थे। इस दौरान शाम करीब 4 बजे झरने के नीचे नहाते समय युवक अचानक गहरे पानी में डूब गया और उसकी मौत हो गई। नागपुर पुलिस चौकी को हादसे की सूचना दी गई।

शपथ ग्रहण : फोन पहुंचने के बाद दिल्ली में बधाई देने वालों का लगा रहा तांता

पहली बार के सांसद तोखन साहू ने ली केंद्रीय राज्यमंत्री पद की शपथ, दिग्गज हुए किनारे

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. छत्तीसगढ़ के दिग्गज नेताओं को किनारे करते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल में बिलासपुर लोकसभा सीट से पहली बार चुने गए सांसद तोखन साहू को जगह मिली है। साहू को केंद्रीय राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया है। वे भाजपा की ओर से छत्तीसगढ़ के छठवें केंद्रीय राज्यमंत्री होंगे। इसके पहले डॉ. रमन सिंह, दिलीप सिंह जूदेव, रमेश बैस, विष्णुदेव साय और रेणुका सिंह केंद्रीय राज्यमंत्री का दायित्व निभा चुकी हैं। केंद्रीय कैबिनेट में साहू को जगह मिलने की बड़ी वजह जातिगत समीकरण बताया जा रहा है। विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा ने आदिवासी मुख्यमंत्री दिया और अब ओबीसी को केंद्रीय राज्यमंत्री बनाया। छत्तीसगढ़ में दोनों वर्ग राजनीति की दिशा और दशा तय करने का काम करते हैं। तोखन साहू को पीएमओ से फोन आया, तो वो दिल्ली में ही थे। इसकी खबर मिलते ही दिल्ली में बधाई देने वालों का सिलसिला शुरू हो गया। उनके गृह ग्राम डिंडोरी और परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई।

पंच से शुरू हुआ राजनीतिक जीवन

साहू का राजनीति जीवन की शुरुआत 1994 से हुई थी। वो लोरमी ब्लॉक के सुरजपुरा गांव के निर्विरोध पंच बने। इसके बाद वे सरपंच, जनपद सदस्य और विधायक भी बने। रमन सरकार में संसदीय कार्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाले। वर्ष 2018 में वे विधानसभा चुनाव हार गए थे।

बिलासपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी में की आतिशबाजी।

यह है मंत्री बनाने की बड़ी वजह

1 तोखन साहू ओबीसी वर्ग से आते हैं। क्वांटिफायबल डाटा आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में 41 फीसदी आबादी ओबीसी वर्ग की है।

2 केंद्रीय कैबिनेट में लगातार दो बार आदिवासी वर्ग को प्रतिनिधित्व मिला है। यही वजह है कि इस जातिगत समीकरण को साधने ओबीसी वर्ग को मौका दिया गया।

जिसे चुनाव हराया था, उसके साथ गए शपथ लेने

साहू ने 2013 में लोरमी से विधानसभा चुनाव लड़ा था। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी धर्मजीत सिंह को चुनाव हराया था। उन्हें 52302 वोट मिले। धर्मजीत सिंह को 46061 वोट मिले थे। उसके बाद वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में वो धर्मजीत से चुनाव हार गए थे। जब शपथ ग्रहण समारोह के लिए साहू कार से रवाना हुए तो उसमें सबसे आगे धर्मजीत सिंह ही बैठे थे। बता दें कि सिंह कांग्रेस को छोड़कर जोगी कांग्रेस में शामिल हुए थे। अब वो तखतपुर से भाजपा विधायक है।

दिग्गजों को मंत्री नहीं बनाने से चर्चाओं का दौर शुरू

प्रदेश में तीन दिग्गज नेता बृजमोहन अग्रवाल, विजय बघेल और संतोष पांडेय को मंत्री बनाने की चर्चा थी। इसमें बृजमोहन दौड़ में सबसे आगे थे। वे आठ बार के विधायक रहे हैं और प्रदेश में सबसे ज्यादा मतों से जीते हैं। नए चेहर पर दांव खेलने से चर्चाओं का बाजार गर्म हैं। इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह से कायस लग रहे हैं।

यह है दिग्गजों के किनारे होने की बड़ी वजह

जातिगत समीकरण को ध्यान में रखकर तोखन साहू को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मंत्री की दौड़ में शामिल विजय बघेल ओबीसी है, लेकिन वो कुर्मी है। वहीं कद्दावर नेता बृजमोहन अग्रवाल और संतोष पाण्डेय दोनों सामान्य वर्ग से आते हैं।

एसआईटी जांच शुरू: गो तस्करी का मामला

मॉब लिंचिंग कांड में तीसरे युवक की हालत बिगड़ी, हत्या का मामला दर्ज

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. आरंग में मॉब लिंचिंग मामले की जांच एसआईटी ने शुरू कर दी है। पुलिस ने जांच के दौरान परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर मारपीट करने वालों के खिलाफ हत्या का अपराध भी दर्ज कर लिया है। इससे पहले धारा 304, 307, 34 के तहत अपराध दर्ज किया था। दूसरी ओर हमले में घायल तीसरे युवक की हालत भी गंभीर हो गई है। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन दिन बाद भी उसकी स्थिति सामान्य नहीं हुई है। मल्टीपल इंज्यूरी के चलते उसकी स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। इसी के चलते उसका बयान भी नहीं हो पा रहा है। बता दें कि शुक्रवार की रात अज्ञात युवकों ने महानदी पुल पर ट्रक सवार चांद मियां, गुड्डू खान और सद्दाम को रोक लिया था।

20 मिनट तक मांगते रहे मदद, फिर हो गए बेसुध

अस्पताल में भर्ती सद्दाम के भाई शोएब ने बताया कि घटना वाली रात करीब 2 बजे उसे चांद का कॉल आया। उसने बताया कि कुछ लड़के उनका पीछा कर रहे हैं। उनके ट्रक के टॉयर को पंचर कर दिए हैं। करीब 2 मिनट बात करने के बाद सद्दाम का कॉल कट गया। कुछ देर बाद फिर सद्दाम का कॉल आया। उसमें सद्दाम मारपीट होने, हाथ-पसली टूटने और पानी मांग रहा था। मारपीट होने की आवाज और शोर भी आ रहा था। करीब 20 मिनट ऐसा ही चलता रहा। इसके बाद सद्दाम की आवाज बंद हो गई। उसका मोबाइल चालू ही रहा। 51 मिनट तक शोरशराबे की आवाज आती रही। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। परेशान होकर हम लोगों ने सुबह करीब 5 बजे चांद के मोबाइल पर कॉल किया, तो आरंग पुलिस ने उठाया।

आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं

मामले में अब तक मारपीट करने वाले युवकों का पता नहीं चल पाया है। दरअसल मारपीट करने वाले कथित गोसेवक बताए जा रहे हैं। पुलिस घटना स्थल और मेनरोड से लगे सीसीटीवी कैमरे और फुटेज खंगाल रही हैं। कुछ संदेहियों से भी पूछताछ की जा रही है। तकनीकी जांच भी की जा रही है। हालांकि अब तक आरोपियों का कुछ पता नहीं चल पाया है। रायपुर में इस तरह की पहली बार घटना हुई है।

ऑपरेशन 'आहट'

कवर्धा की 16 युवतियों को तमिलनाडु ले जा रहा था युवक, आरपीएफ ने पकड़ा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

राजनांदगांव. प्रशिक्षण व नौकरी दिलाने के बहाने कवर्धा क्षेत्र की 16 युवतियों को तमिलनाडु ले जाते एक युवक को रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) राजनांदगांव ने रेलवे स्टेशन में पकड़ा हैं। पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं देने पर युवतियों को सखी सेंटर भेज दिया गया है, जहां से उन्हें उनके पालकों के सुपुर्द करने कवायद चल रही है। रेलवे पुलिस ने ऑपरेशन 'आहट' के तहत यह कार्रवाई की हैं। आरपीएफ टीआई तरुणा साहू ने बताया कि रात को उनकी टीम प्लेटफार्म पर गश्त करने निकली थी। तभी अचानक उनकी नजर युवतियों पर पड़ी, जो थोड़ी असहज और सहमी हुई सी दिख रही थीं, उनके साथ को परिजन या पालक भी नहीं थे, एक शख्स मौजूद था। पूछताछ करने पर कुछ युवतियों ने बेंगलूरु जाने की बात कही तो कुछ ने तमिलनाडु जाने की बात कही। जबकि उनके पास तमिलनाडु त्रिपुर का टिकट था। रात 12.30 बजे वे कोरबा त्रिवेंद्रम में रवाना होने के लिए राजनांदगांव रेलवे स्टेशन में बैठे थे।

हालांकि वहां जाने का कारण भी युवतियां स्पष्ट रूप से नहीं बता पा रही थीं। सभी युवतियों की उम्र 18 से 23 के बीच हैं। इस दौरान महिला प्रभारी इंस्पेक्टर तरूणा के साथ शिफ्ट अधिकारी सउनि गिरिजा साहू, महिला आरक्षक ललिता, प्रधान आरक्षक आरएम मिसाल एवं आरक्षक प्रमोद यादव मौजूद थे।

जीआरपी ने केस को नहीं लिया हैंडओवर: छत्तीसगढ़ से इस तरह कई युवतियों के गायब होने की सूचना अलग-अलग थानों में दर्ज है। इसके बाद भी जीआरपी ने इस पूरे मामले में लापरवाही दिखाते हुए रेलवे पुलिस की कार्रवाई को हैंडओवर लेने से मना कर दिया। इसके बाद उन्हें लड़कियों को सखी सेंटर भेजना पड़ा।

सभी युवतियों को भेजा सखी सेंटर

रेलवे पुलिस ने मामले की जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को दी। विभाग के अधिकारी पहुंचे। पूछताछ के बाद सभी युवतियों को सखी सेंटर भेजा गया, जहां से उनके परिजनों को संपर्क किया गया। उन्होंने युवतियों के जाने की खबर होने की बात कही। हालांकि पंचायत या पुलिस को इस संबंध में संबंधित व्यक्ति द्वारा किसी तरह की जानकारी नहीं दी गई थी। इसलिए मामला संदिग्ध होने के कारण उन्हें जाने से रोक दिया गया है। मामले में पकड़ में आए शख्स के संबंध में पूरी जानकारी जुटाई जा रही है।

संतोषप्रद नहीं दिया जवाब

स्टेशन में कुछ युवतियां सहमी सी खड़ी थीं। उनके पालक भी नहीं थे। उनके साथ मौजूद शख्स ने प्रशिक्षण के लिए तमिलनाडु ले जाने की बात बताई। पूछताछ में वे युवतियों द्वारा संतोषप्रद जवाब नहीं दिया गया। इसलिए उन्हें रोककर सखी सेंटर भेज दिया गया।
तरुणा साहू, आरपीएफ टीआई

चातुर्मास: 20 जुलाई से लगेगी तपस्याओं की झड़ी

जिस शहर में बचपन बीता, वहां कई साल बाद तीन बेटे और बेटी संत बन पढ़ाएंगे धर्म का पाठ

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर . चातुर्मास 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। इसके बाद 15 नवंबर तक जैन साधु-संत एक स्थान पर प्रवचन, सत्संग की धुनि रमाएंगे। समाज ने इसके लिए व्यापक तैयारियां की हैं। शहर में होने जा रहा इस बार का चातुर्मास कई मायनों में खास है। पहला तो ये कि रायपुर को इस बार देश के कई बड़े जैन साधु-संतों का सानिध्य मिलने जा रहा है। सबसे सुखद ये कि शहर में इस बार तीन ऐसे साधु-साध्वियों का चातुर्मास होने जा रहा है जो रायपुर के ही हैं। दीक्षा के बाद पहली बार अपने गृह नगर साधु जीवन के रूप में समाज को जीने का पाठ पढ़ेंगे।

विवेकानंद नगर में होने जा रहे चातुर्मास में इस बार घोर तपस्वी मुनि प्रियदर्शी विजय महाराज लोगों को जीने के तौर-तरीके सिखाएंगे। वे शैलेंद्र नगर के हैं। दीक्षा लेने के पूरे 24 साल बाद शहर लौटे हैं। सबसे खास बात तो ये है कि अपना बचपन उन्होंने जिस कॉलोनी में बिताया, अब वहीं के सबसे बड़े जैन मंदिर श्री संभवनाथ जिनालय में चातुर्मास करने जा रहे हैं। स्थानीय जैन समाज के प्रचार-प्रसार प्रमुख चंद्रप्रकाश ललवानी ने बताया, शैलेंद्र नगर निवासी अमरी देवी बरड़िया और सुरेश बरड़िया मुनि प्रियदर्शी विजय महाराज के सांसारिक माता-पिता हैं। बड़े प्यार से उन्होंने अपनी संतान का नाम प्रमोद कुमार रखा था। प्रमोद में वैराग्य के लक्षण बचपन से ही दिखने लगे थे। पिता भी यही चाहते थे कि बेटा धर्म के रास्ते पर आगे बढ़े। कॉमर्स में ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद आखिरकार 25 साल की उम्र में प्रमोद ने दीक्षा ले ली। 1 दिसंबर 1999 को मुंबई में प्रेम भुवनभानु समुदाय में उनकी दीक्षा हुई। नया नाम मिला, प्रियदर्शी विजय महाराज। नाम की ही तरह अपने जीवन को भी सार्थक बनाने के लिए उन्होंने इन 24 सालों में कई कठिन तपस्याएं की। इसी साधना ने उन्हें घोर तपस्वी की पहचान दिलाई। समाज इस बात से काफी खुश है कि 25 साल बाद गृह नगर लौटे संत के दर्शन होंगे।

महाराष्ट्र से 1400 किमी सफर कर जन्मभूमि लौटे

प्रियदर्शी विजय महाराज का ये 25वां चातुर्मास है। 2024 के लिए उनका चातुर्मास जब रायपुर में तय हुआ, तब वे महाराष्ट्र में थे। वहां 4 महीने पहले उन्होंने जन्मभूमि रायपुर के लिए कूच किया। भरी गर्मी के बीच तपती धूप में भी उन्होंने हर 12-14 किलोमीटर पैदल यात्रा की। इस बीच संघ, समाज के निवेदन पर कई शहरों और गांवों में रूके। लोगों को धर्म और ज्ञान की बातें सिखाई। इस तरह उनका काफिला आगे बढ़ते-बढ़ते रविवार को राजधानी रायपुर पहुंच चुका है।

इंजीनियरिंग पूरी कर साधु बने हर्षवर्धन विराजेंगे

कैवल्यधाम में इस बार उपाध्याय द्वय अध्यात्म योगी महेंद्र सागर महाराज और युवा मनीषी मनीष सागर महाराज का चातुर्मास होने जा रहा है। इनके काफिले में एक युवा साधु हैं हर्षवर्धन सागर महाराज साहब। ये भी मूलत: रायपुर के हैं। शैलेंद्र नगर में रहने वाले नरेंद्र ललवानी और वर्षा ललवानी के पुत्र हैं। सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद गीतेश ललवानी ने 2021 में 27 साल की उम्र में दीक्षा ली। पहला चातुर्मास दिल्ली में हुआ। पिछले साल नागपुर में और इस साल अपनी जन्मभूमि रायपुर के करीब विचक्षण विद्यापीठ में चातुर्मास करने जा रहे हैं।

रायपुर की खुशबू 8 साल बाद साध्वी चिंतननिधिश्री बन लौटीं

विवेकानंद नगर में विराजमान होने जा रही साध्वियों में भी रायपुर की एक बेटी हैं। चिंतननिधि श्रीजी की सांसारिक नाम खुशबू बैद है। वे मंगलचंद-पुष्पा देवी बैद की पुत्री हैं। हर्ष बैद भाई और बहन प्रियंका बैद हैं। 8 साल पहले 2016 में उन्होंने बड़ौदा में दीक्षा ली थी। इसके बाद पहली बार रायपुर लौट रहीं हैं। इस तरह एक ही जिनालय में शहर के 2 बेटे-बेटी साधु-साध्वी के रूप में विराजमान होने जा रहे हैं। इन्हें देखने और सुनने के लिए समाज काफी उत्साहित है।

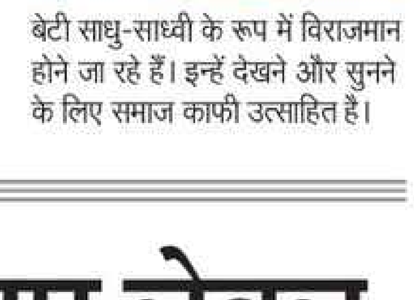

आंबेडकर के सोनोग्राफी लैब में महिला गार्ड ने की खुदकुशी

रायपुर@ पत्रिका. अंबेडकर अस्पताल की एक महिला सिक्योरिटी गार्ड ने अपने परिचित के युवक को वीडियो कॉल किया। उसे दिखाते हुए फंदा लगाया और फिर उसमें झूल गई। युवक ने तत्काल अस्पताल के कर्मचारियों को सूचना दी। पुलिस और कर्मचारी मौके पर पहुंचे, तो महिला की फांसी पर लटकने से मौत हो चुकी थी। खुदकुशी के कारणों का कुछ पता नहीं चल पाया है। मौदहापारा पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक खुटेरी निवासी शकिला अंबेडकर अस्पताल में महिला सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करती थी।

नया रिसर्च एनआईटी रायपुर के प्रोफेसर ने डेवलप किया टेस्ट स्ट्रिप

ब्लड से नहीं, अब यूरिन से पता चलेगा शुगर लेवल

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. डायबिटीज के मामले में हमारा देश दुनिया की राजधानी माना जाता है। एनआईटी में इससे जुड़ा एक रिसर्च सामने आया है, जिसके मुताबिक शुगर लेवल नापने के लिए ब्लड सैम्पल लेना नहीं पड़ेगा बल्कि यूरिन से ही पता चल जाएगा। यह खोज केमिस्ट्री डिपार्टमेंट के एसोसिएट प्रोफेसर कफील अहमद सिद्दीकी और उनके पीएचडी छात्र विभव शुक्ला ने की हैं। उन्होंने एक ऐसी टेस्ट स्ट्रिप डेवलप किया हैं, जो बॉडी में यूरिन के जरिए से शुगर लेवल की जांच कर सकती है। यह इनोवेशन ग्लूकोज मॉनिटरिंग के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। खासतौर पर उन लोगों के लिए जो ब्लड टेस्ट से डरते हैं।

प्रोफेसर कफील अहमद सिद्दीकी

2045 तक 700 मिलियन डायबिटिक

प्रोफेसर कफील ने बताया, पारंपरिक रूप से, ग्लूकोज स्तर को डायबिटीज जैसी बीमारी की जांच के लिए ब्लड सैंपल लेकर मापा जाता है। हालांकि, उच्च रक्त ग्लूकोज स्तर ग्लाइकोसुरिया का कारण बन सकता है, जहां ग्लूकोज यूरिन में चला जाता है। सामान्यत:, यूरिन में ग्लूकोज स्तर नगण्य या अनुपस्थित होते हैं, लेकिन जब यह मौजूद होता है, तो यह अक्सर डायबिटीज या अन्य मेटाबोलिक समस्याओं को दर्शाता है। हाई शुगर या हाइपरग्लाइसीमिया, अगर नियंत्रित नहीं किया गया तो, गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का सामना करना पड़ सकता है, जिससे किडनी, नसें, दिल और रक्त वाहिकाओं सहित अंग प्रभावित हो सकते हैं। इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन के अनुसार, 2019 में लगभग 463 मिलियन वयस्क डायबिटीज से पीड़ित थे, और यह संख्या 2045 तक 700 मिलियन तक पहुंचने की आशंका है।

मटेरियल्स टुडे केमिस्ट्री में पब्लिश

प्रो. सिद्दीकी और उनकी टीम ने अपने अनुसंधान में आयरन डोप्ड जिंक-बेस्ड मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क का उपयोग किया, जिसमें उन्होंने क्रिएटिनिन, क्रिएटिन, यूरिया, ग्लूकोज आदि सहित यूरिन के विभिन्न घटकों का परीक्षण किया। सिद्दीकी ने कहा, मेरा लक्ष्य ऐसी टेस्ट स्ट्रिप्स बनाना है जो सस्ती और आसानी से उपलब्ध हो, जैसे कि गर्भावस्था परीक्षण स्ट्रिप्स। आम लोग अपने घर में बिना किसी इंजेक्शन या रक्त के अपने शुगर स्तर की सही जांच यूरिन के माध्यम से कर सकें। यह शोध कार्य 'मटेरियल्स टुडे केमिस्ट्री' में प्रकाशित हुआ है।

मोदी 3.0 में शिवराज सहित प्रदेश के तीन नए चेहरे... दो ओबीसी, दो आदिवासी और एक दलित चेहरे से साधे हृदय प्रदेश के समीकरण

मध्यप्रदेश महाविजय को मोदी का रिटर्न गिफ्ट

भोपाल@पत्रिका. लोकसभा चुनाव में भाजपा की महाविजय से मध्यप्रदेश का कद बढ़ा है। परफेक्ट 29-0 की जीत का पीएम मोदी ने पांच चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल कर रिटर्न गिफ्ट दिया, यह प्रदेश की कुल सीटों का 17% है। इसके गहरे संकेत भी हैं। सबसे ज्यादा फायदे में मध्यक्षेत्र है। यहां से शिवराज सिंह विदिशा और दुर्गादास उइके बैतूल से मंत्री बनाए गए हैं। चंबल-ग्वालियर से ज्योतिरादित्य सिंधिया, बुंदेलखंड से वीरेंद्र कुमार और मालवा से सावित्री ठाकुर को कैबिनेट में जगह मिली है। तीन चेहरे पहली बार केंद्र की राजनीति में आए हैं। सिंधिया, वीरेंद्र पहले भी मंत्री रहे हैं, लेकिन विंध्य और महाकोशल का कोटा अब भी खाली है जो खटकने वाली बात हो सकती है। इन चेहरों से प्रदेश सरकार को नई मजबूती मिलेगी। शिवराज और सिंधिया के रूप में केंद्रीय मदद और प्रदेश की भूमिका और पुख्ता होगी।

सबसे ज्यादा चर्चा शिवराज की है। चार बार के मुख्यमंत्री और विदिशा से पांचवीं बार सांसद बने शिवराज 2023 में पांचवीं बार मुख्यमंत्री की दावेदारी में पिछड़ गए थे। अब उनकी केंद्रीय भूमिका में वापसी हुई है। वे पहली बार केंद्र में मंत्री हैं, लेकिन जिस तरह का प्रशासनिक अनुभव और प्रदेश की राजनीति में उनकी पकड़ है, उससे प्रदेश को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। वे बेहतर तरीके से राज्य के विकास के लिए पैरवी कर सकेंगे और भूमिका अदा कर सकेंगे। ज्योतिरादित्य सिंधिया का गुना सीट से बड़ी जीत के साथ बड़ा मलाल भी दूर हो गया है। अब वे लोकसभा के जरिए केंद्र की राजनीति में स्थापित होने जा रहे हैं। राज्यसभा में रहते हुए भी मोदी कैबिनेट में रहे, लेकिन ताकतवर नरेंद्र सिंह तोमर के चलते वे दूसरे नंबर पर ही रहे। तोमर के राज्य की राजनीति में सक्रिय होने और विधानसभा अध्यक्ष बनने के बाद अब सिंधिया चंबल-ग्वालियर में केंद्रीय राजनीति का स्थाई चेहरा बनने की ओर बढ़ रहे हैं।

भोपाल. शिवराज के बंगले पर कार्यकर्ताओं सहित आम लोगों ने जश्न मनाया।

सोशल इंजीनियरिंग

मोदी और भाजपा ने सोशल इंजीनियरिंग का फॉर्मूला अपनाया है। दो ओबीसी शिवराज, सिंधिया और दो आदिवासी चेहरों सावित्री और दुर्गादास के साथ एक दलित चेहरा वीरेंद्र के रूप में केंद्रीय कैबिनेट में हैं। सोशल इंजीनियरिंग, सूबे की राजनीति को साधने के चक्कर में ओबीसी के कई चेहरे पिछड़ गए। सामान्य चेहरा भी गायब है। हालांकि ज्यादातर सामान्य वर्ग के सांसद पहली बार ही जीते हैं। फिलहाल अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन को ही महत्व दिया गया है।

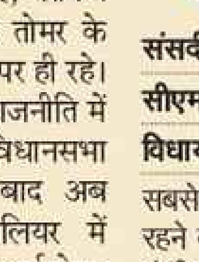
शिवराज सिंह चौहान
सूबे की राजनीति में ओबीसी का बड़ा चेहरा

संसदीय सीट: विदिशा
सीएम: 4 बार, **सांसद:** 6 बार
विधायक: 6 बार

सबसे लंबे समय तक सीएम रहने वाले शिवराज सिंह अब मोदी कैबिनेट में बड़ा ओबीसी चेहरा होंगे। शिवराज ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत 1972 में संघ से की थी। बाद में उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, भाजयुमो राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और सीएम सहित कई जिम्मेदारियां संभालीं। शिवराज को सत्ता और संगठन में काम का अनुभव है।

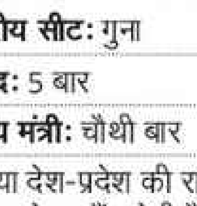
ज्योतिरादित्य सिंधिया
कांग्रेस में रहते हुए भी केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं

संसदीय सीट: गुना
सांसद: 5 बार
केंद्रीय मंत्री: चौथी बार

सिंधिया देश-प्रदेश की राजनीति का बड़ा चेहरा हैं। मोदी कैबिनेट में पहली बार 2021 में शामिल हुए थे। उससे पहले भी सिंधिया का राजनीतिक अनुभव लंबा है। 2007 में संचार और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री, 2009 में वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री बने। 2020 में कमलनाथ सरकार गिराकर भाजपा में गए। सिंधिया का नाम युवा और ऊर्जावान चेहरों में गिना जाता है।

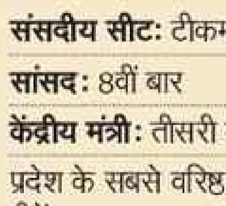
डॉ. वीरेंद्र कुमार
बुंदेलखंड में एससी वर्ग का चेहरा और वरिष्ठ सांसद

संसदीय सीट: टीकमगढ़
सांसद: 8वीं बार
केंद्रीय मंत्री: तीसरी बार

प्रदेश के सबसे वरिष्ठ सांसदों में वीरेंद्र कुमार का नाम है। वे आठवीं बार सांसद बने हैं। चार बार सागर से और चार बार टीकमगढ़ से चुनाव जीते। शांत स्वभाव और सादगी के कारण जनता के बीच लोकप्रिय हैं। खटीक एबीवीपी से लेकर भाजयुमो और राज्य की विभिन्न समितियों में रह चुके हैं। जातिगत समीकरण साधने के लिहाज से कैबिनेट में जगह बरकरार।

जो पिछड़े उनके लिए खुला रहेगा मौका

फग्गन सिंह कुलस्ते: मंडला सांसद कुलस्ते को भाजपा लंबे समय से आदिवासी चेहरे के रूप में प्रोजेक्ट करती रही है। 2023 का विस चुनाव हार चुके कुलस्ते को लोस चुनाव लड़ाया गया। वे जीते। प्रदेशव्यापी असर नहीं होने के कारण उइके और सावित्री को कैबिनेट में जगह दी गई।

गणेश सिंह: सतना से 5वीं बार लोस चुनाव जीते गणेश के नंबर विस चुनाव में हार के कारण कम हो गए थे। पार्टी ने लोस का टिकट तो दिया पर उनकी आगे की राह मुश्किल में घिर गई। शिवराज और सिंधिया दो बड़े ओबीसी चेहरों का भी उन्हें नुकसान उठाना पड़ा।

वीडी शर्मा: भाजपा का शुभंकर माने जाने वाले वीडी दूसरी बार लोकसभा पहुंचे हैं। निकाय, पंचायत, विधानसभा और फिर लोकसभा में बड़ी जीत दिलाने में प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर शर्मा को रिटर्न गिफ्ट की उम्मीद थी। पर लगता है उनके लिए दूसरी भूमिका तैयार हो रही है।

संघर्ष की कहानी...

गांव से चार किमी दूर पैदल स्कूल जाती थीं सावित्री, एसटीडी बूथ भी चलाया

धार में समर्थकों ने खुशी जाहिर की।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

धार. संघर्ष में ही तप कर सोना कुंदन बनता है। राजनीति में कब किस नेता की किस्मत बदल जाए, कहा नहीं जा सकता। ऐसा ही संयोग जुड़ा है धार सांसद सावित्री ठाकुर के साथ। धरमपुरी तहसील में छोटा सा गांव है कालीकिराय (तारापुर)। यहां सावित्री का जन्म किसान परिवार में हुआ। परिवार में राजनीति से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं था। गांव में सरकारी स्कूल नहीं था। लिहाजा सावित्री रोजाना चार किमी दूर पैदल चलकर तारापुर पढ़ने जाती थीं। आठवीं तक पढ़ाई के बाद हायर सेकंडरी धामनोद से की। कालीबावड़ी में कुछ समय तक एसटीडी बूथ चलाया। ठाकुर के पिता अंतरसिंह दरबार वन विभाग में कर्मचारी थे। परिवार में पति तुकाराम खेती करते हैं। उनके दो बेटे हैं।

समाजसेवा करने के मकसद से सावित्री एक एनजीओ से जुड़ीं। धार, बड़वानी और खंडवा जिले के कई गांवों में आदिवासी, गरीब और अशिक्षित महिलाओं के उत्थान के लिए काम किया। सावित्री को राजनीति में लाने का श्रेय उस समय के धरमपुरी विधायक जगदीश मुवेल और तत्कालीन पार्टी जिलाध्यक्ष विनोद शर्मा को जाता है। उन्होंने काबिलियत को समझा और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

राजनीतिक सफर
जन्म: 1 जून 1978
शिक्षा: हायर सेकंडरी
2003: जिला पंचायत सदस्य
2004: जिला पंचायत अध्यक्ष
2010: भाजपा जिला उपाध्यक्ष
2013: कृषि उपज मंडी धामनोद में डायरेक्टर
2014: पहली बार सांसद निर्वाचित
2017: भाजपा राष्ट्रीय किसान मोर्चा उपाध्यक्ष

कद्दावर नेता को हराया

ठाकुर ने 2003 में राजनीति में कदम रखा। जिपं सदस्य के लिए धरमपुरी वार्ड 27 से चुनाव लड़ा। तब उन्होंने अनारक्षित सीट पर जीत दर्ज की। कांग्रेस के कद्दावर नेता गोवर्धन मुकाती को शिकस्त दी। अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस के दो गुटों की लड़ाई चली और बाजी सावित्री के हाथ लग गई। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता उमंग सिंघार को हराया। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में सावित्री ने 2 लाख 18 हजार 665 वोटों से जीत दर्ज की।

केंद्रीय कैबिनेट में मप्र से कौन कब रहा

मनमोहन कैबिनेट

सितंबर 2004- (पीएम सहित 66) कमलनाथ, सुरेश पचौरी और कांतिलाल भूरिया। (मप्र से तीन)।

जून 2009: (पीएम सहित 78)- कमलनाथ, कांतिलाल भूरिया, सिंधिया, अरुण यादव (ये कुछ समय बाद हट गए थे)

मोदी कैबिनेट

मई 2014- (पीएम सहित 46) सुषमा स्वराज, उमा भारती, नरेंद्र सिंह तोमर, थावरचंद गेहलोत, धर्मेंद्र प्रधान।

मई 2018- (पीएम सहित 74) सुषमा स्वराज, नरेंद्र सिंह तोमर, उमा भारती, थावरचंद गेहलोत और वीरेंद्र खटीक।

जून 2019- (पीएम सहित 58) नरेंद्र सिंह तोमर, थावरचंद गेहलोत, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह।

जुलाई 2021- (पीएम सहित 78) तोमर, सिंधिया, कुलस्ते, प्रहलाद पटेल।

जून 2024- शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, सावित्री ठाकुर, डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक और दुर्गादास उइके।

आरएसएस से जुड़ाव

सरकारी स्कूल में शिक्षक थे उइके, अब केंद्र सरकार में मंत्री पद तक पहुंचे

डीडी के परिजन ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बैतूल. दूसरी बार के सांसद दुर्गादास उइके को पीएम मोदी के मंत्रिमंडल में जगह मिली है। इसके साथ ही उइके ने 20 का बैतूल लोकसभा सीट का सूखा खत्म कर दिया। पहली बार 1994 में बैतूल से सांसद असलम शेर खान को प्रधानमंत्री नरसिंहराव मंत्रिमंडल में राज्यमंत्री बनाया गया था।

मुलताई तहसील के एक छोटे से गांव मीरापुर के आदिवासी शिक्षक परिवार में उइके का जन्म हुआ था। राजनीति से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं था। सांसद उइके के अनुसार समाजसेवा करना मकसद था इसलिए गायत्री परिवार से जुड़ गए। जिलों में जागरूकता को लेकर काम किया। इसी दौरान आरएसएस से जुड़ गए। भाजपा ने 2019 में पहली बार लोकसभा प्रत्याशी बनाया था। आदिवासी नेता उइके राजनीति में उतरने से पहले सरकारी शिक्षक थे।

राजनीतिक सफर
जन्म: 29 अक्टूबर 1963
शिक्षा: एमए समाज शास्त्र से
1984: से गायत्री परिवार और वर्ष 2000 से आरएसएस से जुड़े हुए हैं।
2019: भाजपा ने उन्हें लोकसभा प्रत्याशी बनाया। कांग्रेस के रामू टेकाम को 3.60 लाख वोटों से हराया।
2024: रामू को रिकॉर्ड 3.79 लाख वोट से हराया।

इसलिए चर्चा में आए थे दुर्गादास

8 फरवरी 2018 को पुलिस मैदान पर हुए विराट हिन्दू सम्मेलन में सर संचालक मोहन भागवत के मंच का संचालन डीडी उइके ने किया था। वर्ष 2019 में पहली बाद सांसद बनने पर 17 जून 2019 को लोकसभा में शपथ संस्कृत में ली थी।

सांसद उइके मूलतः मुलताई तहसील के अंतर्गत ग्राम मीरापुर के रहने वाले हैं। उइके के पिता सूरतलाल उइके शिक्षक थे। उइके का बचपन बासनेर खुर्द विजयग्राम भैंसदेही में गुजरा। प्रारंभिक शिक्षा चोहटा पोपटी कुनखेड़ी भीमपुर में हुई। एमए समाज शास्त्र से जेएच कॉलेज में की। बीएड खंडवा जिले से किया। डीडी 30 वर्ष तक शिक्षक रहे। डीडी का एक बेटा और दो बेटी हैं। पत्नी ममता उइके गृहिणी हैं। वर्ष 1984 से गायत्री परिवार और वर्ष 2000 से आरएसएस से जुड़े हुए हैं।

मध्यप्रदेश पर आगे क्या असर

मोदी कैबिनेट में पांच मंत्रियों के जाने का असर मप्र पर भी दिखेगा। सबसे बड़ा असर ये रहेगा कि करीब 18 वर्ष तक सीएम रहने वाले शिवराज सिंह अब केंद्रीय मंत्री रहेंगे। मप्र से उनका लगाव है। इसके चलते मप्र को उनके विभागों में अतिरिक्त फायदा मिल पाएगा। इसी तरह सिंधिया के मामले में है। वे मोदी कैबिनेट के सबसे सक्रिय सदस्यों में एक रहे हैं। आदिवासी महिला के तौर पर सावित्री ठाकुर को जगह मिली है, जिनसे अब मालवा क्षेत्र को विशेष उम्मीद रहेगी। मोहन सरकार तेजी से काम कर सकेगी।

वीडी के लिए अगली भूमिका: प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा मोदी कैबिनेट में जगह नहीं पा सके। वीडी को अध्यक्ष पद पर चार साल हो चुके हैं। उनके संगठन व चुनाव में लगातार अच्छे परफॉर्मेंस के कारण माना जा रहा था कि मोदी कैबिनेट में जगह मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में वीडी के लिए संगठन में कोई बड़ी भूमिका देखी जा सकती है। एक यह विकल्प हो सकता है कि वीडी को अभी निरंतर किया जाए। भविष्य के लिए वीडी की भूमिका को लेकर कोई अन्य रास्ता अपनाया जा सकता है।

मंत्री सारंग के बंगले पर युवक कांग्रेस का प्रदर्शन

भोपाल @ पत्रिका. नर्सिंग घोटाले में भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी की मांग को लेकर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को मंत्री विश्वास सारंग के बंगले का घेराव किया। प्रदर्शन करने जा रहे कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इसके बाद वाटर कैनन चलाकर खदेड़ा। इस दौरान युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह सहित 50 से ज्यादा को गिरफ्तार किया गया। दोपहर करीब 1 बजे न्यू मार्केट स्थित नानके पेट्रोल पंप के पास युकां ने प्रदर्शन शुरू किया। इसमें प्रदेशभर से करीब 500 कार्यकर्ता शामिल हुए। करीब दो घंटे प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ता बंगले की ओर बढ़े तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया।

विपरीत हालात में भी कांग्रेस ने भाजपा को दी टक्कर

जीतू ही रहेंगे प्रदेश कांग्रेस के 'पटवारी'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. लोकसभा चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस की करारी हार की जिम्मेदारी लेने वाले प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने भरोसा जताया है। नई ऊर्जा के साथ काम करने को कहा है। पार्टी उनके परफॉर्मेंस से संतुष्ट है। इसी के साथ पटवारी को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा गया। संगठन में उन लोगों को भी संदेश है कि जो पार्टी निर्णय के खिलाफ मुखर होने की कोशिश कर रहे हैं।

जीतू को मप्र की कमान उस दौरान मिली जब यहां सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल होने के बावजूद कांग्रेस विधानसभा चुनाव हार गई। भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला। कार्यकर्ता निराश थे। ऐसे समय में पटवारी को प्रदेश कांग्रेस की कमान मिली।

कार्यकर्ताओं को एकजुट करने, उन्हें प्रोत्साहित करने के प्रयास हो रहे थे कि लोकसभा चुनाव घोषित हो गए। ऐसे में पटवारी को ज्यादा समय नहीं मिला। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस के पक्ष में नहीं आने के बावजूद कांग्रेस को लगभग 32.44 प्रतिशत वोट मिले हैं। वहीं 8 लोकसभा क्षेत्रों में कांग्रेस को 40 प्रतिशत से अधिक वोट मिले हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में कांग्रेस को 34.50 प्रतिशत वोट हासिल हुए थे, इस बार 2 प्रतिशत वोट ही कम मिले हैं।

वरिष्ठ नेताओं के साथ छोड़ने से नुकसान

बीच चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के भाजपा में जाने की खबरों का कार्यकर्ताओं पर असर पड़ा। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, कांग्रेस के कुछ विधायकों सहित कई अन्य नेताओं ने भाजपा का दामन थामा। कार्यकर्ता भी खेमे में बंट गए। भाजपा के दबाव और लालच के कारण भी कई नेताओं ने पाला बदला।

ये भी रहे हार के कारण

पार्टी का जमीनी संगठन निष्क्रिय था। कार्यकर्ताओं में हताशा का भाव था।
भाजपा का धनबल और संगठन कांग्रेस के मुकाबले ज्यादा मजबूत था।
कांग्रेस को कई स्तर पर बदलाव की जरूरत थी, लेकिन चुनाव के समय बदलाव से विवाद हो सकते थे। ऐसे में कमजोर संगठन के साथ ही आगे बढ़ना जीतू की मजबूरी थी।

बम के खिलाफ याचिका पर मिश्रा के हुए बयान

भोपाल. चुनाव में ऐन मौके पर पाला बदलकर कांग्रेस से भाजपा में गए अक्षय बम के खिलाफ याचिका दाखिल करने वाले कांग्रेस नेता केके मिश्रा के रविवार को बयान हुए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मीडिया सलाहकार केके मिश्रा ने इंदौर की जिला अदालत में याचिका लगाई थी कि बम ने पार्टी के साथ धोखाधड़ी की है। इससे इंदौर सीट से कांग्रेस का कोई उम्मीदवार नहीं रहा। यह उन वोटर के साथ भी गलत हुआ तो कांग्रेस को वोट करना चाहते थे। अगली सुनवाई 19 जून को होगी।

जल- गंगा संवर्धन अभियान | **नेमावर में की घोषणा, पत्रिका ने उठाया था मुद्दा**

सीएम बोले- पांच लड्डू स्थल को किया जाएगा संरक्षित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

देवास/नेमावर. सीएम डॉ. मोहन यादव रविवार सुबह मां नर्मदा के नाभिस्थल नेमावर पहुंचे। साफ-सफाई अभियान में भाग लिया। इस दौरान खातेगांव विधायक आशीष शर्मा ने बताया कि ग्राम तुरनाल में नर्मदा तट पर भगवान परशुराम ने माता-पिता का पिंडदान किया था। वह स्थान पांच लड्डू के नाम से जाना जाता है। हंडिया बैराज बनने से यह स्थान डूब क्षेत्र में आ रहा है।

इस पर सीएम ने कहा कि पांच लड्डू स्थान को विकसित कर अद्भुत बनाया जाएगा। उद्योग भी लगाए जाएंगे। प्रदेश में गोशालाओं को विकसित करने के लिए भी राशि दी जाएगी। नेमावर में नर्मदा तट स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। ज्ञात रहे कि पांच लड्डू स्थान के डूब क्षेत्र में आने को लेकर पत्रिका ने 13 मई को खबर प्रकाशित कर संबंधितों का ध्यान आकृष्ट कराया था और फिर मामला सीएम के संज्ञान में लाया गया।

घाट पर की सफाई

सीएम ने मां नर्मदा के घाट पर साफ-सफाई की। संतों का सम्मान किया। देवास जिले में लगभग 5.65 करोड़ से करीब 3078 जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। नगरीय क्षेत्र में लगभग 1.78 करोड़ से 650 संचनाओं पर और करीब 1.68 करोड़ से 2400 जल संरचनाओं का गहरीकरण, साफ-सफाई की जा रही है।

स्वाभिमान के साथ जीये महाराणा

शुजालपुर. महाराणा प्रताप की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन जितना पढ़ा जाए उतना कम है। महाराणा प्रताप जीते जी किवदंती बन गए। वे जब 76 किलो का कवच 80 किलो का भाला और 2 तलवार लेकर युद्ध में उतरते थे तो उनके सामने मुकाबला करने से हर कोई दुश्मन कतराता था।

पत्रिका सवाल आपका, जवाब हमारा

'सवाल आपका, जवाब हमारा' कॉलम के तहत जागरूक पाठकों के सवालों पर **पत्रिका** ने **वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक गिरिजाशंकर** से जवाब तलाशे। रविवार को हमारे पास कई पाठकों ने अपने सवाल पहुंचाए। हमने आपके सवालों के जवाब टटोले। पेश है कुछ रोचक सवालों पर विशेषज्ञ के जवाब...

Q पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह लगातार दूसरी बार लोकसभा चुनाव हार गए। पूर्व सीएम कमलनाथ के बेटे नकुल भी अपना गढ़ बचाने में नाकाम रहे। अब इनका राजनीतिक भविष्य क्या होगा?
–जितेंद्र प्रसाद, जबलपुर

A दोनों नेता कांग्रेस के वरिष्ठतम और अनुभवी नेता हैं। चुनाव में जब देश में कांग्रेस की बेहतरीन वापसी हुई, तब इन नेताओं की पराजय इनके आगे की राजनीतिक यात्रा के प्रति उत्सुकता पैदा करती है। पत्रकार और राजनेता कभी रिटायर नहीं होता। इन नेताओं पर भी यह बात लागू होती है। दोनों पूर्व मुख्यमंत्री हैं इसलिए नियमानुसार कैबिनेट मंत्री के समकक्ष सुविधाएं व लाभ इन्हें आजीवन मिलते रहेंगे। दिग्विजय राज्यसभा के सदस्य हैं। कार्यकाल दो वर्ष शेष है। जहां तक राजनीतिक भूमिका या भविष्य का सवाल है तो इंडिया गठबंधन में इनकी कोई भूमिका नहीं रही। आगे भी गठबंधन में इनकी कोई भूमिका नहीं देखता। कांग्रेस हो या इंडिया गठबंधन, यह नई पीढ़ी की राजनीति का दौर है। इस राजनीति के साथ ये दोनों नेता जैसा समन्वय बना पाएंगे, उसी के अनुरूप इनकी भूमिका रहेगी। उम्र के चलते चुनावी राजनीति में मैं अब इनका कोई भविष्य नहीं देखता।

Q क्या नई सरकार पुरानी पेंशन पर विचार करेगी?
–साजिद अली, इंदौर

A भाजपा या एनडीए के किसी भी दल ने यह मुद्दा न चुनाव के दौरान उठाया और न अब इसकी कोई चर्चा है।

Q कई लोग मतदान नहीं करते। क्या इसके लिए मोदी सरकार को कोई कानून बनाना चाहिए?
–कमलेश राठौर, सुसनेर

A हर काम कानून बनाकर नहीं कराया जा सकता। राजनीतिक दलों व चुनाव आयोग को ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे लोग मतदान करने के लिए आगे आएं।

यदि आप भी आम चुनाव से जुड़ी किसी जिज्ञासा पर समाधान चाहते हैं तो, 'सवाल आपका, जवाब हमारा' कॉलम से जुड़ें। अपने सवाल पहुंचाने के लिए नीचे दिए नंबर का उपयोग करें।

सवाल 9425409224 पर वाट्सऐप करें

भारतीय आध्यात्म, संस्कृति, समृद्धि व सौहार्द की सनातन स्त्रोत मां गंगा का अवतरण दिवस गंगा दशहरा 16 जून को मनाया जाएगा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन मां गंगा का स्वर्ग से धरती पर अवतरण हुआ था।

निजी रेस्त्रां के सीवर टैंक में घुसते ही तीन मजदूरों की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मथुरा. वृन्दावन कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत प्रेम मंदिर के सामने एक निजी रेस्त्रां के सीवर टैंक में प्रवेश करते ही तीन मजदूरों की मौत हो गई। उन्हे टैंक से बाहर निकालकर सौ शैया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना पर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि मजदूरों की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। मृत मजदूरों के परिवारीजनों को आर्थिक मदद देने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मृतक मजदूरों की पहचान अमित गुप्ता पुत्र शिवानन्द, प्रिंस पुत्र अवधेश निवासी बलिया एवं श्याम पुत्र राजपाल निवासी मथुरा के रूप में की गई है। प्रथम दृष्ट्या मौत का कारण सीवर टैंक की गैस के कारण होने की आशंका है।

न्यूज विंडो

पेड़ से टकराई बाइक, दो की मौतः बस्ती @ पत्रिका. जिले के वाल्टरगंज क्षेत्र में शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार बाइक के पेड़ से टकराने से दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गनेशपुर दर्शन नगर वार्ड निवासी अरविंद कुमार, महेंद्र, संदीप व शालू एक ही बाइक पर सवार होकर गांव के सिवान में मैच खेलने जा रहे थे। वे सियरहवा गांव के पास पहुंचे ही थे कि अचानक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में चारों युवक घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बीच रास्ते में अरविंद ने दम तोड़ दिया।

तेंदुए के शावक का शव बरामदः बहराइच @ पत्रिका. जनपद में कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के जंगल में रविवार को एक तेंदुए के शावक का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मोतीपुर रेंज के राजा पुर बीट के बन घुसरी गांव के पास जंगल से सटे खेत में तेंदुए के शावक का शव ग्रामीणों ने देखा। सूचना पर वनकर्मी मौके पर पहुंचे। उप प्रभागीय वनाधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि तेंदुए के शावक की मौत आपसी संघर्ष में हुई है। तेंदुआ के शावक की उम्र आठ से नौ माह के करीब है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रेंज कार्यालय लाया गया है, जहां पोस्टमार्टम होगा, जिससे ये साफ होगा की मौत की वजह क्या है।

ऑटो चालक की चाकू मार कर हत्याः जौनपुर @ पत्रिका. नेवढ़िया थाना क्षेत्र में सलारपुर घमहापुर गांव के पास एक ऑटो रिक्शा चालक की सूनसान स्थान पर अज्ञात बदमाशों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार मडियाहू थाना क्षेत्र के बारी गांव निवासी ब्रह्मानंद प्रजापति (55) ऑटो रिक्शा चलाकर अपने परिवार का जीवकोपार्जन करता था। रोज की तरह जब वह नेवढ़िया थाना क्षेत्र के सलारपुर घमहापुर में पहुंचा, तो एक सूनसान स्थान पर अज्ञात बदमाशों ने उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी। घटनास्थल से 20 फीट दूर उसकी ऑटो खड़ी हुई थी, मृतक की जेब में मिले मोबाइल फोन से उसकी पहचान की गई।

स्वामी हरिदास ने 500 वर्ष पहले की थी फूल बंगले की शुरुआत

ब्रज के मंदिरों में फूल बंगला बनाने की मची है होड़

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मथुरा. ठाकुर जी को भीषण गर्मी से निजात दिलाने के लिए ब्रज के मंदिरों में इन दिनों फूल बंगला बनाने की होड़ सी लगी हुई है। फूल बंगले की शुरूआत लगभग 500 वर्ष पहले स्वामी हरिदास ने की थी। वे जंगल से तरह-तरह के फूल चुनकर लाते थे और फिर उनसे ठाकुर का अनूठा श्रृंगार करते थे। धीरे धीरे यह परंपरा अन्य मंदिरों में विशेषकर सप्त देवालयों में भी शुरू हुई और राधारमण मंदिर के विग्रह को प्रकट करने वाले गोपाल भट्ट गोस्वामी ने इसमें कुछ परिवर्तन किया था और बंगले को और आकर्षक बनाया था।

आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने बताया कि हरिदासीय सम्प्रदाय के 15वें आचार्य गोस्वामी छबीले बल्लभ महराज फूल बंगलों के अनूठे कलाकार थे तथा उन्होंने फूल बंगलों को नए कलेवर में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। बाबा कृष्णानन्द अवधूत, सेठ हरगूलाल बेरीवाला, अर्जुनदास, रामजीलाल, राधाकृष्ण गाडोदिया आदि ने फूल बंगला परंपरा को नया कलेवर दिया। पिछले दो दशक से इसमें और परिवर्तन हुआ और आज ब्रज के मंदिरों में इतने आकर्षक बंगले बनने लगे हैं कि भक्त बंगले में विराजमान ठाकुर को देखकर धन्य हो जाता है। बांके बिहारी मंदिर में पहले तो बंगले केवल जगमोहन तक ही सीमित थे, किंतु धीरे-धीरे सजवाट में चौक को भी शामिल कर लिया गया तथा वर्तमान में ये बंगले मंदिर के बाहर चबूतरे तक बनने लगे हैं। राधारमण मंदिर वृंदावन के सेवायत आचार्य दिनेश चंद्र गोस्वामी ने बताया कि मंदिर में फूल बंगला बनाने में अधिकतर केले के तने के अन्दर के भाग का प्रयोग होता है, जिससे जब इस पर प्रकाश पड़ता है तो बंगला चांदी का सा बना मालूम पड़ता है। आम का मौसम शुरू होते ही इस मंदिर में आम का बंगला बनाने की होड़ सी लग जाती है। बाद में यही आम भक्तों में प्रसाद स्वरूप लुटाए जाते हैं। वर्तमान में मंदिर में आम के बंगले अधिक संख्या में बन रहे हैं। यहां पर भी बंगले के वातावरण को सुगंधित किया जाता है। राधा बल्लभ, राधा दामोदर, गोपीनाथ, मदनमोहन, राधा श्यामसुन्दर के बंगले अपनी अलग पहचान बना चुके हैं।

इन बंगलों को कारीगर बनाते हैं

इन बंगलों को कारीगर बनाते हैं तथा ये दो या तीन मंजिल तक के बनते है। फूलों की लड़ी शीशम या सागवान की लकड़ी पर बने फ्रेम पर लपेटकर बनाई जाती है तथा तीन मंजिल के बंगलों में ऊपर जाने की सीढ़ियां तक बनी होती हैं। बंगला बनाने में केले के पेड़ के कोमल तने का भी प्रयोग किया जाता है। फूल बंगले के माध्यम से कान्हा की लीलाओं बैनीगूंथन, गौचारण, महारास, कालिया मान मर्दन, चीर हरण, गजेन्द्र मोक्ष आदि का निरूपण किया जाता है।

शाहजहांपुर में लूट के इरादे से युवक की गोली मारकर हत्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

शाहजहांपुर. मदनापुर क्षेत्र में शनिवार देर शाम बाइक की किस्त जमा करके घर लौट रहे युवक की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। बदमाश मृतक की बाइक भी लूट कर ले गए।

प्रत्यक्ष दर्शियों का कहना है कि गोविंद सक्सेना बाइक चला रहा था, उसके पीछे दो लोग बैठे थे। गांव से पहले मंदिर के पास युवकों ने बाइक रूकवाई और गोविंद के दो गोली मारी। गोली लगते ही गोविंद बाइक से नीचे गिर गया। गोली मारने वाले दोनों युवक गोविंद की बाइक लेकर फरार हो गए। मृतक के पिता विश्राम ने बताया कि गांव में किसी से कोई रंजिश नहीं है।

सीसीटीवी फुटेज को भी देखा जा रहा

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीना ने बताया कि घटना की सूचना पर मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण किया और मौके पर फील्ड यूनिट को बुलाया गया। घटना के शीघ्र अनावरण के लिए एसपी सिटी संजय कुमार के नेतृत्व में तीन टीमें लगाई गई है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज को भी देखा जा रहा है।

दुर्घटना में यातायात पुलिसकर्मी सहित दो की मौत, चार घायल

ट्रक चालक ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भदोही. जनपद में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। दुर्घटना में ट्रैफिक सिपाही सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए।

अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर तेजवीर सिंह ने बताया कि औराई थाना क्षेत्र के नरथुआ स्थित श्री ढाबा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई।

घटना के बाद ट्रक चालक फरार

घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए तत्काल जिला अस्पताल ज्ञानपुर लाया गया। जहां चिकित्सकों ने मुख्य आरक्षी मनीष यादव (40) पुत्र गयादीन, धीरज (22) पुत्र राजेंद्र सरोज को मृत घोषित कर दिया, जबकि कड़े दिन (65), त्रिभुवन (60), रेनू (45) व उमेश (32) की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया।

बस्ती : पोल्ट्री वैन से लूट करने वाले सात लुटेरे गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बस्ती. जिले में छावनी थाने की पुलिस एवं एसओजी, स्वाट टीम ने पोल्ट्री वैन से लूट करने वाले सात लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि आठ जून को दुर्गा प्रसाद शुक्ल निवासी ग्राम धरौली जनपद अयोध्या ने छावनी थाने में प्रार्थना पत्र देकर कहा था कि मेरी पोल्ट्री वाहन से तीन अज्ञात बदमाशों द्वारा मेरे ड्राइवर को स्कार्पियों से ओवर टैंक करके गाड़ी में बैठा लिया और पिकअप लेकर फरार हो गए, जिसमें 01 हजार 324 मुर्गे थे।

लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई। छावनी थाने की पुलिस एवं एसओजी, स्वाट टीम द्वारा सात लुटेरों बबलू अहमद, विजेन्द्र तिवारी, रिजवान उर्फ राजू, हैदर अली, मोहम्मद अफसर, संतोष कुमार तथा इस्लाम अहमद को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक पिकप गाड़ी, एक स्कार्पियों, एक बोलेरो, एक पिकप गाड़ी तथा एक देशी पिस्तौल, दो जिन्दा कारतूस और 40 हजार रुपए नगद बरामद किए हैं। इनके दो साथी मौके से फरार हो गए हैं।

उनकी गिरफ्तार के लिए पुलिस टीम प्रयास कर रही है। इनके विरूद्ध आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके जेल भेज दिया गया है। अपराधियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को 15 हजार रुपए का पुरस्कार प्रदान किया गया है।

कुएं में डूबे दो किशोर एक की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

झांसी. नवाबाद थानाक्षेत्र के मढ़िया महादेव मंदिर परिसर के पीछे बने कुएं में रविवार को नहाने गए दो किशोर पानी में डूब गए, जिसमें से एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। छनियापुरा मोहल्ला निवासी दो दोस्त आसिफ और कामरान तेज गर्मी में कुछ राहत पाने के लिए कुंए में नहाने आए थे, लेकिन नहाने के दौरान डूबने लगे। उनकी चीखने की आवाजें सुनकर आस पास के लोग आए और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने बचाव अभियान शुरू किया, लेकिन गहराई ज्यादा होने के कारण मुश्किल से आसिफ को बाहर निकाला जा सका, जिसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

ध्रुपद सम्राट पद्मश्री रामकुमार मल्लिक का निधन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दरभंगा. पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित ध्रुपद गायक पंडित राम कुमार मल्लिक का दरभंगा के न्यू बलभद्रपुर स्थित आवास पर निधन हो गया है।

वह 67 वर्ष के थे। दरभंगा जिला के बहेरी प्रखंड के अमता गांव के निवासी मल्लिक को इसी वर्ष राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया था। मल्लिक पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और देर रात उनका निधन हो गया।

स्वर्गीय मल्लिक अपने पीछे पत्नी, चार पुत्र एवं दो पुत्रियों समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

ध्रुपद संगीत में कई रचनाओं का श्रेय प्राप्त

साल 1957 में जन्मे ''पद्म श्री'' पंडित राम कुमार मल्लिक को ध्रुपद संगीत अपने पिता और गुरु विश्व प्रसिद्ध ध्रुपद लीजेंड पंडित विदुर एवं पितामह पंडित सुखदेव मल्लिक से विरासत में मिला था। एक महान गायक होने के अलावा उन्हें ध्रुपद संगीत में कई रचनाओं का श्रेय प्राप्त है। मल्लिक का दाह संस्कार अमता गांव स्थित उनके निजी बगीचे में ही किया गया। मुखाग्नि उनके ज्येष्ट पुत्र संतोष कुमार मल्लिक ने दी। मल्लिक के निधन पर तमाम नेताओं और संगीतकारों ने शोक व्यक्त किया।

बिहार-झारखंड अपडेट
BIHAR-JHARKHAND UPDATE

शांभवी चौधरी बनीं समस्तीपुर की पहली महिला सांसद

जन का आदेश : समस्तीपुर में पहली बार सजा महिला के सिर जीत का ताज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार सरकार में ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी की पुत्री शांभवी चौधरी ने सस्तीपुर (सु) सुरक्षित पर 'शांभवी है तो संभव है' जैसे नारों के बीच शानदार जीत के साथ न सिर्फ अपनी सियासी जीवन की शानदार शुरूआत की, बल्कि वह इस सीट पर पहली महिला सांसद भी बन गई हैं।

जननायक कर्पूरी ठाकुर की जन्मस्थली समस्तीपुर संसदीय सीट से वर्ष 1957 में पहले आम चुनाव से वर्ष 2019 तक के लोकसभा चुनाव में किसी महिला प्रत्याशी के सर जीत का ताज नहीं सजा था। शांभवी चौधरी ने 2024 के आम चुनाव में समस्तीपुर (सु) से पहली महिला सांसद चुने जाने का गौरव हासिल किया। शांभवी चौधरी को राजनीति विरासत में मिली।

लोगों ने मुझे अपने दिल में जगह दी

समस्तीपुर सीट से मिली शानदार जीत पर शांभवी ने कहा, मैं समस्तीपुर के लोगों को अपनी शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने सही फैसला लिया है और मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करूंगी। समस्तीपुर ने मुझे बड़ी जीत दिलाई है और मेरा मानना है कि लोगों ने मुझे अपने दिल में जगह दी है। मैंने कहा था कि मैं यहां बेटी के तौर पर आशीर्वाद लेने आई हूं और आज उन्होंने मुझे अपनी बेटी के तौर पर स्वीकार कि या है। राजनीति में मेरा उद्देश्य है समाज के आखिरी पायदान पर बैठे समाज के लोगों को मुख्यधारा में लाना और अपने लोकसभा क्षेत्र के साथ-साथ राज्य को विकसित बनाना, जिसके लिए मैं लगातार काम करती रहूंगी।

'शांभवी है तो संभव है', 'मोदी है तो मुमकिन है'

इस बार के चुनाव में दरभंगा में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने शांभवी का विशेष उल्लेख करते हुए कहा था कि देश की इस बेटी को अवश्य जीतना चाहिए। शांभवी के प्रचार के दौरान लगाया जाने वाला नारा शांभवी है तो संभव है, मोदी है तो मुमकिन है से बहुत अलग नहीं था। शांभवी चौधरी ने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें हमेशा से राजनीति में रुचि थी।

31 मवेशियों के साथ 5 पशु तस्कर गिरफ्तार

गोपालगंज @ पत्रिका. नगर थाना क्षेत्र से पुलिस ने 31 मवेशियों के साथ पांच पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। जादोपुर मोड़ के समीप पुलिस ने सूचना पर वाहनों की जांच शुरू की। वाहन जांच के दौरान एक बड़े कंटेनर की तलाशी ली, तो उससे 31 मवेशी बरामद किए गए। पुलिस ने पांच पशु तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। तस्करों में मुजफ्फरनगर जिले के मुजेडा मीरपुर गांव निवासी मोहम्मद निसार, राशिद, जोली थाना क्षेत्र के भोया निवासी राशिद, तोसीब, चकफाजलपुर निवासी मोहम्मद आसीम और मुरादाबाद जिले के जटली बादीपुर कुनार की निवासी बाजिद शामिल है। गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ की जा रही है।

कार में आग लगाकर चालक की हत्या के मामले में पांच गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दुमका. जरमुंडी थाना क्षेत्र में पिछले दिनों जमीन विवाद को लेकर स्कार्पियो कार में आग लगाकर चालक की हत्या करने के मामले में पुलिस ने हथियार के साथ पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

दुमका पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने बताया कि 23 मई की रात मामले से संबंध में जरमुंडी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना के शीघ्र उद्भेदन के लिए जरमुंडी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार के नेतृत्व स्पेशल आपरेशन ग्रुप का गठन किया गया। इस टीम ने घटना के शीघ्र उद्भेदन के मद्देनजर त्वरित गति से जांच शुरू की। इसमें एफएसएल टीम की मदद ली गई। एसपी ने बताया कि जरमुंडी थाना क्षेत्र में मृतक मोहन दास के गांव के अरविंद दास, पिंटु दास, राजेन्द्र दास उर्फ राजन दास और तालझारी थाना क्षेत्र के लुसीटांड़ गांव के ललन दास को हिरासत में लेकर पूछताछ और तलाशी ली गई। सभी के पास से एक देसी पिस्तौल, एक देसी कट्टा, घटना में प्रयुक्त दो बाइक और पांच मोबाइल फोन बरामद किया गया।

जमीन विवाद में हत्या

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने जमीन विवाद में मोहन दास की हत्या कर उसके शव के साथ स्कार्पियो में आग लगाने की घटना को अंजाम देने में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। घटना में शामिल सभी आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

आइएसएम पुंदाग में एमबीए और होटल मैनेजमेंट कोर्स शुरू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलोजी के अंतर्गत आईएसएम पुन्दाग रांची को स्नातकोत्तर स्तर पर एमबीए और स्नातक स्तर पर बैचलर इन होटल मैनेजमेन्ट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी व बीबीए का अनुमोदन (मान्यता) एआईसीटीई, भारत सरकार से प्रदान किया गया है। प्रदेश में सत्र 2024-25 में बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नॉलोजी कोर्स के संचालन के लिए आईएसएम पुन्दाग, रांची एआईसीटीई भारत सरकार से मान्यता प्राप्त करने वाला पहला संस्थान बना है। संस्थान के निदेशक डॉ. गंगा प्रसाद सिंह ने बताया कि बीएचएमसीटी कोर्स करने वाले छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा जैसे स्नातकोत्तर , फेलोशिप, डॉक्टरेट एवं संबंधित तकनीकी व प्रबंधकीय हायर कोर्स में भी अपनी पढ़ाई कर सकेंगे।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

गोपालगंज @ पत्रिका. विजयीपुर थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक युवक को देसी कट्टा और दो कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि नौतन मोड़ के समीप से मोटरसाइकिल सवार एक युवक को देशी कट्टा तथा दो कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक की पहचान कोरेया गांव निवासी गोविंद कुमार राजभर के रूप में की गई है। गिरफ्तार युवक से पूछताछ की जा रही है।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

भगवान बिरसा मुंडा को याद कर उनके आदर्शों से प्रेरणा लें : चम्पई सोरेन

रांची @ पत्रिका. धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन एवं मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने रांची के बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान एवं संग्रहालय परिसर कोकर स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल एवं बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने यहां के आदिवासी-मूलवासी के हक, अधिकार एवं अस्मिता की लड़ाई लड़ी। सीएम ने कहा कि राज्य में जो सीएनटी/एसपीटी एक्ट बना है, यह हमारे पूर्वजों का ही देन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दिन हम सभी भगवान बिरसा मुंडा को सहृदय याद करते हैं और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेते हैं।

रबीन्द्रनाथ महतो ने किए श्रद्धासुमन अर्पित

रांची @ पत्रिका. धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने विधानसभा परिसर स्थित उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया और भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित की। महतो ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा महान स्वतंत्रता सेनानी थे। हमें गर्व है कि हम उसी राज्य के रैयत है, जहां उनका जन्म हुआ। महान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर मैं समस्त झारखंड वासियों एवं झारखण्ड विधानसभा की ओर से उन्हें नमन करता हूं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस 'प्रज्ञान' में जुटे देश भर के सीए

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिपोर्ट बनाएगा, एनालिसिस करेंगे सीए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. पूरी दुनिया में एआइ को लेकर चर्चा है। कहा जा रहा है कि एआइ की वजह से कई जॉब खत्म हो जाएंगे। लेकिन इससे उलट देशभर से जुटे करीब 600 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) इस आशंका को नकारते हैं। उनका कहना है कि एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से अब ऑडिट और अकाउंटेंट की रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होगी। रिपोर्ट का एनालिसिस और एक्शन का काम सीए जल्द कर सकेगा। यह काम एआइ नहीं कर सकता। इससे सीए के पास अब और काम आएगा। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की सबसे बड़ी संस्था आइसीएआइ की ओर से आयोजित दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस 'प्रज्ञान' में रविवार को सीए, जीएसटी, इकोनॉमी, जॉब्स और एआई जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। जीएसटी में तथ्य और वैधानिकता की जांच जरूरी

आइसीएआइ ने किसी भी स्ट्रीम में 12वीं कक्षा पास छात्रों के लिए जूनियर सीए कोर्स शुरू किया है। 6 माह में इसकी परीक्षा होगी। परीक्षा पास करने के बाद जूनियर सीए का सर्टिफिकेट मिलेगा। इसी साल अप्रेल में जूनियर सीए की पहली परीक्षा देशभर में हुई थी। जिसमें 500 से अधिक उम्मीदवारों ने भाग लिया था।

नोटिस को ध्यान से जांचें

सीए अंचल कपूर ने जीएसटी नोटिस के बारे में बताया कि आजकल जीएसटी नोटिस ज्यादा आते हैं। नोटिस आते ही युवा सीए तथ्य जांचने लगते हैं। वैधानिकता नहीं जांचते, इसलिए कई तरह की समस्याएं आती हैं। बेहतर होगा कि दोनों को ध्यान से जांचें।

आइसीसी टी-20 विश्व कप : टीम इंडिया ने 6 रन से जीता मैच, टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की

गेंदबाज बने भारतीय टीम की जीत के नायक, पाकिस्तान के खिलाफ 120 रन का लक्ष्य बचाया

दमदार रेकॉर्ड : भारतीय टीम ने टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान से 08 मैच खेले और 07 जीते

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

न्यूयॉर्क. गेंदबाजों के बेहद शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने रविवार को खेले गए आइसीसी टी-20 विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ छह रन से जीत हासिल की। हालांकि भारतीय टीम की बल्लेबाजी बेहद खराब रही और पूरी टीम 19 ओवर में सिर्फ 119 रन बनाकर सिमट गई थी। लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया और पाकिस्तान की टीम को सात विकेट पर 113 रन ही बनाने दिए। भारत की पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 विश्व कप इतिहास में आठ मुकाबलों में यह सातवीं जीत है।

बुमराह ने 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए

भारतीय टीम की जीत के नायक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह रहे, जिन्होंने चार ओवर में 14 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए। वहीं, हार्दिक पांड्या ने चार ओवर में 24 रन देकर दो विकेट चटकाए। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट झटका।

भारत की अंतिम-8 में जगह पक्की, पाक की राह हुई मुश्किल

लगातार दो मैच जीतने के साथ ही भारतीय टीम ग्रुप-ए में चार अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और उसका अंतिम आठ में पहुंचना तय हो गया है। वहीं, लगातार दो मैच हारने के साथ ही पाकिस्तान की अगले दौर में पहुंचने की राह बेहद मुश्किल हो गई है। पहले मैच में पाकिस्तान को अमरीका के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

पाकिस्तान के बल्लेबाज को आउट करने के बाद हार्दिक पांड्या के साथ खुशी मनाते हुए भारतीय कप्तान रोहित शर्मा।

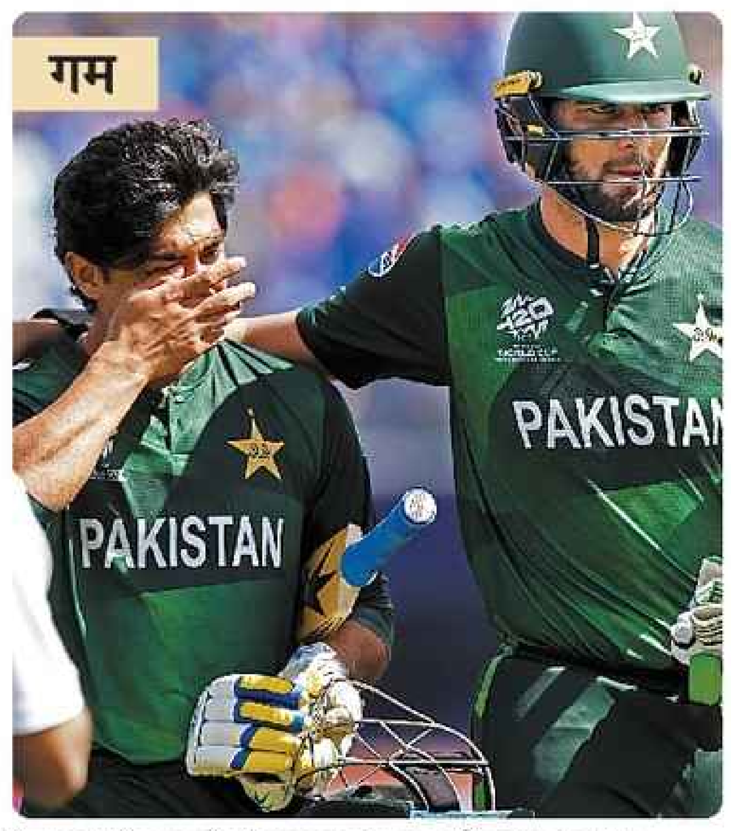

मैच हारने के बाद रो पड़े पाक बल्लेबाज नसीम शाह (बाएं)।

स्कोर बोर्ड

भारत	19 ओवर 119/10			
बल्लेबाज	रन	गेंद	4	6
रोहित कॉ राऊफ बो अफरीदी	13	12	01	01
कोहली कॉ उस्मान बो शाह	04	03	01	00
पंत कॉ बाबर बो आमिर	42	31	06	00
अक्षर बो शाह	20	18	02	01
सूर्यकुमार कॉ आमिर बो राऊफ	07	08	01	00
शिवम कॉ एंड बो शाह	03	09	00	00
हार्दिक कॉ इफ्तिखार बो राऊफ	07	12	01	00
जडेजा कॉ इमाद बो आमिर	00	01	00	00
अर्शदीप रन आउट	09	13	01	00
बुमराह कॉ इमाद बो राऊफ	00	01	00	00
सिराज नॉट आउट	07	07	00	00

अतिरिक्त: 07.
विकेट पतन: 1-12, 2-19, 3-58, 4-89, 5-95, 6-96, 7-96, 8-112, 9-112, 10-119.
गेंदबाजी: अफरीदी 4-0-29-1, शाह 4-0-21-3, आमिर 4-0-23-2, इफ्तिखार 1-0-07-0, इमाद 3-0-17-0, राऊफ 3-0-21-3.

पाकिस्तान	20 ओवर 113/07			
बल्लेबाज	रन	गेंद	4	6
रिजवान बो बुमराह	31	44	01	01
बाबर कॉ यादव बो बुमराह	13	10	02	00
उस्मान एलबीडब्ल्यू बो पटेल	13	15	01	00
फखर जमान कॉ पंत बो हार्दिक	13	08	01	01
इमाद कॉ पंत बो अर्शदीप	15	23	01	00
शादाब कॉ पंत बो हार्दिक	04	07	00	00
इफ्तिखार कॉ अर्शदीप बो बुमराह	05	09	00	00
अफरीदी नॉट आउट	00	01	00	00
शाह नॉट आउट	10	04	02	00

अतिरिक्त: 09.
विकेट पतन: 1-26, 2-57, 3-73, 4-80, 5-88, 6-102, 7-102.
गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-31-1, सिराज 4-0-19-0, बुमराह 4-0-14-3, हार्दिक 4-0-24-2, जडेजा 2-0-10-0, अक्षर 2-0-11-1.

आज का मुकाबला : न्यूयॉर्क के नासाउ क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा मैच

बांग्लादेश से लगातार 8 मैच जीता है द. अफ्रीका

प्रसारण : रात 8.00 बजे से

न्यूयॉर्क @ पत्रिका. दक्षिण अफ्रीका के लिए आइसीसी टी-20 विश्व कप अभी तक बेहद शानदार रहा है और उसने ग्रुप-डी में लगातार दो मुकाबले जीते हैं। अब दक्षिण अफ्रीका की टीम सोमवार को बांग्लादेश के खिलाफ अपने तीसरे मुकाबले के लिए मैदान पर उतरेगी। इस मैच को जीतने के साथ ही दक्षिण अफ्रीका की टीम अंतिम-आठ में अपनी जगह पक्की कर लेगी। दक्षिण अफ्रीका ने इस टूर्नामेंट में अब तक श्रीलंका और नीदरलैंड्स को हराया है।

अंतिम-8 में जगह हो जाएगी पक्की : रेकॉर्ड पर नजर डालें तो बांग्लादेश के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका का रेकॉर्ड बेहतरीन रहा है। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश से कुल आठ मुकाबले खेले हैं और सभी में जीत हासिल की है।

बांग्लादेश के लिए आसान नहीं होगी राह

बांग्लादेश ने भी टूर्नामेंट में जीत से आगाज किया है और पहले मैच में श्रीलंकाई टीम को शिकस्त दी है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसकी राह आसान नहीं होगी।

बल्लेबाजी में सुधार जरूरी : पिछले तीन टी-20 मैचों पर नजर डाली जाए तो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बांग्लादेश की बल्लेबाजी बेहद निराशाजनक रही है। पिछले तीन मैचों में टीम 150 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सकी है। ऐसे में टीम के आगे चुनौती मुश्किल है।

टेनिस : फाइनल में जर्मनी के ज्वेरेव को हराया

अल्कारेज का राज... पहली बार बने फ्रेंच ओपन चैंपियन

फ्रेंच ओपन जीतने के बाद ट्रॉफी को चूमते हुए कार्लोस अल्कारेज।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. स्पेन के 21 वर्षीय कार्लोस अल्कारेज ने रविवार रात फ्रेंच ओपन का पुरुष एकल खिताब जीत लिया। तीसरी वरीय अल्कारेज ने फाइनल में जर्मनी के चौथी वरीय खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 6-3, 2-6, 5-7, 6-1, 6-2 से शिकस्त दी। इसके साथ ही अल्कारेज ने अपने करियर का कुल तीसरा और पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया। इससे पहले उन्होंने 2022 में यूएस ओपन और 2023 में विम्बलडन खिताब जीत था।

ज्वेरेव का दूसरी बार सपना टूटा

जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव का पहली बार ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना फिर टूट गया। फ्रेंच ओपन से पहले उन्हें 2020 में यूएस ओपन के फाइनल में भी हार झेलनी पड़ी थी।

CROSSWORD 7010...

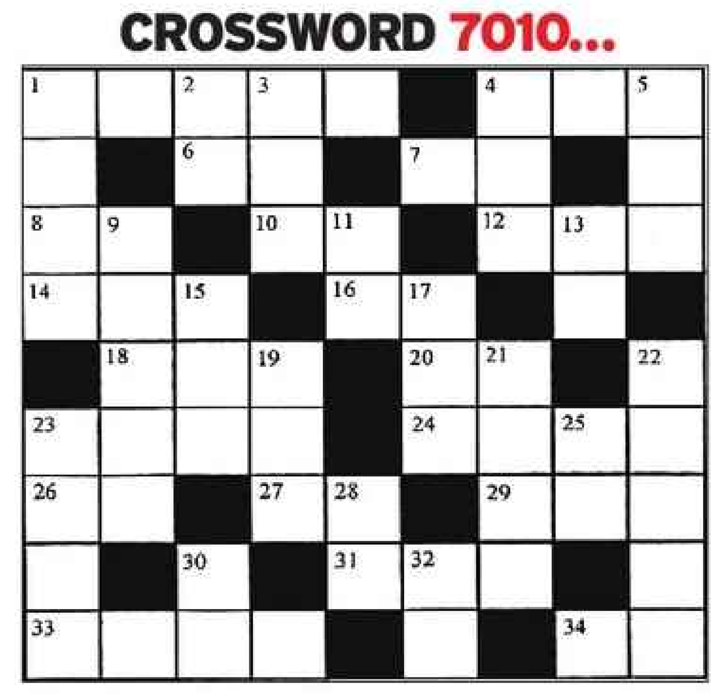

बाएं से दाएं... 1. विश्वसनीय (5), 4. संभव है कि, कदाचित (3), 6. स्वामी, मालिक (2), 7. दुल्हा (2), 8. गाड़ी (2), 10. गीला, आर्द्र (2), 12. दैत्य, राक्षस (3), 14. नेत्र, आंख (3), 16. सरिता, दरिया (2), 18. न देखा हुआ, लालची (3), 20. अभियोग, मुकदमा (2), 23. संतोष की बात (4), 24. झूमते हुए चलना (4), 26. बाल, लोमवाला चमड़ा (2), 27. खर्च (2), 29. पल्लू (3), 31. ग्रहों का भ्रमण मार्ग (3), 33. स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती (4), 34. अन्न कण (2)

ऊपर से नीचे... 1. ईश्वर, जगदीश (4), 2. पलटन, लश्कर, वाहिनी (2), 3. मनन, गौर करना, बिलोना (3), 4. विद्या की देवी, सरस्वती (3), 5. दाब, असर (3), 9. अश्रु, चक्षुजल (3-2), 11. मेरा (2), 13. पर्वत, संख्या सूचक शब्द (2), 15. सखा, मित्र (3), 17. भीत (3), 19. देने योग्य, दान का (3), 21. मजबूत, दृढ़ (4), 22. अंत:पुर, रनिवास (5), 23. असावधानी (4), 25. अल्प, थोड़ा (2), 28. मृत्यु का देवता (2), 30. आमदनी (2), 32. धब्बा, कलंक (2)

हल 7009

SUDOKU 6745...

	2	8	9					
			5					
	9						5	
4								
				4		3		8
	7				1			9
			8				1	2
		9	2		3	5	6	
	6			7				

हल 6744

1	4	7	9	6	3	2	8	5
8	9	3	5	7	2	6	4	1
5	2	6	1	8	4	9	7	3
4	5	2	6	3	7	8	1	9
9	6	1	8	4	5	7	3	2
7	3	8	2	9	1	4	5	6
2	7	9	3	5	8	1	6	4
6	8	5	4	1	9	3	2	7
3	1	4	7	2	6	5	9	8

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का पोल

क्या बांग्लादेश की टीम पहली बार विश्व कप में द. अफ्रीका को हरा पाएगी?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

रविवार का जवाब

हां 77% नहीं 23%

पिछला सवाल: क्या भारतीय टीम विश्व कप मैच में पाकिस्तान को शिकस्त दे पाएगी?

टी-20 विश्व कप : कंगारू टीम ने 36 रन से जीत हासिल की, टूर्नामेंट में लगातार दो जीत से ग्रुप-बी में शीर्ष पर

ऑस्ट्रेलिया से हारकर गत चैंपियन इंग्लैंड की मुश्किल बढ़ीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ब्रिजटाउन. एडम जाम्पा की फिरकी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने आइसीसी टी-20 विश्व कप में शनिवार रात मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड को 36 रन से हराया। ग्रुप-बी के मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 201 रन बनाए। डेविड वार्नर ने 16 गेंदों पर सर्वाधिक 39 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 6 विकेट पर 165 रन ही बना सकी।

सुपर-8 की राह मुश्किल हुई: इंग्लैंड ने अब तक दो मैच खेले हैं और एक हारा जबकि एक बेनतीजा रहा। टीम का पिछला मैच बारिश से धुल गया था। इंग्लैंड को ना सिर्फ अब अपने दोनों मैच जीतने होंगे बल्कि उसकी किस्मत दूसरी टीमों के परिणाम पर भी निर्भर होगी।

विकेट लेने के बाद जश्न मनाते एडम जाम्पा (बाएं)।

प्लेयर ऑफ द मैच

एडम ने फिरकी में फंसाया

कंगारू स्पिनर एडम जाम्पा ने 4 ओवर में 28 रन देकर दो विकेट चटकाए। इंग्लैंड का स्कोर सात ओवर में बिना विकेट गंवाए 73 रन था। ऐसे में जाम्पा ने लगातार दो ओवर में फिल साल्ट और जोस बटलर को आउट कर मैच का नक्शा बदल दिया।

ग्रुप-सी मैच : 39 रन पर सिमट गई युगांडा टीम

युगांडा को सबसे कम स्कोर पर आउट कर जीता विंडीज

प्रोविडेंस (गुयाना) @ पत्रिका. मेजबान वेस्टइंडीज ने जीत की लय कायम रखते हुए आइसीसी टी-20 विश्व कप मुकाबले में युगांडा को 134 रन से करारी शिकस्त दी। वेस्टइंडीज ने पांच विकेट पर 173 रन बनाए। जवाब में युगांडा की टीम 12 ओवर में सिर्फ 39 रन पर सिमट गई। यह आइसीसी टी-20 विश्व कप का सबसे न्यूनतम स्कोर है। इससे पहले, नीदरलैंड्स की टीम 2014 में श्रीलंका के खिलाफ भी 39 रन पर सिमट गई थी।

अकील हुसैन, विंडीज स्पिनर।

प्लेयर ऑफ द मैच : वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन ने जबरदस्त गेंदबाजी की और चार ओवर में 11 रन देकर पांच विकेट झटके। वह प्लेयर ऑफ द मैच बने।

एथलेटिक्स

संजीवनी 10 हजार मी रेस में अव्वल

संजीवनी जाधव, एथलीट।

पोर्टलैंड (अमरीका) @ पत्रिका. एशियन चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय महिला एथलीट संजीवनी जाधव ने यहां पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल हाई परफोरमेंस मीट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 10,000 मीटर स्पर्धा में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 32:22.77 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। अन्य भारतीय सीमा ने 32:55.91 सेकेंड के साथ पांचवां स्थान हासिल किया।

स्ट्रासबर्ग एथलेटिक्स मीट भालाफेंक स्पर्धा

अन्नू रानी ने रजत पदक जीता लेकिन ओलंपिक से चूकी

स्ट्रासबर्ग (फ्रांस). भारत की अन्नू रानी ने शनिवार को यहां नेशनल डी स्ट्रासबर्ग 2024 एथलेटिक्स मीट में महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीता। इस सीजन की अपनी चौथी प्रतियोगिता में उन्होंने आखिरी प्रयास में 57.48 मीटर थ्रो किया। लेकिन वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी। पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन मार्क 64 मीटर था, जबकि अन्नू का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 63.82 मीटर है।

अन्नू रानी, भालाफेंक

पैरा एथलेटिक्स

सौरभ शर्मा ने दो स्वर्ण पदक जीते

नोट्टविल, स्विटजरलैंड @ पत्रिका. हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के निवासी सौरभ शर्मा ने यहां विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स में भारत को दो स्वर्ण पदक दिलाए। भारतीय धावक ने टी-12 वर्ग में 155 मीटर और 5 हजार मीटर रेस में शीर्ष स्थान पर रहते हुए स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले वह राष्ट्रीय स्तर पर सात स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। सौरभ के बड़े भाई विकास ने कहा, उसका अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में स्वर्ण जीतने का सपना पूरा हुआ।

बुडापेस्ट कुश्ती रैंकिंग सीरीज 2024

फाइनल में हारकर रीतिका को रजत पदक से संतोष करना पड़ा

बुडापेस्ट @ पत्रिका. भारतीय महिला पहलवान रीतिका हुड्डा ने शनिवार को यहां बुडापेस्ट कुश्ती रैंकिंग सीरीज में स्वर्ण पदक जीतने का मौका गंवा दिया। महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग के फाइनल में रीतिका को कोलंबिया की तातियाना रेंटारिया से हार झेलकर रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता में यह भारत का चौथा पदक है। इससे पहले अमन सहरावत, अंतिम पंघाल, अंशु मलिक ने रजत पदक हासिल किए।

रीतिका हुड्डा, भारतीय पहलवान।

बेटियों का कमाल // उत्तर प्रदेश की 30 वर्षीय महिला फाइटर ने अमरीका में धूम मचाई, अपनी पदार्पण फाइट में ही किया कमाल, वुशु में पांच बार राष्ट्रीय चैंपियन भी रह चुकी हैं

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स फाइटर पूजा तोमर यूएफसी फाइट जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

फाइट के दौरान भारत की पूजा तोमर (दाएं)।

पदार्पण मैच में ब्राजील की फाइटर को दी शिकस्त

दुनिया को दिखाना था कि भारतीय भी जीत सकते हैं

लुइसविले (अमरीका) @ पत्रिका. *भारत की 30 वर्षीय पूजा तोमर ने शनिवार रात इतिहास रच दिया और अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) जीतने वाली देश की पहली मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर बन गई। यह फाइट अमरीका के लुइसविले केंटुकी में आयोजित हुई थी, जहां पूजा ने 52 किग्रा वर्ग में ब्राजील की रेयाना डोस सांतोस को 30-27, 27-30, 29-28 से मात दी।*

यह पूरे देश की जीत है : पूजा

जीत के बाद खुश पूजा ने कहा, यह जीत सिर्फ मेरी नहीं बल्कि पूरे देश की है। इससे पहले, लोग सोचा करते थे कि भारतीय फाइटर यूएफसी फाइट नहीं जीत सकते लेकिन मैं मुझे खुद पर पूरा भरोसा था कि मैं जीत हासिल कर सकती हूं। मेरे दिमाग में सिर्फ यही चल रहा था कि मुझे जीतना है और पूरी दुनिया को दिखाना है कि भारतीय फाइटर भी जीत सकती हैं।

कराटे-ताइक्वांडो में भी महारत: पूजा उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर की रहने वाली हैं। एमएमए फाइटर बनने से पहले वह वुशु खिलाड़ी थीं और पांच बार राष्ट्रीय चैंपियन रहीं। उन्हें कराटे और ताइक्वांडो में भी महारत हासिल है।

वेदांगी कुलकर्णी।

124 दिन के अंदर 29,000 किमी का सफर तय करेंगी

दुनिया फतह करने निकलेंगी साइकिलिस्ट वेदांगी कुलकर्णी

पुणे @ पत्रिका. *भारतीय साइकिलिस्ट वेदांगी कुलकर्णी पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस पर जबरदस्त काम कर रही हैं क्योंकि वह जल्द ही दुनिया का भ्रमण करने के लिए निकलेंगी। 25 वर्षीय वेदांगी का लक्ष्य दुनिया का भ्रमण करने वाली दुनिया की सबसे तेज साइकिलिस्ट बनना है। वह अपने सफर की शुरुआत अगले महीने जुलाई के पहले सप्ताह से करेंगी।*

करीब 14 देशों की यात्रा करेंगी

वेदांगी अपनी यात्रा की शुरुआत भारत के ईस्ट कोस्ट से करेंगी और अपने सफर के दौरान करीब 14 देशों की सीमाएं पार करेंगी। इस दौरान वह मंगोलिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा, पुर्तगाल, स्पेन, फ्रांस, बेल्जियम, नीदरलैंड्स, जर्मनी, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड और ओमान जाएंगी। ओमान पहुंचने के बाद वह गुजरात से होते हुए वापस कन्याकुमारी आएंगी।

रोजाना 270-300 किमी साइकिल चलाएंगी: वेदांगी ने कहा, मुझे रोजाना 270 से 300 किमी का सफर तय करना होगा और इसके लिए फिजिकल ट्रेनिंग बहुत जरूरी है। मैं रोजाना योगा और मेडिटेशन करती हूं। मेरा लक्ष्य देश का नाम रौशन करना है।

BHARATHIYA JANATHA PARTY
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा
ने किसानों को दिया वायदा किया पूरा ।
क्षेत्र के किसान होंगे खुशहाल.....
माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी
को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
श्री प्रहलाद जोशी केबिनेट मंत्री
श्री भूपेन्द्र यादव केबिनेट मंत्री
श्री गजेन्द्र सिंह केबिनेट मंत्री
श्री अर्जुनराम मेघवाल केबिनेट मंत्री
श्री भागीरथ चौधरी केबिनेट मंत्री
केबिनेट मंत्री बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
राजस्थान से भाजपा के नव निर्वाचित सांसदो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
श्री सीपी जोशी चितौड़गढ़
श्री ओम बिरला कोटा-बूंदी
श्री पीपी चौधरी पाली
श्री दामोदर अग्रवाल भीलवाड़ा
श्री राव राजेन्द्रसिंह जयपुर ग्रामीण
डॉ. मंजू शर्मा जयपुर शहर
श्रीमती महिमा कुमार राजसमंद
श्री दुष्यन्त सिंह झालावाड़
श्री लुम्बाराम चौधरी जालौर-सिरोही
श्री मन्नालाल रावत उदयपुर
पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों को
वरदान साबित हुई
ERCP
(ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट)
एडवोकेट रविन्द्र मीना
मुख्य संयोजक
पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान विकास समिति
भामाशाह रामनिवास मीना
अध्यक्ष पानी वाले बाबा
पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान विकास समिति
मो. 9829058291

पत्रिका पोल

Q क्या सोशल मीडिया मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ?

कल का सवाल था

क्या क्लीनिकों में डॉक्टरों के क्यूआर कोड प्रदर्शित करने से इस पेशे में फर्जीवाड़ा खत्म हो सकता है?

जवाब

93% हां 7% नहीं

स्कैन करें...

हलचल @ राजनीति

आंध्रप्रदेश नायडू 12 को केसरपल्ली में लेंगे शपथ

अमरावती @ पत्रिका. तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू 12 जून को कृष्णा जिले के गन्नावरम में केसरपल्ली आइटी पार्क के निकट नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। एयरपोर्ट के निकट यह पार्क विजयवाड़ा से 20 किमी दूर है। पार्टी की ओर से पहले अमरावती में शपथ ग्रहण समारोह प्रस्तावित था। शपथ ग्रहण में भाजपा और अन्य दलों के कई नेताओं को पहुंचने की उम्मीद है। विधानसभा चुनाव में टीडीपी, जनसेना और और भाजपा गठबंधन ने 164 सीटें जीती थीं।

यूपी अखिलेश का तंज, ऊपर से जुड़ा कोई तार नहीं..

लखनऊ @पत्रिका. यूपी में समाजवादी पार्टी के ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। अब वह खुलकर भाजपा को निशाने पर ले रहे हैं। रविवार को एनडीए सरकार के शपथ ग्रहण से पहले एक्स पर लिखा, ऊपर से जुड़ा कोई तार नहीं, नीचे कोई आधार नहीं... अधर में जो है अटकी हुई वो तो कोई 'सरकार' नहीं।

ओडिशा पांडियन ने राजनीति से लिया संन्यास

भुवनेश्वर @पत्रिका. ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजेडी) की करारी हार के बाद 24 वर्ष बाद सत्ता से बाहर हुए नवीन पटनायक के करीबी वीके पांडियन ने राजनीति से संन्यास ले लिया। एक दिन पहले ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने पांडियन की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने एक अफसर के तौर पर बहुत अच्छा काम किया। 2000 बैच के पूर्व आइएएस अफसर वीके पांडियन वीआरएस लेकर राजनीति में आ गए थे।

इंडिया @ शॉर्ट रीड

दिल्ली पानी नहीं छोड़ा तो जल संकट: आतिशी

नई दिल्ली @ पत्रिका. दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह को एक बार फिर पत्र लिखकर कहा है कि यदि पड़ोसी राज्य दिल्ली के लिए अतिरिक्त पानी नहीं छोड़ता है तो राष्ट्रीय राजधानी को 'अगले एक-दो दिन में बड़े जल संकट का सामना करना पड़ेगा।' आतिशी ने पत्र में लिखा, पिछले कुछ दिनों से हरियाणा मुनक नहर में पर्याप्त पानी नहीं छोड़ रहा है। आतिशी ने दिल्ली के लिए मुंडक नहर में कम से 1050 क्यूसेक पानी छोड़ने का अनुरोध किया।

बंगाल साधु कार्तिक महाराज को केंद्रीय सुरक्षा

कोलकाता @पत्रिका. भारत सेवाश्रम संघ की मुर्शिदाबाद जिले में बेंदांगा इकाई से जुड़े साधु कार्तिक महाराज को केंद्र सरकार ने केंद्रीय सुरक्षा देते हुए सीएपीएफ के चार जवान तैनात किए हैं। कार्तिक महाराज पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 'भाजपा के लिए काम करने' का आरोप लगाया था। पिछले महीने कार्तिक महाराज ने संभावित हमले के खिलाफ सुरक्षा की मांग करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

घाटी '70 से ज्यादा विदेशी आतंकवादी सक्रिय'

श्रीनगर @पत्रिका. सेना की 15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने रविवार को कहा कि डीजीपी आर.आर. स्वैन ने जम्मू-कश्मीर में 70-80 विदेशी आतंकवादियों के सक्रिय होने की जो बात कही है वह सही है। करगिल युद्धवीरों के सम्मान समारोह में मीडिया से बात करते हुए लेफ्टिनेंट घई ने कहा, सभी सुरक्षा एजेंसियां पूरे तालमेल के साथ इन विदेशी आतंकियों से निपट रही हैं।

हादसा माल्यार्पण करते क्रेन टूटी, पार्षद घायल

भोपाल @ पत्रिका. मध्य प्रदेश की राजधानी में महाराणा प्रताप जयंती के मौके पर प्रतिमा पर माल्यार्पण के दौरान क्रेन की बकेट से गिरने से पार्षद जितेंद्र सिंह राजपूत घायल हो गए। ज्योति टॉकीज चौराहे पर नगर निगम ने मौके पर हाइड्रोलिक क्रेन खड़ी की थी, राजपूत उसी पर चढ़ कर प्रतिमा के नजदीक आए तो बकेट की वेल्डिंग टूट गई। इसके चलते राजपूत भी ऊंचाई से नीचे आ गिरे और उनके पैर में फ्रेक्चर हो गया।

दिल्ली गुपचुप आए थे कनाडा खुफिया प्रमुख

नई दिल्ली @ पत्रिका. कनाडा की खुफिया एजेंसी के प्रमुख डेविड विग्नॉल्ट ने खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से संबंधित मामले से भारतीय अधिकारियों को अवगत कराने के लिए फरवरी व मार्च में भारत की दो गुपचुप यात्राएं कीं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। सितंबर में निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की 'संभावित' संलिप्तता के कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आया था।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

अमरीका नाइजर से सैनिकों की वापसी शुरू

नियामी @ पत्रिका. अमरीका ने नाइजर से अपने सैनिकों को वापस बुलाना शुरू कर दिया है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों ने शनिवार को एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी। सैनिकों की पूर्ण वापसी 15 सितंबर से पहले हो जाएगी। तख्तापलट के बाद आई सरकार ने मार्च में अमरीका के साथ सैन्य समझौते को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया था। नाइजर में अनुमानित 1,100 अमरीकी कर्मी हैं।

इजरायल: नेतन्याहू मंत्रिमंडल से रक्षा मंत्री गैंट्ज का इस्तीफा

तेल अवीव @ पत्रिका. इजरायल के युद्ध कैबिनेट के सदस्य और नेतन्याहू कैबिनेट में रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ने बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार से इस्तीफा दे दिया है। इससे गाजा में बंधकों के साहसिक बचाव अभियान का जश्न मना रहे इजरायली पीएम को झटका लगा है। गैंट्ज ने टेलीविजन पर दिए गए एक बयान में कहा, सरकार छोड़ना एक जटिल और दर्दनाक निर्णय है।

पीएम के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं गैंट्ज

गैंट्ज को नेतन्याहू का मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। गैंटज ने पहले प्रधानमंत्री नेतन्याहू को अल्टीमेटम दिया था कि 8 जून तक हमास के खिलाफ युद्ध के लिए एक नई योजना बनाएं। ऐसा नहीं किए जाने पर अब गैंट्ज ने इस्तीफा दे दिया है।

समर्थन: यमन में हूती मूवमेंट के पक्ष में परेड

सना. यमन की राजधानी में हूती मूवमेंट के समर्थन में निकली परेड में हिस्सा लेते हुए नए लड़ाके। ट्रक पर पवित्र कुरान की विशालकाय प्रतिकृति प्रदर्शित की गई है। हूती आंदोलन मुख्य रूप से जैदी शिया बल से संचालित है।

प्रदर्शन: इजरायल के खिलाफ उतरे अमरीकी

वाशिंगटन. गाजा युद्ध में अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन के इजरायल को समर्थन देने के विरोध में लाल रंग के करीब दो मील लंबे बैनर 'रेड लाइन' से वाइट हाउस को घेरे हुए हजारों फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारी।

लोकतंत्र: हिंसा के बीच 27 देशों के 37 करोड़ मतदाताओं के मध्य डाले गए वोट

यूरोप में मतदान संपन्न, भारत की मित्र मेलोनी का किंगमेकर बनना तय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ब्रसेल्स. यूरोपीय संसद के मतदान के अंतिम दिन 21 यूरोपीय देशों में मतदान संपन्न हो गया। यूरोप की राजनीति में यह चुनाव खास तौर पर दो कारणों से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। चुनाव अभियान और मतदान के दौरान यूरोप में राजनेताओं पर ऐसे हमले पहले कभी नहीं देखने को मिले। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन पर शुक्रवार को हमले के बाद उन्हें चुनाव प्रचार रोकना पड़ा है। इसके पूर्व स्लोवाकिया के पीएम समेत कई अन्य सांसद भी हमले के शिकार हुए हैं। दूसरी तरफ पूरे यूरोप में दक्षिणपंथी राजनीति और राष्ट्रवाद का उभार है। विशेषकर यूरोप की तीन दक्षिणपंथी पार्टियों की नजर इन चुनावों में राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक सीटें जीतने पर हैं। इनमें इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी, फ्रांस की नेशनल रैली और ऑस्ट्रिया की फ्रीडम पार्टी के साथ बेल्जियम की आव्रजन विरोधी पार्टी व्लाम्स बेलांग भी चुनावों में आगे चल रही हैं। जर्मनी में अति-दक्षिणपंथी पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) भी बढ़त ले सकती है।

यूरोपीय संसद में इन देशों का है सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व

सांसदों की संख्या

जर्मनी	फ्रांस	इटली	स्पेन	नीदरलैंड	ग्रीस	स्वीडन	हंगरी	पुर्तगाल	चेक रिपब्लिक
96	81	76	59	29	21	21	21	21	21

ये नेता बदल सकते हैं यूरोप की राजनीति

- **इटली में जॉर्जिया मेलोनी:** इन चुनावों का यूरोप की राष्ट्रीय राजनीति पर कोई खास असर नहीं दिखेगा, पर 720 सदस्यीय यूरोपीय संसद में 76 सीटों वाले इटली के लिए यही बात नहीं कही जा सकती। ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी की मुखिया जॉर्जिया मेलोनी ने पीएम रहते हुए ईयू के चुनाव में उतरने का असाधारण निर्णय लिया है, जबकि ये तय है कि वे सांसद बनने के लिए पीएम का पद नहीं छोड़ेंगी। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में उनकी पार्टी लगातार बहुमत हासिल करते दिख रही है और सभी 76 सीटें जीत सकती है। इस तरह, मेलोनी यूरोप की किंगमेकर हो सकती हैं।
- **फ्रांस में ले पेन:** फ्रांस की दक्षिण पंथी नेता मरीन ले पेन की नेशनल रैली पार्टी सर्वे में लगभग 33% का ऐतिहासिक समर्थन पाते दिख रही हैं, जो कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी के 16% से लगभग दोगुना है।
- **नीदरलैंड में गीर्ट वाइल्डर्स:** नीदरलैंड में गुरुवार को मतदान हुआ और एग्जिट पोल के अनुसार वामपंथी तथा ग्रीन पार्टी के गठबंधन को गीर्ट वाइल्डर्स की इस्लाम विरोधी दक्षिणपंथी पार्टी से कड़ी टक्कर मिल रही है।

पीएम मोदी 14 जून को इटली में मेलोनी से करेंगे मुलाकात

तीसरी बार शपथ लेने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 जून को अपनी पहली विदेश यात्रा पर जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर इटली जा रहे हैं। इस एक दिवसीय यात्रा के दौरान पीएम मोदी जी-7 देशों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद जी-7 देशों में सबसे पहले इटली की पीएम मेलोनी ने ही उन्हें बधाई दी थी। दोनों के बीच कई मौकों पर अच्छी मित्रता देखने को मिली है।

16 साल के युवा पहली बार करेंगे मतदान

इन चुनावों में जर्मनी और बेल्जियम में सोलह और सत्रह साल के युवा पहली बार मतदान कर रहे हैं, जिससे इन चुनावों में युवा मतदाताओं का असर बढ़ना तय माना जा रहा। ऑस्ट्रिया, माल्टा में पहले ही मतदान की उम्र 16 साल है।

पत्रिका एक्सप्लेन

आत्महत्या ने खोला 94 करोड़ के घोटाले का राज

बेंगलूरु @ पत्रिका. कर्नाटक सरकार के अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी. नागेंद्र ने राज्य के आदिवासी विकास निकाय से जुड़े 94 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के आरोपों के बीच 6 जून को पद से इस्तीफा दे दिया। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के अधीक्षक की कथित तौर पर आत्महत्या के बाद नागेंद्र को हटाने की मांग उठ रही थी। जानिए क्या है पूरा घोटाला और क्या कहती है जांच?

1. क्या है घोटाला?

केएमवीएसटीडीसी के प्रबंध निदेशक ए. राजशेखर ने 29 मई को शिकायत दर्ज कराई कि बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआइ) में निगम के खाते से 94.73 करोड़ रुपए की रकम निकाली गई और फर्जी हस्ताक्षर कर अलग-अलग खातों में ट्रांसफर की गई है। वहीं पुलिस ने बेंगलूरु में यूबीआइ के कुछ अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इसके अलावा, राज्य सरकार ने विशेष जांच दल (एसआइटी) गठित किया।

2. कैसे चला पता?

आत्महत्या से पहले पी. चंद्रशेखरन ने छह पन्नों का एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि निगम में कुछ अनियमितता और भ्रष्टाचार हो रहा है, जिसे उजागर न करने के लिए उन पर दबाव बनाया जा रहा है। पत्र पढ़ने के बाद पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया। फिर भाजपा विधायक एसएन चन्नबसप्पा ने बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्र दिखाया और मामले की जांच करने को कहा।

3. जांच क्या कहती है?

एसआइटी जांच के अनुसार, राज्य के खजाने से 50 करोड़ रुपए निगम के यूबीआइ खाते में ट्रांसफर किए गए। बाद में पता चला कि जिन 15 खातों में पैसे ट्रांसफर किए थे, उनमें नौ खाते 31 मार्च को हैदराबाद के आरबीएल बैंक में खोले गए थे। इसके बाद एसआइटी ने हैदराबाद से केएमवीएसटीडीसी के पूर्व एमडी, अकाउंट ऑफिसर और फर्स्ट फाइनेंस क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के चेयरमैन को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, ये सभी लेन-देन एक ही दिन में हुए, जिसमें बैंक अधिकारियों के अलावा निगम के लोग भी शामिल हैं।

4. मंत्री को क्यों देना पड़ा इस्तीफा?

पूरे मामले का खुलासा होने के बाद भाजपा ने नागेंद्र के इस्तीफे की मांग की। बढ़ते दबाव के बीच नागेंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने यह कहते हुए पद छोड़ा कि एसआइटी मामले की जांच कर रही है, अगर वह जांच के दौरान मंत्री पद पर रहे तो इससे समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

प्रस्तुति: अंजली शर्मा

संयुक्त बयान

पाकिस्तान के साथ चीन ने भी अलापा फिर कश्मीर राग

बीजिंग @पत्रिका. पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की चीन यात्रा के समापन पर दोनों पक्षों के संयुक्त वक्तव्य में एक बार फिर कश्मीर राग अलापा गया। पाकिस्तान ने दक्षिण एशिया में लंबित सभी मुद्दों विशेषकर कश्मीर के समाधान के लिए किसी भी एकतरफा कार्रवाई का विरोध किया। बताया गया है कि इस दौरान चीनी पक्ष ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर विवाद को संयुक्त राष्ट्र चार्टर, प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार उचित और शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए।

आइसलैंड: सड़क को निगल गया ज्वालामुखी का लावा

ग्रिंडाविक. आइसलैंड के शहर ग्रिंडाविक की सड़क तक आ पहुंचे लावा का निरीक्षण करते खोज और बचाव दल के लोग। यह लावा पिछले महीने रेक्जनेस प्रायद्वीप क्षेत्र में ज्वालामुखी विस्फोट के बाद धीमे-धीमे फैलता हुआ यहां पहुंचा है।

प. बंगाल: नहर से बरामद हुई बांग्लादेशी सांसद की हड्डियां

कोलकाता@पत्रिका. बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या की जांच में रविवार को सीआइडी ने दक्षिण 24 परगना जिले में एक नहर के पास से मानव हड्डियों के कुछ हिस्से बरामद किए। माना जा रहा है कि यह हड्डियां बांग्लादेशी सांसद के सीने और दोनों हाथ के हैं। इन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। मामले के प्रमुख संदिग्ध मोहम्मद सियाम हुसैन से पूछताछ के बाद ये हड्डियां बागजोला नहर के दक्षिण-पूर्वी तट से बरामद की गईं। हुसैन को नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार करके भारत को प्रत्यर्पित किया था।

ट्रेंडिंग न्यूज

पाकिस्तान खेती करना चीन से सीखेगा

पाकिस्तान आधुनिक तरीके से खेती सीखने के लिए एक हजार छात्रों का बैच भेजेगा। पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चीन दौरे के आखिरी दिन यह ऐलान किया।

अहमदीनेजाद नहीं लड़ सकेंगे चुनाव

ईरान में पूर्व राष्ट्रपति अहमदीनेजाद राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 28 जून को होने वाले चुनाव के लिए संसद के स्पीकर समेत छह नामों पर मुहर लगी है। अहमदीनेजाद ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए बीते रविवार को नामांकन भरा था।

सड़क पर घसीटना चाहते थे इमरान

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने पूर्व पीएम इमरान खान को राजनीतिक सुलह के रास्ते में मुख्य बाधा बताया है। नवाज ने कहा, इमरान ने मुझे सड़कों पर घसीटने की कसम खाई थी, फिर भी उनको जेल में एयर कंडीशन दिया जा रहा है।

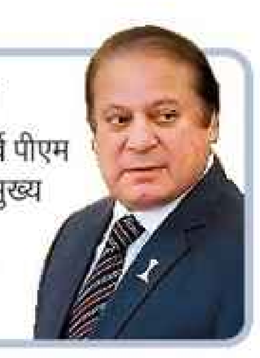

जलस्तर बढ़ाने का सरल और नायाब तरीका सिखा रहे खंभाती कुएं

पत्रिका नगेंद्र सिंह
patrika.com

अहमदाबाद. अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस मुख्यालय में बने खंभाती कुएं का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। कुएं की खासियत यह है कि इससे क्षेत्र के जलस्तर को ऊपर लाने में मदद मिलती है, जिससे पानी में क्षार भी कम होता है।

गुजरात पुलिस आवास निगम के प्रबंध निदेशक (एडीजीपी) हंसमुख पटेल ने वीडियो साझा कर बताया कि जल संरक्षण के उद्देश्य से ग्रामीण पुलिस मुख्यालय में खंभाती कुआं बनाया गया है। इसमें एक साल में 60 परिवारों की जरूरत जितना पानी उतारा जा सकता है। पटेल ने बताया, जलस्तर ऊपर लाने में रिचार्ज वेल की बजाय खंभाती कुएं ज्यादा कारगर हैं। रिचार्ज वेल की बजाय इन कुओं में पानी ज्यादा मात्रा में जमीन में पहुंचाया जा सकता है। ये पानी को संग्रह भी करते हैं। दूसरी बात, बारिश का पानी बाहर इलाके में मुश्किल पैदा करने की बजाय इन कुओं में आसानी से उतारा जा सकता है। खंभाती कुआं हर घंटे 75 से 80 हजार लीटर पानी को जमीन में उतारता है। अहमदाबाद शहर में बीते तीन साल में 100 खंभाती कुएं बनाए हैं। इसके बेहतर परिणाम मिले हैं।

30 फीट गहरा, 15 फीट चौड़ा-एक साल में संग्रह कर सकता है 60 परिवारों के उपयोग का पानी

जल जमाव रोकते, टीडीएस भी घटाते हैं

राजस्थान के गंगानगर जिले के नोहर निवासी और अहमदाबाद में रहने वाले पर्यावरणविद लोकेन्द्र बालासरिया ने बताया कि खंभाती कुआं क्षेत्र के जल जमाव की समस्या खत्म करने के साथ पानी के टीडीएस (टोटल डिजोल्वड सॉलिड) को घटाने में काफी मददगार है। साढ़े तीन लाख रुपए की लागत में एक कुआं बनता है। यह कुआं करीब 10 से 15 साल तक प्रभावी तरीके से काम करता है।

मधुमक्खी के छत्ते जैसा डिजाइन

खंभाती कुएं का डिजाइन मधुमक्खी के छत्ते जैसा है। इसमें पानी इस तरह फिल्टर होता है कि जमीन में जाने से पहले टीडीएस भी कम हो जाता है। डीजीपी पटेल ने बताया कि लोकेन्द्र बालासरिया के सहयोग से इसे कारीगर हकीमभाई ने तैयार किया है। यह 30 फीट गहरा और 15 फीट चौड़ा है। इसके ऊपर आरसीसी के स्लैब का काम करना बाकी है। सूत्रों के मुताबिक अहमदाबाद शहर में ऐसे 100 कुओं का निर्माण किया गया है।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII , सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादकः भुवनेश जैन। सम्पादकीय प्रभारीः सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी''